



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 20, 1980 (अग्रहायण 29, 1902)  
No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 20, 1980 (AGRAHAYANA 29, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 12 नवम्बर 1980

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 नवम्बर 1980

सं० ए० 12019/3/80-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कु० के० बंडोपाध्याय, अनुसंधान सहायक (बंगला) तथा श्री एम० एल० बराडपांडे अनुसंधान सहायक (मराठी) को 5-11-80 से तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषाएं) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/3/80-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23-5-1980 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अधीक्षक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम	अधीक्षक (त० सं०) के पद पर नियुक्ति की अवधि
----------	-----	--

- |                         |                               |
|-------------------------|-------------------------------|
| 1. श्री बी० आर० गुप्ता  | } 12-11-1980 से 28-2-1981 तक। |
| 2. श्री एस० सी० मस्ताना |                               |
| 3. श्री एम० एम० शर्मा   |                               |

2. उपर्युक्त व्यक्तियों को नोट कर लेना चाहिए कि कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषाएं) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इसका उन्हें कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषाएं) के ग्रेड में विलियन का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा।

क्रम सं०	नाम	अधीक्षक (त० सं०) के पद पर नियुक्ति की अवधि
4.	श्री जगदीश लाल	
5.	श्रीमती डी० जे० रामास्वामी	12-11-1980 से
6.	श्रीमती राज मेहता	28-2-1981 तक।
7.	कुमारी सुदर्शन झांडा	
8.	श्री आर० आर० भारद्वाज	15-11-1980 से 28-2-1981 तक

2. उक्त अधिकारी यह अवगत कर लें कि अधीक्षक (त० सं०) के पद पर उनको तदर्थ नियुक्ति का उन्हें स्वतः नियमित चिन्तन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता को कोई हक नहीं मिलेगा।

पी० एम० राणा  
अनुभाग अधिकारी  
कृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं० ए० 38014/4/80/प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के स्थाई सहायक तथा अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थापनापत्र रूप से कार्यरत श्री टी० एम० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24-11-73 की शर्तों के अनुसार 30-11-80 के अपराह्न में बाध्यक्य निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा में निवृत्ति को महर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

वाई० आर० गांधी  
प्रशासनिक अधिकारी  
कृते उप सचिव (प्रशासन)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह संचालन

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1980

सं० ए० 19036/17/80-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से श्री एम० रामास्वामी, प्रतिनियुक्त निरीक्षक को दिनांक 15-9-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थापनापत्र पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19036/19/80-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री पी० जनार्दन रेड्डी, प्रतिनियुक्त निरीक्षक को दिनांक 17-11-1980 (अपराह्न) से अगले आदेश तक के लिए स्थापनापत्र पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1980

सं० ए० 19021/10/80-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री बी० एन० पी० अन्वक्षक, भारतीय पुलिस सेवा (कर्नाटक 1969) को दिनांक 15-11-1980 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, बंगलूर शाखा में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं दिनांक 1 दिसम्बर 1980

सं० के-59/65-प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, भारतीय तेल निगम लि० में प्रतिनियुक्त श्री के० ए० राजागोपालन, पुलिस अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिनांक 31 अक्टूबर, 1980 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

की० ला० श्रोवर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल  
नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1980

सं० श्री० दो०-1052/77-स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर शटनजय गुप्ता जी० डी० श्री० ग्रेड I (सहायक कमान्डेंट) को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप 3 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में मिनियर मैडिकल ऑफिसर (कमान्डेंट) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० श्री० दो०-1195/74-स्थापना—राष्ट्रपति ने श्री दिनेश घनश्याम रामटेकर, उप-पुलिस अधीक्षक 50 बाहिनी, के० रि० पु० बल को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी) सेवा नियमावली, 1965 के नियम 5 (i) के अनुसार एक माह के नोटिस को समाप्ती पर दिनांक 03-11-1980 (अपराह्न) से कार्यभार से मुक्त कर दिया है।

ए० के० मुरी,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 26 नवम्बर 1980

सं० ई०-16015(6)/3/80-कामिक—एन० टी० पी० सी०, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर, श्री वाई० एन० खन्ना ने 5 अक्टूबर, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट आई० डी० पी० एल० ऋषिकेश के सहायक कमान्डेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कामिक—हृदय में स्थानांतरित होने पर श्री एन० सी० सेतुगुप्ता ने 6 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एच० एफ० सी० दुर्गापुर के सहायक कमान्डेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं० ई०-16013(1)/1/79-कामिक—राज्य सरकार को सेवाएँ पुनः सौंपे जाने पर, श्री ए० एच० पी० सिंह भा० पु० से०

(बिहार-61) ने 10 नवम्बर, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० एच० ई० सी० रांची के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

प्रकाश सिंह  
सहायक महानिरीक्षक कार्मिक

#### भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 नवम्बर 1980

सं० 11/75/79-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-2 के अधिकारी, इस समय गोवा, दमन और दीव सरकार के योजना और सांख्यिकी निदेशक के पद पर कार्यरत और संघ राज्य क्षेत्र, गोवा, दमन और दीव और दादर और नागर हवेली में जनगणना कार्य निदेशालय में पदेन निदेशक श्री एस० के० गांधे को गोवा, दमन और दीव और दादर व नागर हवेली में जनगणना कार्य निदेशालय में 10 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी अवधि पहले हो, तदर्थ तौर पर पूर्ण कालिक जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गांधे का मुख्यालय पणजी में होगा।

सं० 11/11/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री आर० एन० मुखोपाध्याय को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 11 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मुखोपाध्याय का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 11/74/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के अधिकारी श्री पी० गोपाल कृष्णन नायर की पुनः नियुक्ति पर उन्हें केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 नवम्बर, 1980 से 31 अक्टूबर, 1981 तक एक वर्ष की अवधि के लिए, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नायर का मुख्यालय मुवातपज्जा में होगा।

3. श्री नायर की सेवाएं 31-10-1980 से पहले नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द की जा सकती हैं।

सं० 11/74/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के अधिकारी श्री पी० भासकरन नायर की पुनः नियुक्ति पर उन्हें त्रिवेन्द्रम, केरल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 दिसम्बर, 1980 से 30 नवम्बर 1981 तक एक वर्ष की अवधि के लिए, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री भासकरन का मुख्यालय कोट्टायम में होगा।

श्री भासकरन की सेवाएं 30-11-1981 से पहले नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए समाप्त की जा सकती हैं।

दिनांक 27 नवम्बर 1980

सं० 11/31/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, आंध्रप्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री जे० वी० एम० मुन्ना राव को आंध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 2 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राव का मुख्यालय कुरुनूल में है।

पी० पद्मनाभ,  
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 26 नवम्बर 1980

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—अधोहस्ताक्षरकर्ता श्री एम० पोन्नुथुराई, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (इलेक्ट्रोफार्मिंग वाटर वाइपिंग) को नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- समूह "ख" (राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 26-7-80 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—अधोहस्ताक्षरकर्ता श्री एम० दत्ता स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (इंफ्रेविंग) को नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से तकनीकी अधिकारी (डिजाइनिंग एवं इंफ्रेविंग) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 26-7-80 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—अधोहस्ताक्षरकर्ता श्री डी० आर० कोंडावर, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट प्रिंटिंग) को नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 26-7-80 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

नस्ती क्रमांक बी०एन०पी०/सी०/5/80—अधोहस्ताक्षरकर्ता श्री रामपालसिंह, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट प्रिंटिंग) को नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय देवास में दिनांक 26-7-80 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

मु० वै० चार  
उप महाप्रबंधक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 नवम्बर 80

सं० 2809/वा०ले०प०/1/10-80 के० डब्ल्यू०—अपर उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री डी०जी० देशकर लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को सी०सी० एस (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48क के उपबन्ध के अधीन तारीख 1-11-80 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

आर० के० मेहरा,  
सहायक निदेशक (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश संख्या 385—वार्धक्य निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी और स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एच० आर० कपूर भारत सरकार की सेवा से दिनांक 30-11-80 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त होंगे।

विष्णू सहाय  
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा,  
प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा,

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016, दिनांक 25 नवम्बर 1980

सं० 72/80/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री० एम० पी० वैद्य, स्थानापन्न अपर महा निदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां/सदस्य मौलिक एवं स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ० स्तर-1/महाप्रबन्धक (सिलेक्शन ग्रेड) स्तर-1 दिनांक 31 अक्तूबर, 1980 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 73/80/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एम० आर० मुहाराय, स्थानापन्न कनिष्ठ टी० ए०

डी० जी० ओ० एफ० मौलिक एवं स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ० दिनांक 31 अक्तूबर, 1980 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 74/80/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ज० ए० देसाई, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक दिनांक 30-9-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहरा,  
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० 5/80/ए०/एस०—राष्ट्रपति महोदय, आर्डनेन्स फैक्टरियों में निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को, उनके सामने दर्शाये तारीखों से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1.	डा० (कुमारी) पी० राकिनी, आर्डनेन्स फैक्टरी सहायक चिकित्सा अधिकारी।	अस्वाफाट्टू	11-7-80
2.	डा० राम कुमार बी० रामदास सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी चन्दा	15-7-80
3.	डा० सुभाष चन्द्र एस० डडगले, सहायक चिकित्सा अधिकारी	अस्युनिशन फैक्टरी खड़की	15-7-80
4.	डा० विजय बहादुर सिंह, क्लोकिङ्ग फैक्टरी सहायक चिकित्सा अधिकारी	शाहजहांपुर	17-7-80
5.	डा० ए०के० मत्पति सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी भण्डारा	21-7-80
6.	डा० राजकुमार पाल, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी खमारिया	27-7-80
7.	डा० (कुमारी) कृष्णा सन्याल, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन एण्ड शेल फै० काशीपुर	28-7-80
8.	डा० ए० जी० कुलकर्णी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन कैरेज फैक्टरी जबलपुर	29-7-80
9.	डा० मुसाफिर ठाकुर, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन कैरेज फैक्टरी जबलपुर	30-7-80



(1)	(2)	(3)	(4)
10. डा० ई० मुद्रायन,	हेबी वेहिकल फैक्टरी	1-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	अबादी		
11. डा० जयदेव चन्द्र बोरो,	आर्डेनेन्स उपस्कर	1-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	फैक्टरी		
	कानपुर		
12. डा० चिरंजी लाल,	आर्डेनेन्स फैक्टरी	2-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	देहरादून		
13. डा० के० राममूर्ति	गन कैरेज फैक्टरी	3-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	जबलपुर		
14. डा० दोस्तो आर० महापात्र	आर्डेनेन्स फैक्टरी	4-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	अम्बाझारी		
15. डा० सुरीन्दर पी० जिन्दल	व्हेविङ्ग फैक्टरी	6-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	शाहजहापुर		
16. डा० मृत्युन्जय दास	आर्डेनेन्स उपस्कर	6-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	फैक्टरी		
	कानपुर		
17. डा० भूपीन्दर सिंह	आर्डेनेन्स फैक्टरी	6-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	कानपुर		
18. डा० आर० मबादशों	आर्डेनेन्स फैक्टरी	7-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	अम्बरनाथ		
19. डा० एस०एम०बेनकटार-	कार्डाइट फैक्टरी	7-8-80	
वर राव	अरुवाकाडू		
सहायक चिकित्सा अधि०			
20. डा० जे० के० भादुरी	गन एण्ड शेल फै०	12-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	काशीपुर		
21. डा० ई० राजेश्वर राव,	आर्डेनेन्स फैक्टरी	14-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	वरनगांव		
22. डा० (श्रीमती)के०			
सत्यवती	गन कैरेज फैक्टरी	17-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	जबलपुर		
23. डा० जी० नरसिम्हन,	हेबी वेहिकल फै०	21-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	अबादी		
24. डा० पी० सी० एस०राव,	वेहिकल फैक्टरी	22-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	जबलपुर		
25. डा० के०एल०एस०			
प्रसाद,	आर्डेनेन्स फैक्टरी	23-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	खमारिया		
26. डा० एस० डी० पवार,	आर्डेनेन्स फैक्टरी	25-8-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	अम्बरनाथ		
27. डा० शिव बचन सिंह	गन एण्ड शेल फै०	6-9-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	काशीपुर		
28. डा० जे०आर० सल्लोलो	कार्डाइट फैक्टरी	8-9-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	अरुवाकाडू		
29. डा० मनोजीत सरकार	मेटल एण्ड स्टील फै०	8-9-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	ईशापुर		

(1)	(2)	(3)	(4)
30. डा० वीरेन्द्र सिंह	क्लोविङ्ग फै०	12-9-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	शाहजहापुर		
31. डा० (कुमारी)माधवी			
सरकार,	आर्डेनेन्स उपस्कर	15-9-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	फैक्टरी		
	कानपुर		
32. डा० रघुन्द्र सरकार,	गन एण्ड शेल फै०	16-9-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	काशीपुर		
33. डा० (श्रीमती)गीताबाई	वेहिकल फैक्टरी	21-9-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	जबलपुर		
34. डा० ए० जी० भावेका,	आर्डेनेन्स फैक्टरी	10-10-80	
सहायक चिकित्सा अधि०	अम्बाझारी		
ओ० पी० बहल			
सदस्य/कार्मिक			

## वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर, 1980

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1340/80-प्रशा० (राज०)/6476—राष्ट्रपति, श्री सी० आर० सुन्दरामूर्ति (आई० सी० ए० एस०) भूतपूर्व उप-लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 29 अक्तूबर, 1980 (दोपहर बाद) से उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

मणि नारायणस्वामी

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1980

सं० 1/2/80-प्रशा० (राज०)/6440—राष्ट्रपति, श्री बी० मलिक, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी और नियंत्रक, आयात-निर्यात को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 29 अगस्त, 1980 से 3 मास की अवधि के लिए, उसी सेवा के वर्ग "1" में और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग "1" में और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री बी० मलिक की उपर्युक्त नियुक्ति इस संबंध में उच्चतम न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय में रिट याचिका पर निलम्बित निर्णय के अधीन है जिसमें श्री थामस और दो अन्य बनाम भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गई सिविल रिट याचिका सं० 511 भी शामिल है।

जे० पी० शर्मा,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

एन(18)/प्रशा०II—मुद्रण निदेशक ने श्री चन्द्र प्रकाश नरुला, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को दिनांक 10 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न में अगले आदेश होने तक, भारत सरकार फोटोलिथो मुद्रणालय, फरीदाबाद में उप-प्रबंधक (फोटोलिथो) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सु० सु० प्रकाश राव  
संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

## उद्योग मंत्रालय

## औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1980

सं० ए० 19018/17/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के श्री जी० आर० वाधवानी, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) को दिनांक 30 अक्टूबर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/35/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपतिजी ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंबई के श्री आर० एन० आनन्द, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (वैद्युत) को दिनांक 16 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से सरकारी नौकरी से हटा दिया।

सं० ए० 19018(509)/80-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, कार्यक्रम मूल्यांकन संगठन (योजना आयोग), भुवनेश्वर के श्री आर० सी० राय, परियोजना मूल्यांकन अधिकारी, को दिनांक 29 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में उपनिदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त  
उपनिदेशक (प्रशा०)

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं० प्र०-1/42(42)—राष्ट्रपति इस महानिदेशालय के स्थानापन्न निदेशक, भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड (1) श्री टी० के० बनर्जी को दिनांक 1-5-78 से श्री जी० एस० कुलश्रेष्ठ, स्थायी निदेशक जो 30-4-78 से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए के स्थान पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा) ग्रुप ए० के ग्रेड (1) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

पी० डी० सेठ उप निदेशक प्रशासन

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1980

सं० ए०-17011/184/80-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री जे० के० पाल को दिनांक 14 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी

होने तक उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

पी० डी० सेठ

उप निदेशक (प्रशासन)

छूते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली दिनांक 27 नवम्बर, 1980

सं० ए०-17011/118-77-प्र० 6—राष्ट्रपति, सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड III (श्री एन० पी० रसाने को दिनांक 27 अक्टूबर, 1980 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर उप निदेशक (निरीक्षण) (धातुकर्म) भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड - के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एन० पी० रसाने ने उप निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) भिलाई के कार्यालय में 25 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न को सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 27 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से निदेशक (निरीक्षण) जमशेदपुर के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) का पद भार सम्भाल लिया।

पी० डी० सेठ

उप निदेशक (प्रशासन)

## विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 25 नवम्बर 1980

सं० ई०-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-11(7) में वर्ग 2 "नायट्रेट मिश्रण" के अधीन "जी० एन०-1" प्रविष्टि के पूर्व—"विनि-द्रिष्ट स्थलों पर 31-3-1981 पर्यंत विनिर्माण एवं क्षेत्र अभि-प्रयोग हेतु जीलेक्स-25 तथा जीलेक्स-83 जोड़ा जाय।

चरणजीत लाल

मुख्यविस्फोटक नियंत्रक

## इस्पात और खान मंत्रालय

## खान विभाग

## भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 28 नवम्बर, 1980

सं० ए०-19011(150)/80-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एम० के० घोष, सहायक खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 25-10-80 के अपराह्न में भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० वी० अली

कार्यालय अध्यक्ष,

भारतीय खान ब्यूरो

## भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 18 नवम्बर 1980

सं० 7402सी/ए०-19012—(लागत लेखापाल-पी-बी एस आर)/78-19 भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लागत लेखापाल

श्री पी० वी० मुख्वा राय सरकारी सेवा से 25-10-1979 से (स्वैच्छिक रूप से) निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 24 नवम्बर 1980

सं० 9082बी/ए-19012 (आर्टिस्ट-जी० वी० आर०)/80-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (डी० प्रो०) श्री जी० वी० रामूलू को आर्टिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 6-9-80 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी,  
महा निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

सं० 4(15)/80-एस-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कु० विजयलक्ष्मी कानूनगो को विदेश सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में, 1-11-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(69)80-एस-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री के० कालीवेलू को आकाशवाणी हैदराबाद में, 21-10-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(73) 80-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री के० वगीश को आकाशवाणी नई दिल्ली में, 25-10-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(90) 80-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री गुरावी गोपालन को आकाशवाणी कालीकट में, 16-10-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(93) 80-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री के० ए० मुरलीधरन को आकाशवाणी कालीकट में, 21-10-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 10/12/80-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री जवाहर लाल, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, आकाशवाणी को आकाशवाणी के सहायक अभियंता के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं उन्हें 28-10-80 के पूर्वाह्ल से अगले आदेश होने तक दूरदर्शन केन्द्र, जलंधर में तैनात करते हैं।

सं० 10/16/80-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री आर० एस० ब्रमन, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, आकाशवाणी को आकाशवाणी के सहायक अभियंता के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हें 30-10-80 के पूर्वाह्ल से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी, कटक में तैनात करते हैं।

दिनांक 27 नवम्बर 1980

सं० 4(27) 80-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री राम नरेश पांडे को आकाशवाणी छत्तरपुर में 30-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(50)/80 एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री आनेख चन्द्र दास को आकाशवाणी कटक में, 22-10-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4/55/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती विजय साधू को रेडियो काश्मीर श्रीनगर में, 24-10-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(63) 80-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती लथा राजू को आकाशवाणी मद्रास में, 16-10-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(70)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री प्रपंचम सीताराम को आकाशवाणी मद्रास में, 26-9-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(74) 80-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० ए० रहमान पाशा को आकाशवाणी मंगलौर में, 13-10-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(77)-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन० राघवन को आकाशवाणी धारवाड़ में 29-9-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(82) 80 एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री वी० के० गवई को आकाशवाणी सांगली में, 1-11-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल,  
प्रशामन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

मिविल निर्माण स्कंध

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1980

सं० ए० 12011/2/80 सी० डब्ल्यू० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली निम्नलिखित अनुभागीय अधिकारियों (मिविल), को आकाशवाणी के मिविल निर्माण स्कंध में सहायक इंजीनियर (मिविल) के पद पर पदोन्नत करके स्थानापन्न क्षमता में रूप 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके

नामों के सामने लिखी तारीखों में तथा उनके सामने लिखे स्थानों पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	तैनाती का स्थान	तारीख जिसमें नियुक्त किया गया
1.	श्री वी० के० विश्वम्भरन सहायक इंजीनियर (सिविल)	हैदराबाद (मद्रास डिवीजन)	10-10-80 (अपराह्न)
2.	श्री के० पी० मंडल सहायक इंजीनियर (सिविल)	ग्वालियर (लखनऊ डिवीजन)	10-10-80 (अपराह्न)

2. उनकी नियुक्ति उनको पहले से जारी किए गए पदों-अति आदेश संख्या ए०-32014/1/80-सी० डब्ल्यू०-1 दिनांक 25-7-1980 में निहित शर्तों द्वारा शामिल होगी।

एस० रामास्वामी,  
अपर मुख्य इंजीनियर (सिविल) के  
इंजीनियरी अधिकारी  
कृते महानिदेशक

#### भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 18 नवम्बर 1980

सं० एफ० 092-167/80-स्थापना/19017-डा० तुषारेन्दु राय को भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के कलकत्ता स्थित मुख्यालय में सहायक प्राणि वैज्ञानिक (ग्रुप 'बी' वेतनमान रु० 650—1200 रु०) के पद पर, अस्थाई आधार पर 10 अक्टूबर, 1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० के० के० तिवारी,  
निदेशक,  
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

सं० ए-19020/9/79-प्रशासन-I-राष्ट्रपति ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी में जीव रसायनी (स्त्रीरोग एवं प्रसूति विज्ञान) श्री रामचन्द्रन का सरकारी सेवा से त्यागपत्र 22 अक्टूबर, 1980 अपराह्न से स्वीकार कर दिया है।

दिनांक 26 नवम्बर 1980

सं० ए०-12026/6/80-प्रशा०-I-राष्ट्रपति ने सफदर जंग अस्पताल, नई दिल्ली के सहायक उपचर्या अधीक्षक मिस एस० खेम को 21 सितम्बर, 1980 पूर्वाह्न से आगामी

आदेशों तक उसी अस्पताल में उपचर्या अधीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर तैनात किया है।

दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं० ए०-19019/26/78(आई०आई०एच०पी०एच०)प्रशा०-I-केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, नई दिल्ली में अपर निदेशक के पद पर अपने चयन के फलस्वरूप डा० एस० एस० श्रीवास्तव ने 3 नवम्बर, 1980 अपराह्न को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता से सांख्यिकी के प्रोफसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,  
उप निदेशक, प्रशा०

#### कृषि मंत्रालय

#### राष्ट्रीय शर्करा संस्था

(खाद्य विभाग)

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर 1980

सं० ए०-19012/44/78-स्थापना-श्री मधुकर शुक्ल हिन्दी अधिकारी राष्ट्रीय शर्करा संस्था कानपुर की सेवाएं राष्ट्रीय शर्करा संस्था के कार्यालय आदेश संख्या ए०-19012/44/78-स्थापना/5504 दिनांक 24 सितम्बर, 1980 के अन्तर्गत दिनांक 25-9-1980 से समाप्त की गयीं और वह दिनांक 25-9-1980 अपराह्न से कार्यभार से मुक्त हो गये।

एन० ए० रामैया,  
निदेशक

#### ग्रामीण पुर्न निर्माण मंत्रालय

#### विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1980

सं० ए०-31014/3/78-प्र०-I: (ख-II)-कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार, निम्नलिखित अधिकारियों को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के विपणन अधिकारी (वर्ग-I) स्थाई पद पर मूलरूप में दिनांक 25-3-1979 से नियुक्ति करते हैं:—

1. श्री राजेश आजाद
2. श्री ए० जी० देशपांडे
3. श्री डी० एस० सोबती

(2) उपरोक्त अधिकारियों की निम्न पद पर ग्रहणाधिकार यदि कोई हो तो, विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर स्थाई होने की तारीख से समाप्त हो जायेगा।

बी० एल० मनहार,  
प्रशासन निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
कामिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक, 14 नवम्बर 1980

सं० 5/1/80-स्था०-II/5595—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री एल० बी० गावडे, सहायक को स्थानापन्न सहायक कामिक अधिकारी के पद पर दिनांक 29-9-1980 (पूर्वाह्न) से 1-11-1980 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

कु० एच० बी० विजयकर,  
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग  
क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 नवम्बर 1980

सं० 23/3/79-Est/19947—निदेशक, क्रय एवं भण्डार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री टी० सी० जोर्ज को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी श्री एल० एच० बागवे को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रूप्य 650-30-740-35-810 द०रो०-35-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान क्रम में दिनांक 24-12-79 पूर्वाह्न से 30-1-80 अपराह्न तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० बी० गोपालकृष्णन,  
सहायक कामिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक, 26 नवम्बर 1980

सं० नाई स/का प्र स/0117/7492—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक, लेखा सहायक श्री एस० रंगराजन को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के पद पर वर्तमान रिक्त स्थान पर अगले आदेशों तक के लिए दिनांक 24-8-1980 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी,  
वरिष्ठ प्रशा० अधि०

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अणुशक्ति, दिनांक, 24 नवम्बर 1980

सं० रापविप/भर्ती/3(2)/80/स्थ/160—दिनांक 13-11-1980 राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के एक स्थाई ड्राफ्ट्समैन "बी" तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में ड्राफ्ट्समैन "सी" के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० गुप्ता को इसी परियोजना में दिनांक 1-8-80 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश होने तक 2-376GI/87

अस्थाई तौर से वैज्ञानिक अधिकारी/एस०बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एस० पी० गुप्ता ने वैज्ञानिक अधिकारी/एस०बी० के पद का कार्याभार दिनांक 1-8-80 के पूर्वाह्न में संभाला।

गोपाल सिंह,  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना),  
वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक, 27 नवम्बर 1980

सं० प० ख० प्र०-8/5/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के लेखाकार, श्री आई० एस० मोखा को उसी प्रभाग में श्री जी० डी० बंसल, सहायक लेखा अधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 24-11-80 से 24-12-1980 तक की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थायी तौर पर स्थानापन्न सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

स० य० गोखले,  
कृते वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

ट्रेक्टर प्रशिक्षण केन्द्र

हिसार, दिनांक नवम्बर 1980

सं० 2-II/73-पी० एफ०—श्री योगेश सुनेजा को 24 नवम्बर, 1980 (प्रातः) से अन्य आदेश होने तक पूर्णतया अस्थायी आधार पर ट्रेक्टर प्रशिक्षण केन्द्र, हिसार के सहायक अभियन्ता (परीक्षण) (राजपत्रित वर्ग-2), वेतनमान रूप्य 650-30-740-35-810-ई०बी०-35-880-40-1000-ई०बी०-40-1200 के पद पर, स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

करतार सिंह यादव, निदेशक

महानिदेशक नगर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1980

सं० ए० 32013/11/80-ई० I—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित उपनिदेशक/नियंत्रक संचार को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 6 मास के लिए या पद के नियमित रूप से भरे

जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, निदेशक संचार के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

क्रम सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण निदेशक के रूप करने की तारीख में तैनाती स्टेशन
1. श्री एम० एस० कृष्णन्	3-11-80	मद्रास एयरपोर्ट
2. श्री के० टेकचंदानी	31-10-80	दिल्ली एयरपोर्ट
3. श्री एस० के० दास	31-10-80	कलकत्ता एयरपोर्ट

एस० गुप्ता  
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

सं० ए०-32013/9/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 21 मार्च, 1980 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/9/79-ई० सी० के क्रम में, राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री एन० एस० एस० मणी, सहायक संचार अधिकारी की संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 3-7-80 से 31-7-80 तक जारी रखने की मंजूरी दी है।

दिनांक 25 नवम्बर 1980

सं० ए० 32014/2/80 ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० एच० भल्ला, अधीक्षक को क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक 10 नवम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से 6 मास की अवधि के लिए प्रशासन अधिकारी (ग्रुप-ख) पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 26 नवम्बर 1980

सं० ए०-38015/26/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री आर० आदिशेषन तकनीकी अधिकारी को, जो फिलहाल अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के तकनीकी सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत विदेश में लीबिया सरकार के पास प्रतिनियुक्ति पर है दिनांक 15-9-80 (अपराह्न) से मूल नियम (56) (के) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

आर० एन० दास,  
सहायक निदेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1980

सं० 1/344/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री जे० के० चिटर्जी को तदर्थ आधार पर 3-10-80 से 17-10-80 (दोनों दिनों समेत) उसी शाखा में अस्थायी रूप से उप परीयात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एच० एस० भल्लोला,  
उप निदेशक (प्रशा०),  
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तलय

मद्रास-600034, दिनांक 22 नवम्बर 1980

सं० 11/3/24/80-स्था०—मद्रास केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलय के निम्नलिखित प्रशासनिक अधिकारी/परीक्षक 31-10-1980 (मध्याह्न) को सेवा से पदवीच्युत हुए हैं।

क्रम सं०	नाम	काम करने का स्थान	पदवीच्युत की तारीख
1.	श्री वी० सुब्रमण्यम	प्रशासनिक अधिकारी, कोयंबतूर I (डिविजन) (मध्याह्न)	31-10-80
2.	श्री डब्ल्यू० एस० पार्यसारथी ।	परीक्षक मुख्यालय मद्रास	31-10-80

सं० 11/3/24/80-स्था०—मद्रास केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलय के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षक, प्रशासनिक अधिकारी/परीक्षक वर्ग "ख" के रूप में अगले आदेश तक स्थानापन्न हुए हैं। प्रत्येक व्यक्ति के नाम के आगे नियमित किये गये स्थान, तथा तारीख सूचित किए गए हैं।

क्रम सं०	नाम	नियमित किये गये स्थान	शामिल होने की तारीख
1.	श्री के० बेंकटरमणी	प्रशासनिक अधिकारी, कोयंबतूर II डिविजन	16-6-80
2.	श्री एस० एस० इरशाक।	परीक्षक मुख्यालय मद्रास	19-8-80
3.	श्री एस० आठमुगम	प्रशासनिक अधिकारी कोयंबतूर III डिविजन	29-9-80

सं० 11/3/22/80-स्था०—मद्रास केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलय के निम्नलिखित निरीक्षक, अधीक्षक वर्ग "ख" के रूप में अगले आदेश तक स्थानापन्न हुए हैं, प्रत्येक व्यक्ति के नाम के आगे विभाग और तारीख सूचित किये गये हैं।

क्रम सं०	नाम	अधीक्षक वर्ग "ख" के रूप में नियमित किये गये स्थान।	शामिल होने की तारीख
----------	-----	--	---------------------

सर्वश्री

1. ए० गोविन्द राव	कन्नूर डिविजन	05-06-80
2. एस० डी० शंकरन	कन्नूर डिविजन	12-06-80
3. एस० एस० अमानुल्ला वेलूर	डिविजन दुसैनी	16-06-80 (मध्याह्न)
4. श्रीमती टी० शंकर दास	मद्रास मुख्यालय	01-07-80

(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वश्री			
5. ए० शंभुमगम	कोयंबतूर I डिविजन	01-07-80	
6. एस० के० वरद-राजन	कोयंबतूर II डिविजन	9-7-80	
7. ए० थामस इम्मानुल	कनूर डिविजन	9-7-80 (मध्याह्न)	
8. एस० नटराजन	मुख्यालय मद्रास	1-8-80	
9. एस० नटराजन	मुख्यालय मद्रास	1-8-80	
10. जी० राममूर्ति	मुख्यालय मद्रास	1-8-80	
11. आर० राघवन-I	मुख्यालय मद्रास	1-8-80	
12. ए० आर वेम्बू	मुख्यालय मद्रास	1-8-80 (मध्याह्न)	
13. ए० रेमण्ड	मद्रास IV डिविजन	1-8-80	
14. सी० चन्द्रोयन	ईरोड डिविजन	2-8-80	
15. आर० मूर्ति	मुख्यालय मद्रास	6-8-80	
16. आर० सुब्बरायुलु	कोयंबतूर II डिविजन	6-8-80	
17. टी० थामस	मुख्यालय मद्रास	12-8-80	
18. आर० सेलवराज I	मद्रास-III डिविजन	1-9-80	
19. वी० चन्द्रचेकरन	कोयंबतूर I डिविजन	6-10-80	
20. एस० कन्नन	मद्रास I डिविजन	10-10-80 (मध्याह्न)	
21. वी० एस० नटेशन	पाडिच्चेरी I रेंज	20-10-80	
22. सी० टी० बाल-सुब्रमण्यम	कनूर डिविजन	29-10-80	
23. सी० जे० जगदीशन	होसूर डिविजन	31-10-80	
24. पी० संबंध्यम	होसूर डिविजन	10-11-80	

बी० आर० रेड्डी,  
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1980

सं० 33/80—श्री ए० के० अग्निहोत्री ने, जो पहले दिल्ली समाहर्तालय में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप 'क' के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 15-10-80 के आदेश सं० 151/80 (फा० सं० ए० 22012/31/80-प्रशा० II) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के मुख्यालय में स्थानांतरित होने पर, दिनांक 13-11-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'क' का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं० 32/80—के० उ० शु० समाहर्तालय मद्रास के ग्रुप 'बी' के अधीक्षक, के० उ० शु०, श्री के० आर० नटराजन, ने निदेशालय के दिनांक 6-10-1980 आदेश सी० सं० 1041/41/79 द्वारा स्थानांतरित होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के मद्रास स्थित दक्षिणी प्रादेशिक एकक में, दिनांक 1-11-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी ग्रुप 'बी' (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० जे० रामन्,  
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1980

सं० ए०-32014/1/80-प्रशासन-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर रु०—650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 6 महीने की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं :—

क्र०सं०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
---------	--------------------------	--

सर्वश्री

1. के० चौधरी, पर्यवेक्षक	10-11-80 (पूर्वाह्न)
2. मुन्नी राम, पर्यवेक्षक	29-10-80 (पूर्वाह्न)
3. छिद्वांसिंह, पर्यवेक्षक	22-10-80 (पूर्वाह्न)
4. मनिक दास, पर्यवेक्षक	10-11-80 (अपराह्न)
5. जे० आर० अबरोल, पर्यवेक्षक	26-9-80 (पूर्वाह्न)
6. सी० पी० भसीन, पर्यवेक्षक	22-10-80 (पूर्वाह्न)
7. माधो लाल, पर्यवेक्षक	17-11-80 (पूर्वाह्न)
8. आई० एन० अग्रवाल, पर्यवेक्षक	21-10-80 (पूर्वाह्न)

के० एल० भण्डुला,  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद दिनांक 25 नवम्बर 1980

सं० 16-100/80-ई०-(ई)—निम्नलिखित कार्यवाहक मंडार अधिकारियों को केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में

दिनांक 1 मार्च, 1980 से स्थायी भंडार अधिकारी के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है।

क्र०सं०	नाम और पद	वर्तमान नियुक्ति का स्थान
	सर्वश्री	केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड
1.	वी०जे०एल०भाटिया, भंडार अधिकारी	प्रभाग 2, अम्बाला
2.	जे०एन०धवन, भंडार अधिकारी	प्रभाग 3, वाराणसी
3.	टूना ठाकुर, भंडार अधिकारी	मुख्यालय, फरीदाबाद
4.	सरयुग शर्मा, भंडार अधिकारी	प्रभाग 7, गोहाटी
5.	बी०पी० चौहान, भंडार अधिकारी	प्रभाग 8, जम्मू
6.	एन०पी०शर्मा, भंडार अधिकारी एस०पी०-उप प्रभाग, भोपाल	
7.	मनमोहन सिंह, डिल्लन, भ० अधि०	प्रभाग 8, जम्मू
8.	एन० एस० निजार, भंडार अधिकारी	प्रभाग 5, रांची
9.	ओ० पी० ओवर, भंडार अधिकारी	प्रभाग 6, नागपुर
	एच०एम०कौल	
	मुख्य अभियन्ता (सी०सी०)	

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 80

सं० 33/3/79-ई०सी०-9--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री ए० जी० जौन को उपवास्तुविद (सी०सी०एस० ग्रुप "ए") के अस्थायी पद पर के०लो०नि०वि० में रुपये 700/- प्रतिमाह के वेतन पर रुपये 700-40-900-द०रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में (सामान्य भर्तों सहित) 20-11-80 (पूर्वाह्न) से सामान्य नियम एवं शर्तों पर नियुक्त करते हैं। उनका वेतन नियमानुसार पुनर्नियत किया जाएगा।

2. श्री ए० जी०जौन 20-11-80 से दो वर्ष की परी-वीक्षा अवधि पर रखे जाते हैं।

के० ए० अनंतनारायणन  
प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स नोलथिया फाईनेन्सर प्राईवेट लिमिटेड जयपुर के विषय में

जयपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/1695/10503--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स नोलथिया फाईनेन्सर प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स दत्त बन्धु प्राईवेट लि०  
अजमेर के विषय में

जयपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/1088/10507--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स दत्त बन्धु प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स अन्नना चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/1227/10512--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स अन्नना चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स लिबर्टी क्लब लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/1578/10516--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स लिबर्टी क्लब लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स जैलदार आर्या मोटर ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड-जिला-झुंझनू के विषय में

जयपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/1053--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स जैलदार आर्या मोटर ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स जोधपुर कोमर्सियल बैंक लिमिटेड जोधपुर के सम्बन्ध में

जयपुर, दिनांक 28, नवम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/23--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना



दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स जोधपुर कोमर्सियल बैंक लिमिटेड जोधपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

जी० सी० गुप्ता  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 चेलसंस (वाइनस एंड प्रोवीजन्स)  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1980

सं० 1399/टी(560) —कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर चेलसंस (वाइनस एंड प्रोवीजन्स) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० एस० राजू  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेरिट चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 10 नवम्बर 1980

सं० 110/560 (3) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर "मेरिट चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बेबी फौनांस चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

सं० 102/560(3) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर 'बेबी फौनांस चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड' का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

बी० कोटेश्वर राव  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
पांडिचेरी।

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एच ब्लॉक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर I/3-80/6298—अतः मुझे, बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 11/199699 है तथा जो कुचा चेलान, दरिया गंज दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विधि न वास्तविक रूप से तयित नष्ट किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व कम करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फरीद चन्द सहगल बेटा आत्मा राम सहगल 15/1996-99, कुचा चेलान दरिया गंज दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती हुसन बानो, पत्नी अजीज बेग 1801, कुचा फौलाद खान केवान महल, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 11/1996-99, कुचा चेलान, दरिया गंज दिल्ली ।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17-11-1980  
मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर० I-3-80/6356—अतः मुझे, बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 2593 है तथा जो लग्बी गली बरती पंजाबी-यान सखी मण्डी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, बार्ड-12, दिल्ली-7 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश छेरा, बेटा लेट दौलत राम 12/2593 बस्त पंजाबीयान, लम्बी गली सखी मण्डी दिल्ली-7।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रुक्मिणी देवी पत्नी कमला प्रसाद डी-30, सी० सी० कालोनी दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1½ मंजिल मकान, जिसका नं० 2593, सखी मण्डी, लम्बी गली, पंजाबीयान नई दिल्ली-7 में स्थित है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : गली

दक्षिण : मकान नं० 12/2594

पूर्व : गली

पश्चिम : गली

श्रीमती बलजीत मटियानी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17-11-1980

मोहर :

## प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एच ब्लॉक विकास भवन आई पी स्टेट

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/-II/एस० आर-I/3-80/  
6329—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सख्या दुकान नं० 38 है तथा जो कुतुब रोड़  
मार्केट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 मार्च, 1980।  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, ओर/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्री कंवर भान गोयल जी० ए० आरफ लुखिब चन्द  
दुकान नं० 38 कुतुब रोड़ मार्केट दिल्ली, C/o  
दुकान नं० 71, कुतुब रोड़ मार्केट दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती विशन देवी बजाज पत्नी नन्दलाल बजाज  
513/1) देव लोक स्ट्रीट, गांधी नगर दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 38, कुतुब रोड़ जो कि 190 वर्ग गज है  
निम्न लिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : रास्ता

दक्षिण : खुला

पूर्व : जी० बी० पी०

पश्चिम : जी० बी० पी०

श्रीमती बलजीत मटियानी  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक : 17-11-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1980

1. श्री विनोद कुमार सूरि बेटा मनक शाह सूरि, जी०-33, कीर्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र कुमार सूरि बेटा अमर नाथ सूरि, आई० सी०/21, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-I/3-80/6334—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-33 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में 'कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित:—

3—376GI/80

### अनुसूची

एक मंजिल बिल्डिंग जो कि प्लॉट नं० 33 ब्लॉक 'G' कीर्ति नगर में बना हुआ है निम्नलिखित प्रकार घिरा हुआ है:—

उत्तर: सविस रोड

दक्षिण: पार्क

पूर्व: प्रापटी नं० जी-34

पश्चिम: प्रापटी नं० जी०-32

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 17-11-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) फना दनो एन.ई.एस. कृष्णा दबी पत्तो नेट श्री हर्गोचन्द,  
2701, सुभाष मार्ग, कश्मीरी गेट, दिल्ली।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

2. श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, ब्रिटा हरपाल चन्द  
एलाईस हरफूल चन्द 747, निमरी कालोनी, दिल्ली।

सहायक, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर-1/3-80/  
6301—अन: मुझे, बलजीत मटियानी,  
प्रधान अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इस प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के तहत प्राप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी संख्या 11636-37 है तथा जो रोशनआरा  
एक्सटेंशन स्कीम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सब्जी मण्डी, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 मार्च, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित  
प्रकार से उक्त अन्तरक विधित में वास्तविक रूप से तय  
नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ग) अन्तरक या हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(घ) ऐसा करना आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रसंगिक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित प्रावधानों, अर्थात्:—

## अनुसूची

2½ मंजिल बिल्डिंग प्रोपर्टी नं० 11636-37 जो  
कि प्लॉट नं० 10, ब्लॉक नं० 24, रोशनआरा एक्सटेंशन  
स्कीम सब्जी मण्डी, दिल्ली में बना हुआ है निम्नलिखित  
प्रकार से घिरा हुआ है:—

पूर्व: रास्ता

पश्चिम: गली 15

उत्तर: रास्ता 15

दक्षिण: बिल्डिंग प्लॉट नं० 19 पर

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 17-11-1980

मोहर:

प्राकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०-II/एस० आर०-II/3-80/3234—अतः मुझे, बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, त्रिपुरा उच्च बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० टी० 52 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न तो पाया गया न ही निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ कोऑपरेटिव सोसाईटी नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री श्रवण कुमार जैन बेटा दिल मुमरत दाम, टी-52, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त पत्रों के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मकान जो कि प्लॉट नं० 52, राजौरी गार्डन में बना है। निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : टी०-53

पश्चिम : टी०-51

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रास्ता

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 17-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-I 3-80/  
6289—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और ज़िम्की सं० प्लॉट नं० 23 सी है तथा जो सत्यावती नगर, नई दिल्ली, गांव सदहोराकलान वजीरपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजीर रहमान किदवाई बेटा श्री शाकशकर रहमान किदवाई डालिमा नगर, ओखला नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. काली चरण गुप्ता (2) सागर मल सिंगल (3) राजकुमार सिंगल (4) राम भगवान सिंगल

(5) नेमचन्द सिंगल बेटे मुंशी राम. 4146, नया, बाजार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज जो कि प्लॉट नं० 23, ब्लॉक नं० सी० सत्यावती नगर में गांव वजीरपुर में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक : 11-11-1980

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , नई दिल्ली

एच० ब्लॉक विकास भवन, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०- /एस० आर-I/3-80/  
6280—अतः मुझे, बलजीत भटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० में अधिक है

और जिसकी सं० निल/13-ए है तथा जो रमेश नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980  
का 16) के अधीन दिनांक 5 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री नेम राज बेटा कवलजीत राम 13-ए०,  
रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरीश चन्द्र चोपड़ा बेटा मुसबित्ता मल, बी०  
सी-243 मुलतानी ठाँडा पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचक्र किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 13 ए० जो कि रमेश नगर नई दिल्ली में  
स्थित है।

श्रीमती बलजीत भटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक: 11-11-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०- /एस० आर-1 3-80/  
6306—अनः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एच०/6 ए० है तथा जो विजय नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ओ० पी० चोपड़ा सन ऑफ शिव कुमार सहाय एच०-6 बी विजय नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शशी प्रभा टुटेजा पत्नी बी० के० टुटेजा और विद्या सागर टुटेजा बेटा लेट चन्दन राम टुटेजा, 8 सिंगल स्टोरी मार्कीट, विजय नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० एच०/6 ए०, विजय नगर दिल्ली निम्न-लिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर: क्वार्टर नं० एच०/68

दक्षिण: क्वार्टर नं० एच०/58 और रास्ता

पूर्व: मेनरोड

पश्चिम: गली।

श्रीमती बलजीत मटियानी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 11-11-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गो, नगर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० ईस्टट, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II, एम० आर-I/3-80/  
6302—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई-245 (जी० एफ०) है तथा जो रमेश  
नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में भुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री आई० एन० मेहता बेटा मेहता टेक चन्द, 14/81,  
पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन लाल सरना बेटा आनन्द नाथ सरना,  
ई-245, रमेश नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

प्रोपर्टी नं० ई-245 (ग्राऊड फ्लोर) रमेश नगर नई  
दिल्ली में स्थित है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : गली

दक्षिण : लान

पूर्व : टेनीमेंट नं० 243-244 रमेश नगर ।

पश्चिम : टेनीमेंट नं० 247-248 रमेश नगर, नई दिल्ली ।

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली ।

दिनांक : 11-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० ईस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर-I 3-80/  
6265—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

आर जिनकी सं० 6226 है तथा जो वार्ड नं० 12 कमला  
नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायवत् अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 3 मार्च, 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती सुपमा गुप्ता पत्नी ब्रह्म प्रकाश 1467,  
पटिल गली, दरिगा कलान, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दुग्गा पलास्टिक प्रोडक्ट 1354, पान मण्डी,  
मदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक ग्राउंड मंजिल प्लॉट जिसका नं० 39 एफ० प्रोपर्टी  
नं० 6226, वार्ड नं० 12, कमला नगर में स्थित है निम्न-  
लिखित प्रकार से घिरा हुआ है:--

पूर्व: रास्ता 24'

पश्चिम: प्राप्रटी श्री सीरी राम प्लॉट नं० 38 एफ

उत्तर: रास्ता 40'

दक्षिण: सर्विस गली 15'

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक: 25-11-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर-II 3-80/3230—प्रतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 17 बीगाज व 13 बिसवास गांव रोशनपुरा दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसम, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4-376GJ/8 0

1. श्री राम रक्खा बेटा बेज राम गांव रोशनपुरा दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री किशन सिंह, श्रीम प्रकाश राम चन्द्र, कवल सिंह, जवाहर सिंह बेटे मान सिंह गांव नजफगढ़, नई दिल्ली-43

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 17 बीगाज व 13 बिसवास, गांव रोशनपुरा, दिल्ली स्टेट, दिल्ली ।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

दिनांक : 25-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

एच० ब्लाक विकास भवन आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर-II/3-80/

3231—अतः मुझे बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 17 बीघा व 11  
विस्वास गांव रोशनपुरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित:—

1. श्री राम लुखा बेटा बेजू राम, गांव रोशन पुरा,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री किशन सिंह, श्रीम प्रकाश राम चन्द्र कंवल सिंह,  
जवाहर सिंह बेटे मान सिंह नजफगढ़ नई दिल्ली  
43 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि 17 बीघा व 11 विस्वास गांव रोशनपुरा  
दिल्ली ।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली,

दिनांक : 25-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/3-80/6267—अतः  
मुझे, बलजीत मटियानी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी संख्या 1 है तथा जो चर्च रोड कश्मीरी  
गेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) अधीन दिनांक 3 मार्च, 1980 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आप को बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डी० मुनरची पुत्र स्व० श्री मुनरची इन्दुलची  
निवासी 19 चर्च रोड दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती पार्वती देवी पत्नी श्री भोला नाथ गुप्ता  
श्री राजेश्वर नाथ गुप्ता, रविन्द्र नाथ गुप्ता, रघुविन्द्र  
नाथ गुप्ता जो अपनी एच० यू० एफ० के करता  
है और 1624, राजकुंज, मदरसा रोड, कश्मीरी  
गेट दिल्ली में रहता है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 1 चर्च रोड कश्मीरी गेट दिल्ली निम्न  
प्रकार स्थित है:—

पूर्व: सड़क  
पश्चिम: लेन  
उत्तर: कामन स्टैक्शन  
दक्षिण: मकान नं० 1½ का 1557 व 1/2 हिस्सा  
1558 का।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II,  
दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 15-11-1980  
मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच ब्लाक विकास भवन

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस० II/एस० आर-II/3-80

5324 --प्रतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1 बीघा 5 बिस्वा है तथा जो गांव दिनदारपुर (दीनपुर) नजफगढ़ जिल्ला में स्थित है (और इस उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-3-80।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती भगवान देवी पुत्री कस्तूरी लाल ई-35 कमला नगर सब्जी मंडी दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० दिल्ली केमिकल व प्लास्टिक इंडस्ट्रीज सोल प्रोपराईटर श्री शेखर चन्द जैन पुत्र मित्तर जैन 15 बंगला रोड दिल्ली।

(अन्तरित)

3. (1) मै० राज केमिकल व प्लास्टिक इंडस्ट्रीज (2) शेखर प्लास्टिक प्रा० लि० (3) फिबर वॉन्ड प्रा० लि० (4) राजधानी ट्रेडिंग कं० (5) जैनपोलि फिबर प्रा० लि०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खसरा नं० 340, 341 गांव दीनदारपुर (दीनपुर) तहसील, नई दिल्ली, भूमि क्षेत्रफल एक बीघा 5 बिस्वा, जो लाल डोरे में है एक इंडस्ट्रियल प्लॉट जिस पर बना है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-11021

दिनांक: 17-11-1980

माहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली 110002

एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०II/एस० आर-II 3-80/  
3254—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 18 बिघाज गांव खामपुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश लाल भाटिया बेटा श्री गंगा सिंह गांव और पोस्ट आफिस खामपुर दिल्ली स्टेट, दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री नेफे सिंह और साहिब सिंह बेटा श्री कन्हैया लाल सिंगोला, पोस्ट आफिस टिकरी खुरद, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नवसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 18 बिघा, खसरा नं० 1/ 83/1, 4/26, 9/4, 5/1, 5/16, 26, 10/11/1, और 20/2, 9/15, गांव खामपुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली,  
नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-11-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० इस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू-II/एस० आर- 3-80/  
3265—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 25 है तथा जो ब्लाक नं० 'ए०'  
कृष्णा पार्क नजफगढ़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च,  
1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री निरंजन सिंह साहनी बेटा सरदार अमीर सिंह  
नं० 2, नारंग कालोनी, नजफगढ़ रोड़ जनकपुरी  
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री देव अरोड़ा बेटा श्री बी० जी० अरोड़ा, बी-79  
नरायणा बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोद्वेष्टाधारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 25 ब्लाक 'ए' कृष्णा पार्क, नजफगढ़ रोड़,  
नई दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली,  
नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-11-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री हवेली राम शर्मा बेटा फकीर वन्द, 24-बी रमेश नगर विल्ली, वर्तमान डी-5, बाली नगर दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री हीरा नन्द बेटा दिला राम 24-बी, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

एच० ब्लॉक, विकास भवन आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर-1/3-80/  
6332—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 24-बी है तथा जो रमेश नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 मार्च, 1980 :

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार ए०, ए०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी नं० 24 बी, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्गगज है रमेश नगर में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली,  
नई दिल्ली-110002दिनांक 25-11-1980  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एच. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०-II/एस० आर-I/3-80/  
6325—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4147 से 4150 है तथा जो गली  
शहतारा अजमेरी गेट नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विमांक 17  
मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
तिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरेश कुमार गुप्ता बेटा राम बाबू बी-449,  
न्यू० फ्रेंड कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री संजी राम और  
रबी किरण महाजन बेटा सरदारी लाल, 4148,  
गली शहतारा अजमेरी गेट दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान सं० 4147 से 4150 क्षेत्रफल 171.30 वर्ग  
गज है जो कि गली शहतारा, अजमेरी गेट में स्थित है  
निम्नलिखित प्रकार से विभाजित है :—

पूर्व : गली

पश्चिम : गली

उत्तर : गली शहतारा

दक्षिण : दूसरी प्रोपर्टी

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली  
नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-11-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू० II/एस० आर-I 3-80/6361—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्रोपर्टी नं० 5638 है तथा जो प्लॉट नं० 40 ए में से, बस्ती हरफूल सिंह सदर बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
5-376GI/80

1. श्री हरी प्रकाश बेटा सीता राम और श्रीमती ऊमा वर्मा पत्नी हरी प्रकाश 53/2, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सयार देवी पत्नी सम्पत लाल बेद द्वारा शान्तु ट्रेडिंग कम्पनी, जेल रोड़ फेंसी बाजार, गोहाटी, आसाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोटुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दूसरी मंजिल मकान जो कि प्रोपर्टी नं० 5638, प्लॉट नं० 40 ए का हिस्सा है, बस्ती हरफूल सिंह सदर बाजार, वार्ड नं० 14 में स्थित है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : बिल्डिंग प्लॉट नं० 16

पश्चिम : हिस्सा बिल्डिंग प्लॉट नं० 404 पर

उत्तर : रास्ता 40 फीट

दक्षिण : रास्ता 15 फीट

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 11-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-1/ 6357/  
3-80/—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 है, तथा जो प्रोपर्टी नं०  
डब्ल्यू० जेड-10 अशोक पार्क, मेन रोड बसती धारापुर रोहतक  
रोड़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 25 मार्च, 1980

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम स्वरूप बेटा सीता राम श्रीमती इन्द्रावती  
अरोरा पत्नी सीताराम 16 वेस्ट पटेल नगर जी०  
ए० धर्म चन्द अरोरा, श्रीमती स्नेहलता सेठ पत्नी  
राजेन्द्र लाल सेठ और देविका मलहोत्रा, 67, हाया  
बाथा रोड़ टोरन्टो, कनाडा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामती देवी जैन पत्नी जीत सिंह और  
श्रीमती शशी जैन, पत्नी ब्रज पाल जैन 46-अशोक  
पार्क मेन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी प्लॉट नं० 7, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, प्रोपर्टी  
नं० डब्ल्यू० जेड-10, अशोक पार्क मेन, बस्ती धारापुर,  
रोहतक रोड़, दिल्ली 35, निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ  
है :—

पूर्व : बिल्डिंग प्लॉट नं० 6 पर

पश्चिम : बिल्डिंग प्लॉट नं० 8 पर।

उत्तर : रास्ता

दक्षिण : रास्ता

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 21-11-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच ब्लॉक विकास भवन, आई० पी० ईस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर-1/ 3-80/

6330—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एन० 232 है तथा जो किंगज्वे कैम्प  
हडसन लाइन्ज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित ग्यवितियों, अर्थात् :-

1. श्री मोहन लाल मेहता बेटा श्री गाम दास मेहता  
375 हकीकत नगर माल रोड़ दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सजीव डाबर बेटा के० एल० डाबर 232'  
डा० मुकजी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० H 232, दिल्ली, किंगज्वे कैम्प हडसन लाइन्ज,  
दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली।

दिनांक : 21-11-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ /एम० आर-1, 3-80/  
6324—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2532 है तथा जो गली चाखर कलान फाटक हृष्यखान चांदनी चौक दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में तब किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमरे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों का प्रयोग :—

1. श्रीमती किरण देवी पत्नी लेट श्री केदार नाथ,  
1250, रंग महल, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज देवी पत्नी राधे कृष्ण मिश्र निवास,  
6191, कुचा शिव मंदिर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2½ मंजिल मकान नं० 2532 जिसका क्षेत्रफल 85 वर्ग गज है जो कि फाटक हृष्यखान, चांदनी चौक में स्थित है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व: प्रोपर्टी नं० 2526

पश्चिम: गली

उत्तर: प्रोपर्टी नं० 2531 बभन्दी लाल की

दक्षिण: प्रोपर्टी नं० 2514 शीतल प्रसाद की

श्रीमति बलजीत मटियानी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक: 25-11-1980

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर०-II  
3-80/3259—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बी-36 है तथा जो कृष्णा पार्क नजफगढ़ दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी सी० एल० डंग, ए०-ए-1/51, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।  
(अन्तर्गक)
2. श्री जगदीश चन्द बेटा अर्जन दास ए०-37, गजौरी गार्डन, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० बी०-36 जिसका 217.7 वर्ग गज है क्षेत्रफल है कृष्णा पार्क, नजफगढ़ में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक : 25-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-I 3-80/  
6347—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्युनिमिपल नं० 89-ए० निरंकारी कालोनी  
तथा जो नई दिल्ली स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 21 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चन्द्र कान्ता बेटी श्री के० सी० वोहरा,  
पत्नी मनोहर लाल, 4-89 निरंकारी कालोनी दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. भरोज सिंह बेटी इन्द्र बहादुर सिंह, पत्नी वशिष्ठ  
सिंह, डी 12, राधेपुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मकान जो कि प्लॉट नं० 89, जिसका क्षेत्रफल  
139 वर्गगज है निरंकारी कालोनी गांव धीरपुर में स्थित  
है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- दिल्ली।

दिनांक : 25-11-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री विजय चथरथ बेटा जोगिन्द्र पाल चथरथ एच  
1 और 2 वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेम मयाना पत्नी आर० एन० मयाना  
एच-1 और 2, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

एच० ब्लाक विकास भवन आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 अक्तूबर 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/II/एस० आर-1/3-80/  
6317—अतः मुझे, श्रीमति बलजीत मटियानी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 और 2, एच ब्लाक है तथा जो वेस्ट  
पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 'दिनांक मार्च, 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० एच० 1 और 2 वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, दिल्ली।

दिनांक : 15-11-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

एच० ब्लाक विकास भवन ओ० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, -110002 दिनांक 15 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर-II/3-80/6276—अतः मुझे, श्रीमति बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 84 कलकत्ता है तथा जो मंजलिस पार्क, दिल्ली 33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती सीता रानी पत्नी श्री शोम राज पाहुजा, सी-379, सरस्वती बिहार दिल्ली-34। (अन्तरक)

2. श्री दुर्गा दास बेटा अर्जन दास सी-84, मंजलिस पार्क दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 84, ब्लॉक 'सी' मंजलिस पार्क, जिसका क्षेत्रफल 111 वर्गगज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली,

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

एच० ब्लॉक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-II/  
380/3251—अतः मुझे, श्रीमती बलजीत मटियानी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० डी०-13/23-सी है तथा जो राजौरी गार्डन  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या न किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6—376GI/80

1. श्री राम कुमार बेटा लेट श्री नन्द लाल 22/140,  
लाजपत नगर-II दिल्ली, सी० ए० श्रीमती गणेशी  
धुन्ना पत्नी लेट श्री कुन्दन लाल धुन्ना ।  
(अन्तरक)

2. श्री सुदर्शन लाल भसीन बेटा लेट मेला राम, जे०-  
13/23-सी, राजौरी गार्डन ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितवाद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसोहस्ता-  
अरी के पक्ष लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक मकान जो कि प्लॉट न० 23-सी व ब्लॉक नं०  
जे०-13 राजौरी गार्डन में है जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग  
गज है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : प्लॉट जे० 13/23 डी० पर ।

दक्षिण : प्लॉट नं० जे० 13/23 डी० पर ।

पूर्व : रास्ता

पश्चिम : प्लॉट नं० जे० 13/22

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली,

दिनांक : 15-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

एच० ब्लॉक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एम० आर-II 3-80/  
3253—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिनकी सं० क्वार्टर नं० 4/41 है तथा जो तिहार-1  
मुभाप नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राज रानी एलाईस बिमला रानी पत्नी श्री  
कुन्दन लाल, 4/41, तिहार नं० 1 मुभाप नगर  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री यशपाल शर्मा बेटा श्री प्यारा लाल शर्मा,  
944 मुभाप नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 4/41, तिहार नं० 1, मुभाप नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

दिनांक : 15-11-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच० ब्लाक, विकास भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-I 3-80/

6266—अतः मुझे, बलजीत मटियामी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4458, वार्ड नं० 7 है तथा जो गली शाहूतारा, अजमेरी गेट नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रि वृत्ति अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टेक चन्द वेडा श्री फतेह लाल एम० 228, ओग्रेटरम लाइन, किज्वे कैम्प, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सकिना बेगम पत्नी श्री डोला 4458, गली शाहू तारा, अजमेरी गेट, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्देश्य के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 4458, वार्ड नं० 7, गली शाहू तारा अजमेरी गेट में स्थित है ।

श्रीमती बलजीत मटियामी,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II दिल्ली,  
नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-11-1980  
मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एम्. एस.-----

1. चौ० निछन सिंह बेटा हरी सिंह नं० 14/4495,  
पहाड़ी धीरज ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना2. श्री चिरन्जी लाल शर्मा बेटा श्री मूल चन्द शर्मा  
श्रीमती अशर्फी देवी पत्नी चिरन्जी लाल शर्मा  
नं० 12/5128, हरफूल सिंह बिल्डिंग दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

3. टेघेंट

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

एच० ब्लाक, विकास भवन, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर-I 3-80/

6348—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी संख्या 5128 व 5129 से 5131 है तथा जो  
एम० एस० नं० 5128, बस्ती हरफूल सिंह सड़की मण्डी,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 21 मार्च, 1980(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः--स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अधिनियमों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;प्रोपर्टी नं० 5128, 5129 से 5131 बस्ती हरफूल  
सिंह सड़की मण्डी जिसका क्षेत्रफल 170.71 वर्ग गज है ।श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, दिल्ली,  
नई दिल्ली-110002अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

दिनांक : 17-11-1980

मोहर :



प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ,

एच० ब्लॉक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-II 3-80/  
6342—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-8297/2 है तथा जो गली नं० 4  
मुलतानी ढाडा पहाड़गंज नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च  
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सोमदत्त ठीगरा बेटा लेट श्री सीता राम ठीगरा  
मकान नं० 15/8297/2 मुलतानी ढाडा, पहाड़गंज  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री श्री राम बेटा श्री तेजा सिंह 8297, गली  
नं० 4, मुलतानी ढाडा, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 15/8297/2, गगली नं० 4, मुलतानी ढाडा  
पहाड़गंज नई दिल्ली, क्षेत्रफल 100 वर्गगज

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, दिल्ली  
नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-11-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-I 3-80/  
6273—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1394, वार्ड नं० 9173 है तथा जो  
गली नं० 5 फेज गंज बहादुर गढ़ रोड़ दिल्ली, में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 4 मार्च, 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हरी राम और शाम बहादुर बेटे शेरू मल,  
543 गली हाजी अब्दुल करीम, तेली बाड़ा, दिल्ली 6  
(अन्तरक)

2. श्रीमती मीरा देवी पत्नी बाल चन्द 1404, फेज गंज,  
बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 1394, वार्ड नं० 13, क्षेत्रफल, 105  
वर्ग गज स्थित है फेजगंज बहादुरगढ़ रोड़ दिल्ली निम्नलिखित  
प्रकार से स्थित है।

उत्तर: प्रोपर्टी नं० 1402 और 1403

दक्षिण: रास्ता

पूर्व: सक्कान नं० 1395

पश्चिम: प्रोपर्टी नं० 1395 दूसरी की।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II दिल्ली,

दिनांक: 25-11-1980

मोहर:

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एम० आर-I 3-80/  
6328—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० मु० नं० 7503 बार्ड नं० 10 है तथा  
जो गली खोतान मुरदवाला नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपरोक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च,  
1980 कोपूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या!(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—1. श्रीमती लाजवन्ती पत्नी शाम सुन्दर कपूर, 3129,  
सर सचिन्द्र अहमद रोड, दरिया गंज दिल्ली।  
(अन्तरक)2. श्री मोहम्मद शमशाद और मोहम्मद अनवर बेटे  
सोमज अली 1141 मटिया महल हाजी मुशताग  
अहमद और मोहम्मद इब्राहिम इश्ताग अहमद बेटी  
मुशताग अहमद, 352 पहाड़ी इमली दिल्ली।  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दो मंजिल बिल्डिंग मु० ना० 1503, बार्ड नं० 10,  
क्षेत्रफल 66 वर्ग गज, गली खोलाना, मुरदवाला नई दिल्ली  
निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

पूर्व : प्रोपर्टी नं० 1502

पश्चिम : प्रोपर्टी नं० 130370

उत्तर : दूसरी प्रापर्टी

दक्षिण : एन्ट्रेन्स और गली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली,

दिनांक : 25-11-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० ए० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-I 3-80/  
6344—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 138-141 है तथा जो गली मोमवाली  
कटरा बेरीयान फतेहपुरी दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20  
मार्च, 1980 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ति देवी पत्नी पं० हीरा लाल 141,  
गली मेन वाली कटरा बेरीयान फतेहपुरी।  
(अन्तरक)

2. श्री राज बहादुर श्री गणेश कुमार श्री दिनेश कुमार  
बेटो ओंकार सिंह 257 गली कादेक्युने फतेहपुरी,  
दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लक्ष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अनुसूची 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल प्रोपर्टी नं० 138-141 स्थित है गलीमेन  
वाली, कटरा बेरीयान फतेहपुरी इलाका तं० 6, निम्नलिखित  
प्रकार से घिरी है।

पूर्व : गली कटरा बेरीयान

पश्चिम : सं० नं० 142 श्री किशन चन्द

उत्तर : सं० नं० 137

दक्षिण : एन्ट्रेन्स और गली कटरा बेरीयान।

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II दिल्ली,

दिनांक : 25-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

एच० ब्लॉक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ [एस० आर I/3-80/6353—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2/3 है तथा जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 मार्च, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

7—376GI/80

1. श्री गाम प्रसाद मेहरा खुद और जी० ए० श्रीमती जय रानी के लिए शिव प्रसाद किरन प्रसाद मेहरा हरि प्रसाद मेहरा राम प्रसाद मेहरा हरि प्रसाद विमलेश कुमार मेहरा और श्रीमती शान्ति देवी खुद जी० ए० श्री प्रकाश चन्दर राम चन्द्र मुभाष चन्द्र मित रेनु बाला और संजय (बेटा) ।

(अन्तरक)

2. श्री मुर्जन सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह निवासी डब्ल्यू०-144 मायापुरी फेज II नई दिल्ली ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० जे० 2/3 जोकि 175-1/10 बगंगज राजौरी गार्डन नई दिल्ली में गांव बमई दारापुर दिल्ली के अन्तर्गत स्थित है ।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II दिल्ली,  
नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लॉक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट  
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II एस० आर०

380-6321—अतः मुझे बलजीत भट्टियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 6884-85 है, तथा जो वार्ड नं० 13,  
बेरी वाला बाग, नजदीक आजाद मार्केट में स्थित है और  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 15 मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्यारा लाल पुत्र श्री तेगा राम सी०-2/74-ए०,  
लारेन्स रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री उदय भानु बेटा श्री धरिया राम 6884 बेरी  
वाला बाग नजदीक आजाद मार्केट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. बेचने वाला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं० 6884-85 वार्ड नं० 13,  
बेरी वाला बाग, नजदीक आजाद मार्केट, जिसका क्षेत्रफल  
80 वर्गगज है में स्थित है।

श्रीमती बलजीत भट्टियानी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-11-1980

मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज,

एच० ब्लॉक विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/-II/एस० आर०-I 3-80/6360—अतः मुझे, बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्रोपर्टी नं० 5368 है तथा जो प्लॉट नं० 40 ए० बस्ती हरफूल सिंह सदर बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व कम कर देने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री हरी प्रकाश बेटा सीता राम और श्रीमती उमा वर्मा पत्नी हरी प्रकाश 53/2, पंजाबी बाग दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती रत्ना देवी पत्नी श्री पद्मा लाल वेद, द्वारा शान्त ट्रेडिंग कम्पनी जेल रोड़, फेंमी बाजार, गोहाटी (आसाम)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्रोपर्टी जिनका नं० 5638, पड़नी मंजिल सीढ़ियों के साथ जो कि प्लॉट नं० 40 ए० बस्ती हरफूल सिंह सदर बाजार यार्ड नं० 14 में स्थित है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर : बिल्डिंग प्लॉट नं० 16 पर

दक्षिण : बिल्डिंग का हिस्सा प्लॉट नं० 40 पर।

पूर्व : रास्ता 40 फीट।

पश्चिम : रास्ता 15 फीट।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, दिल्ली,  
नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-11-1980

माह० :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
प्रायहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम० आर-I/6336/  
3-80/—अतः, मुझे, बलजित मटियानी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति विमान उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० जी० 81 है तथा जो बाला नगर, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रयोग करने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० एन० भाटिया जी० 81, बाला नगर,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सदन सिंह वर्मा, 4116, बोजम मोहल्ला, जामा  
मजिस्द, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में यथाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० जी० 81, बाला नगर, दिल्ली।

श्रीमती बलजित मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, दिल्ली,

दिनांक: 15-11-1980

मोहर:



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक००/-II/एम० आर-I/3-80-6358--अतः मुझे, बलजंत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनका सं० 12/10046, 10047, 10048 और 10048-ए (आधो) है तथा जो नबाव गंज पुलबगंज आजाद मार्केट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूच, में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-कर्ता अधिकार, के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रयोजन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मोम नाथ (2) रजिन्द्र नाथ बेटे अमन चन्द मेहता, निवासी मकान नं० 12/9996 नबाव-गंज पुलबगंज आजाद मार्केट, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री गिरा प्रसाद बेटा रघुबीर दयाल मकान नं० 2114, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोटो नं० 12/10046, 10047, 10048 और 10048-ए (आधो) व नं० 12/9996, नबाव गंज, आजाद मार्केट, दिल्ली।

श्रीमती बलजंत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, दिल्ली

दिनांक : 15-11-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

एच० ब्लॉक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०, एन्यू०- /एस० आर०/3-80/

3284—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 24 बीगाज और 1 बीस्वा, गांव खरखरी नहर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महा सिंह बेटा फोसा राम गांव खरखरी नहर, दिल्ली, स्टेट दिल्ली।

2. श्री जगपाल सिंह श्री धान सिंह बेटे रती राम और बोरदत्त बेटा तारा चन्द गांव खेरा, दिल्ली स्टेट दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 34 बीगाज और 1 बीस्वा जो कि गांव खरखरी नहर दिल्ली, स्टेट दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, दिल्ली;

दिनांक : 11-11-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच० ब्लॉक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर० -I/3-80/6353—यतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2804 और 2804/1 है तथा जो० बाई नं० 13, कुतुब रोड, तेलीवाड़ा दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिमान के लिये आन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये उसे तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री महेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री हेम राज जैन, सी०-4/ए/67-ए, जनकपुरी दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री हेमराज जैन बेटा प्रेम सुखदास जैन सी०-4/ए/67 ए, जनकपुरी, नई दिल्ली और सुरेश चन्द जैन बेटा हेमराज जैन 2685, गांधी नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्रोपर्टी जिसका नं० 2804, बाई नं० 13, कुतुब रोड में स्थित है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :-

उत्तर : प्रोपर्टी नं० 2804/1, और 2805 बी०

दक्षिण : प्रोपर्टी नं० 2803

पूर्व : कुतुब रोड

पश्चिम : दुकान नं० 2809।

श्रीमती बलजीत मटियानी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II,  
दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-11-1980

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० ईस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/II/एस० आर-I 3-80/

6264-अतः, मुझे बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सज़न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० 39 एफ है तथा जो नं० 6226, वाई नं० 12 कमला नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हुलन राय वेदा ठाकुर दाम 1467, पाली/गला दरवाजा कला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैनेन दुआ प्लास्टिक प्रोडक्ट 1354, पान भंडार, सदर बाजार दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पहली व दूसरी मंजिल जो कि 39 एफ मुनिसिपल नं० 6226, वाई नं० 12, कमला नगर में स्थित है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : रास्ता 24

दक्षिण : प्रोपर्टी श्री राम जैन, प्लॉट नं० 38 एफ

पूर्व : रास्ता नं० 40

पश्चिम : सविन गली 15

श्रीमती बलजीत मटियानी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 25-11-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ II/एस० आर-II/3-80/  
3282—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 61 बिगास और 15 बिसवास है तथा जो गांव दक्षिण कलान नजफगढ़ में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीत नही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8--376GI/80

1. मैसर्स भैया एण्टर प्राइसेस एच-25, कनाट सर्कस, नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्रजीत कौर बेटी सरदार धर्म सिंह, जी-36, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 61 बिगास व 15 बिसवास, खसरा नं० 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 14, 17, 18 जो कि नं० 142, गांव दक्षिण कलान, नजफगढ़ में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 25-11-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

एच ब्लॉक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-II 3-80/

6296—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1083 है तथा जो शोरा कोटी सब्जी मण्डी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, शिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्रीमती राज रानी भगत पत्नी श्री गोवर्धन दास भगत बेटी श्री राम लुबाया बजाज बी 2/155, पश्चिम पुरी नई दिल्ली-63।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दर्शन देवी पत्नी श्री कृष्ण लाल 1083, शोरा कोटी, सब्जी मण्डी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपटी नं० 1083 क्षेत्रफल 80 वर्गगज जो शोरा कोटी, सब्जी मण्डी में स्थित है निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : प्रोपटी नं० 1082

पश्चिम : गली

उत्तर : रास्ता

दक्षिण : कोमल रास्ता

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सभ्य प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, दिल्ली

दिनांक : 25-11-1980

मोहर :

## प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III,

एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० III/एस० आर-I 3-80/  
6262—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० यू० ए० 10/54ए है तथा जो जवाहर नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हजारी लाल जैन बेटा लैट श्री भगवान दास जैन,  
2091, मुंगेवली हवेली किनारी बाजार दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अमृत लाल बेटा लखी राम 40-ए/यू० ए०  
जवाहर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दो मंजिला बिल्डिंग जो कि प्लॉट नं० 154-ए ब्लाक नं० 10 जवाहर नगर में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज -II, दिल्ली,

दिनांक : 25-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच ब्लॉक विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-I 3-80/6326—

अतः सुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 114 ए है तथा जो रमेश नगर, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 17 मार्च, 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री चमन लाल मदान बेटा मदन लाल मदान ए०-  
239, कर्मपुरा, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री चरणजीत लाल गोयल बेटा लेट जेठा मल 6125,  
रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० 114-ए (ब्लॉक निल) जो कि रमेश नगर  
में है जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 11-11-1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक, 21 नवम्बर 1980

निर्देश नं० आई० ए० सी०/एक्यू/II/3-80/6293—अतः  
मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/2 का (प्रथम) है तथा जो  
2722 (नया) गली पीपल वाली चूड़ीवालान भोजला पहाड़ी  
इलाका नं० 9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्री सुरेश कुमार बेटा मूल चन्द श्रीमती शरबती  
देवी पत्नी मूल नन्द, 272 चूड़ीवालान कोशल्या  
देवी पत्नी प्रेम प्रकाश 515, पंजाबी बाग श्रीमती  
शांति देवी पत्नी गंगा शरण सी-45 नरायना।

(अन्तरक)

2 श्री कृपा शंकर बेटा शं रापान 2538, चूड़ीवालान  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा, प्रोपर्टी नं० 1675 (पुराना) 2722  
(नया) गली पीपल वाली, चूड़ीवालान, भोजला पहाड़ी  
इलाका नं० 9 दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-11-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-I 380/  
6261—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० टी०-941-942 है तथा जो बाग रजोली आर्या नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक मार्च 1980

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहीए था, जिन्हें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री गुरजल्ल खन्ना बेटा श्रोम प्रकाश खन्ना, टी० 951, बाग रजोली, आर्या नगर दिल्ली।

(अन्तरक)

2 घनशाम दास शर्मा बेटा अरविन्दर शर्मा  
R/o 72 Model Basti Delhi

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मकान नं० टी०-941-942 क्षेत्रफल 62-63 वर्ग गज जो कि स्थित है बाग रजोली, आर्या नगर दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-11-1980  
मोहर :

प्रकृष आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/- /एस० आई-1 2-10/  
6292—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ने  
अधिक है

और जिसकी सं० 1/2/675 का (पुराना) है तथा जो 2722  
(नया) गली पीपल वाली चूरवालान भोजला पहाड़ी  
इलाका नं० 9 दिल्ली में

स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
8 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावजूब उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1 श्रीमती शरवती देवी पत्नी लेट श्री मूल चन्द,  
2722 चूरवालान, दिल्ली-6।

(अन्तरक)

2 श्री कृपा शंकर बेटा श्री चक्रमन, 2538, चूर-  
वालान, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2, प्राप्रटी नं० 1675 (पुराना) 2722 (नया),  
क्षेत्रफल 40 वर्ग गज, गली पीपल वाली, चूरवालान, भोजला  
पहाड़ी इलाका नं० 9, दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-11-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-I/380/  
6374—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 1/2, 1567 का है तथा जो चंच रोड, कशमीरी  
गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 28 मार्च 1980।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1 श्री जगमोहन आन्नद बेटा लेट श्री गंगा राम आन्नद,  
8-सी०, राजपुर रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री प्रकाश चन्द गुप्ता बेटा किशोरी लाल बी-2,  
/16, माडल टाऊन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।सपस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मु० बा० नं० 1/2, प्रोपर्टी नं० 1567, जो कि चंच रोड  
कशमीरी गेट दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

दिनांक: 21-11-1980

मोहर:

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 2012-ए/हरिद्वार/79-80—अतः मुझे बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो श्रवणनाथ नगर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
28 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-376GI/80

1 श्री शिवगिरी पुत्र श्री संतगिरि ग्राम टोडा कल्याण-  
पुर रुड़की जिला सहारनपुर।

(अन्तरक)

2 सा० जोगेन्द्र सिंह सेठी पुत्र श्री सा० आत्मासिंह  
निवासी श्रवणनाथनगर हरिद्वार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति से हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान का 1/2 भाग स्थित श्रवणनाथ नगर हरि-  
द्वार में स्थित है जो कि 45000/रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 3-10-1980

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० टी० आर० नं० अलीगढ़/79580—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० मकान 3/48 है तथा जो जनकपुरी अलीगढ़  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिधारी के कार्यालय  
अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 25 मार्च, 1980।

उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवर्तमान प्रतिफल से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशियाँ प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :

(क) कारण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गोलान्ती शर्मा धर्म कृष्णी प्राणनाथ शर्मा  
यजुरिण हरिन्द्र नाथ शर्मा ए/० 29 ए 27 हेसदिंगस रोड  
अपोजिट सर्किट हाउस इलाहाबाद। (अन्तरक)

2. श्री महेश्वर पाल पुत्र श्री विपश्चर दयाल निवासी ब्रह्मपुरी  
अलीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाबोबा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का परित्याग संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, के पारपूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिस्तबद्ध किसी  
धन व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
हैं, वही रहेंगे तथा उन प्रकरण में दिशा  
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बरी 3/48 जनकपुरी अलीगढ़ में  
स्थित है जो कि 108000/रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, कानपुर,

दिनांक : 6-10-1980  
मोहर :

प्रकरण चार्ज-डी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 1999-ए/हरिद्वार/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो अहमदपुर कडय में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बलवन्त राय व चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री निहालचन्द निवासी मोह कडय पर० ज्वालापुर हरिद्वार जिला सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स भागीरथी एण्ड कम्पनी हरिद्वार द्वारा रुशोक कुमार शर्मा भागीदार श्रवणनाथ नगर हरिद्वार जिला सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1/48 1/3 पक्की स्थित नई मीर मार्केट ग्राम अहमदपुर नहसील हरिद्वार जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 1,40,000/ रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 3-10-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 1972-ए/खुर्जा/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 मार्च, 1980 :

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच उसे अन्तरण के लिए नष्ट या गिरावट का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधेश्याम बंसल पुत्र श्री ला० मकखनलाल जी० वाटा मैनेजर शू कं० घंटाघर गाजियाबाद।  
(अन्तरक)
2. श्री प्रभावाचन्द पुत्र श्री ला० पन्नालाल जी निवासी मोहल्ला होली बड़ी सरन कस्बा खुर्जा बुलन्दशहर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक नग मकान एक मंजिला नं० 687 स्थित मो० नक्षमणगंज अन्दरन गोइन गोइन्का आईल मिल कस्बा खुर्जा में स्थित है जो कि 48,000/रु० की बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 3-10-1980

मोहर :



प्रारूप धाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 1421/ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 मार्च, 1980। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्णीत।—

1. श्री गुरदेव सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह निवासी माजरी-ग्राम परवादून देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्री वेद भूषण पुत्र श्री मदनलाल निवासी देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्येक अर्थ:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तैदादी 10131 वर्ग फुट बाके नेशनल रोड देहरादून में स्थित है जो कि 45000 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर,

दिनांक: 3-10-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 1997-ए/हरिद्वार/79-80—अतः मुझे बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो मालियान में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक  
12 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के प्रत्येक के वायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किराया धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बख्तरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनन्तराम पुत्र श्री कुकन्दलाल नि० मो० मालि-  
यान कस्बा व पर० ज्वालापुर जिला सहारनपुर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री भगवान दास व  
गोपालदास पुत्र श्री मधूराम व श्री भूषणलाल पुत्र  
श्री जगदीशलाल सबनिवासी रामनगर कालोनी  
ज्वालापुर हरिद्वार।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक दुकान दो मंजिली तीनदरी स्थित मो० मालियान  
कटहरा बाजार ज्वालापुर में स्थित हैं जो कि 40000 रु०  
में बेजी गई हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 3-10-1980  
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 1998-ए/हरिद्वार/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो हरिद्वार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती यशवती परोडा धर्म पत्नी श्री मोहितलाल परोडा, मनीष केशव चिखलोद अहमदपुर कंडवपो० पर० ज्वालापुर तह० जिला सहारनपुर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमान प्रताप सिंह पुत्र श्री ठाकुर महेन्द्र सिंह जी सर्वेदमन सिंह सुपुत्र उक्तमान प्रताप सिंह निवासी मताद्वय आश्रम लाजपतकुंज आगरा उत्तर प्रदेश।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पर्य्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान कर्ष मुरवामयचार दुकानान् अन्तर सीमानगर समिति हरिद्वार स्थित ग्राम अहमदपुर तह० ज्वालापुर रुड़की जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 1,30,900 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 3-10-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० 169/अर्जन/ऊराई/89-81—अतः मुझे वी०  
सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पार्ग में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊराई में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
31 मार्च, 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री द्रग विजय सिंह पुत्र श्री विश्वनाथ सिंह सा०  
सेमा पर० उरई, जिला-जालौन।

(अन्तरक)

2. श्री रामकुमार व कृष्ण कुमार बालिगान बसुदाया  
प्रसाद व नाथा बलराम पुत्र उदयनारायण व विलायत  
श्री उदयनारायण पुत्र श्री जगदीश सा० तुलसी नगर  
उरई जिला-जालौन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि आराजीतुलसी नगर उरई में स्थित है जो  
कि 26,000 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 31-10-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, कानपुर  
 कानपुर, दिनांक 31 अक्टूबर, 1980

1. श्री मथुराप्रसाद पुत्र श्री रामदयाल सा० व पोस्ट  
 दिरावटी पर० कोच ।  
 (अन्तरक)
2. श्री पुरुषोत्तम नारायण पुत्र श्री पर्वत सिंह सा० पो०  
 सोमई पर० ऊराई जिला जालोन ।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
 भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए ;

अनुसूची

अराजी भूमिधारी बाके मोजा सोमई बफेरा पर० ऊराई  
 व जिला जालोन में स्थित है जो कि 29,000 रु० में बेची  
 गई है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
 10—376GI/80

दिनांक : 31-10-1980  
 मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 162/अर्जन/ऊराई/80-81—अतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कानपुर में स्थित  
है (और इस उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊराई में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
15 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मेंकमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तिबों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री परमानन्द पुत्र श्री रामदयाल मौजा व पी०  
दिरावटी पर० कोच जिला जालौन।

(अन्तरक)

2. श्री जगतनारायण पुत्र श्री पर्वत सिंह सा० व पी०  
दिरावटी पर० कोच जिला जालौन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में 'किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम व मौजा सोसईवफेश पर० उराई जिला  
जालौन में स्थित है जो कि 20000 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 31-10-1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 64-एस०/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सरना मुदानगर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 7 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री कलवा व इंदरीस पुत्रगण सर्व० श्री यामीन निवासी  
मोहल्ला व्यापारीयान मुरादनगर जलालाबाद तह०  
व जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद युनस पुत्र श्री अल्लाराजी निवासी  
सरनामुरादनगर पर० जलालाबाद तह० व जिला  
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि रकबई सात बीघा पुख्ता खसरा नम्बर 232  
छ बीघा सोलह बिस्वासी 233 एक बिस्वा 225 नौ बिस्वा  
दो बिस्वी 226 नौ बिस्वा दो बिस्वासी स्थित सरनामुदनगर  
पर० जलालाबाद तह० व जिला गाजियाबाद में स्थित है  
जोकि 78000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 28-10-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 नवम्बर 1980

निर्देश सं० III बी/मेरठ/80-81—अतः, मुझे, बी० सी०. चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 130 है तथा जो अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31 मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. नबाबइस्लाम मुजतबा खां पुत्र श्री इस्लाम उल्ला, खां कोठी अन्नत निशा शहर, मेरठ बहेसियत मुस्तार आम मिनजानिब नबाब इस्लाम नबी खां पुत्र अहमदल्लाखा मोहम्मद बालिगान व सेवल इलीम व नदीम इलीम ना० पिसरान अब्दुल हमीद खां बा० (अन्तरक)

2. श्री जावेद हलीम व परवेज हलीम आलिगान व सेहल हलीम व नदीम ना० पिसरान अब्दुल हलीम खां बाबिलायत नदीम हलीम खां ना० पिसरान अब्दुल हलीम खां बाबिलायत पिदरे निवासी, 138 पुरवा अहमदनगर मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान पुराना बना हुआ नं० 38 हाल 177 अन्दरन अहाता कोठी अन्नत निशा पुरवा, अहमदनगर शहर मेरठ में स्थित है जो कि 55000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 1-11-1980

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० 117/बी०/मेरठ/80-81—अतः मुझे बी० सी०  
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो ईश्वरपुरी में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
25 मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री शांति स्वरूप पुत्र श्री धनसिंह बर्मा निवासी  
मकान नं० 54 दालमन्डी सदर मेरठ कैंट।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेमसागर पुत्र श्री लाला फतहचन्द्र निवासी  
मोहल्ला ईश्वरपुरी शहर मेरठ मकान नं० 64।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक अर्द्ध मकान मय दो दुकान पुराने नं० 154,  
155, ब, 156 उसके बाद नं० 158, 156, ब, 157  
पड़े स्थित मोहल्ला ईश्वरपुरी शहर मेरठ वर्तमान नं० 94  
मय नीचे भूमि 80 वर्गगज है जो कि 32,000 रु० में बेचा  
गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 23-10-1980

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एन.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 113 बी०/मेरठ/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो अली शहर मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये व्यस्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री सुन्दरदास पुत्र श्री लाला रूपचन्द्र निवासी मोहल्ला केसरगंज शहर मेरठ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हीराबीडी फेक्टरी 270 पूर्वा फैयाज अली मेरठ जारिए श्री शक्तिअली पिसर श्री अलहाज साविकअली व साविक अली पिसर अजमतअली व अलमास कामिल अली पिसर आजमअली पार्टनर्स फर्मजकूर सा० 270 पूर्वा फैयाज अली मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान अहाता मयचहार दीवारीमसटीन शैड-मय अराजी सहती 214.7/9 बाके पूर्वा फैयाज अली शहर मेरठ में स्थित है जो कि 45,000 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 26-9-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

1. श्री मिट्ठन लाल पुत्र श्री सागर मल नि० जी०  
टी० रोड गाजियाबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री जसवन्त राम पुत्र रामचन्द्र 145 गली मुंशी  
हलवाई रेलवे रोड गाजियाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

निर्देश सं० 137 बी०/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो रामाबुज जी० टी०  
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 30-1-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविस में बंधी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के धार्या 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
धार्या में दिया गया है।

अनुसूची

टीन में दो दुकान स्थित मो० रामाबुज दयाल, जी०  
टी० रोड, गाजियाबाद में स्थित है जो कि 38,000 रु०  
में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, कानपुर,

दिनांक: 23-10-1980

मोहर:

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 133/बी०/गाजियाबाद/80-81:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो एडीशनल सिहानी गेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-3-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री धनपाल गुप्ता पुत्र श्री श्यामलाल निवासी 28 जो बिहारी नगर गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री कालूराम पुत्र श्री मंगतराम निवासी ग्राम बसेडा जिला मुजफ्फर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लॉट नम्बर 27 स्थित एडीशनल सिहानी गेट स्क्रीम गाजियाबाद क्षेत्रफल 108 वर्ग मीटर है जो कि 43,384 रु० में बंटा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-10-80.

मोहर :

प्रकरण माई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० 151बी/दादरी/80-81:—अन: मुझे, बी० सी०  
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
31-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
सम्भावित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय का बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थानु :—

11-376GI/80

(1) श्री सूरज प्रकाश भसीन पुत्र एस० भसीन निवासी  
माडल टाउन मोहल्ला कोठीयान गाजियाबाद तह०  
ब जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पूरन सिंह पुत्र श्री कलाराम निवासी मोहल्ला  
मोहनकुश खेताराम रोड गाजियाबाद पर० बौनी  
तह० जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है

अनुसूची

भवाजी 2/6 × 19 पुख्ता भूमि जो बजगीता 7101 वर्ग  
गज है खसरा नं० 225/2 है जो कि 1,77,525 रु० में बेची  
गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-10-1980.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० 100-बी/कानपुर/80-81:—अतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
में अधिक है

और जिसकी सं० मकान 133/44 है तथा जो किदवई नगर  
कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 6-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण सही किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमा करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शम्भूनाथ मिश्रा ग्राम किहोर तह० व जिला  
हमीरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधर सिंह नि० मकान नं० 133/44 एम० ब्लाक  
किदवई नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

हस्ताक्षर:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 133/44 किदवईनगर कानपुर में  
स्थित है जो कि 48263 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सश्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 14-10-1980.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 176-बी/कानपुर/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान 120/353 है तथा जो बाबूपुरवा कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमलादेवी पत्नी श्री बालमुकुन्द मा० 130/561 बाकरगंज, शहर कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री लाल मोहम्मद व अब्दुल हमीद व अब्दुल शकूर व अब्दुल रहमान व आफताब हुसैन पुत्र श्री कल्लूमियां निवासी 24/10 बेगमपुरवा कालोनी, शहर कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 130/53 का निसफ है रकबई 213.8 वर्ग गज बाके बाबूपुरवा में स्थित है जो कि 37000/- रु० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 14-10-1980.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मंगलसिंह पुत्र श्री रामबक्स सिंह ग्राम जरारी पर० बिल्हौर जिला कानपुर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्तूबर, 1980

सं० 162/बी/बिल्हौर/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो (जरारी) बिल्हौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिल्हौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अक्तूबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(2) श्री लाखन सिंह पुत्र श्री हुकुमसिंह गकान नं० 7/55, तिलकनगर कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 105 अ व 105 ब ग्राम बिल्हौर जिला कानपुर में स्थित है जो कि 30000/- रु० में बेची गयी है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-10-1980.

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० 87-बी०/कानपुर/80-81:—अतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 377 है तथा जो काजीखेड़ा कान-  
पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 14-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रशान्तारानी पत्नी श्री हीरेन्द्र नाथ निवासी  
114/7 जेके, कालोनी कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम आसरे पुत्र श्री रामप्रसाद 62/103  
हरबन्ममोहल कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 377 बाके मुजफ्फरपुर काजीखेड़ा  
शहर कानपुर में स्थित है जो कि 47000 रु० में बेचा गया  
है।  
गेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-10-1980.  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 नवम्बर 1980

निर्देश न० 171 बी/कानपुर/80-81:—अतः भूमे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 129/291 है तथा जो एच० 2 किदवाई नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-3-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अकुन्तलादेवी पत्नी श्याम सुन्दर व श्याम सुन्दर पुत्र कुन्दनलाल निवासी 129/291 किदवाई नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री उज्जला देवी पत्नी राधेश्याम 76/323 कुली-बाजार कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 128/291 एच० 2 किदवाई नगर कानपुर में स्थित है जो कि 80000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 5-11-80.  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन गेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 1986-ग/पी० एन० देहरादून 80-81--अतः

मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 63 है तथा जो ऋषिकेश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तित्वों, अर्थात्:--

(1) श्री केशव लाल आश्रम स्व० दत्तपत राम निवासी मुक्ता आश्रम पुष्कर मार्ग वर्तमान महन्त परशुराम मार्ग ऋषिकेश देहरादून पर० परवाहून जिला देहरादून व वर्तमान नि० गोविन्द नि० कर्नपुर देहरादून (अन्तरक)

(2) श्री ला० रामचन्द्र आश्रम स्व० सेवक राम 2० ला० तीर्थराम श्री श्रीराम गिरधरलाल तीनों आश्रम उपरोक्त ला० रामचन्द्र निवासी नं० 63 पुष्कर मार्ग ऋषिकेश परवाहून जिला देहरादून (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ:--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक महिला मौसूमा मुक्ता आश्रम नम्बर 63 पुष्कर मार्ग जिला वर्तमान नाम महन्त परशुराम मार्ग है ऋषिकेश परवाहून जिला देहरादून में स्थित है जो कि 55,000/-रु० से बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जुन गेज, कानपुर।

तारीख: 11-11-80

मोहर:

प्रकरण प्रार्थी० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 2008-ए०/मु० नगर/80-81--अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सं० 61 है तथा जो प्रेमपुरी में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
27-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के.पोदाम जैन पुत्र श्री मुन्शीलाल जैन  
निवासी 61 प्रेमपुरी मुजफ्फर नगर

(अन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्र कुमार जैन श्री ला० जुगमन्दर दत्त जैन व  
श्री मती बीनाजैन पत्नी भूपेन्द्र कुमार जैन निवासी  
61 प्रेमपुरी, मुजफ्फर नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 61 क्षेत्रफल 202 वर्गगज है जो कि स्थित  
प्रेमपुरी प० ब० जिला मुजफ्फर नगर में 45,000/-रुपए का  
बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 10-11-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 1968-ग/मु० नगर/80-81—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 165 है, तथा जो मुजफ्फर नगर  
पटेलनगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मुजफ्फर नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—376GI/80

(1) श्री दीनदयाल शर्मा पुत्र श्री राम निवास 165 पटेल  
नगर नई मन्डी मुजफ्फर नगर

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार व अनिल कुमार पुत्र गोडा मल  
निवासी पटेल नगर, मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दरोवर एक मकान पश्चिम मुहाना नम्बरी 165 मागिर  
पुष्ता दो मंजिला मुजफ्फर नगर मो० पटेल नगर, नई मन्डी  
मुजफ्फर नगर में स्थित है जो कि 90,000/- रु० में बेचा गया  
है ।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 10-11-80

मोहर :

प्रकृष आर्द्ध० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 2005-ए/मुजफ्फर नगर/80-81—अतः सुखे

बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 262ए० है तथा जो गान्धी कालोनी, मुजफ्फर नगर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फर नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती सिमला देवी पत्नी रणधीर सिंह निवासी 262बी० गान्धी कालोनी, उत्तरी मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री बीरेन्द्र सिंह व सोहनबीर सिंह पुत्र चतरसिंह निवासी 262ए० गान्धी कालोनी उत्तरी मुजफ्फर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कितामकान न० 262ए० गान्धी कालोनी उत्तरी जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है और जो 48000 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर,

तारीख : 10-11-80

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 165 बी०/कानपुर/80-81—अतः मुझे बी० सी०  
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन न्यूनतम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में  
अधिक है

और जिसकी सं० 24/115 है तथा जो पटकापुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
6-3-80

को प्राप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री मन्नाशुक्ल पुत्र शिवरत्नलाल, श्रीमकरनाथ  
अमरनाथ, निवासी 20 शास्त्री नगर कानपुर,  
श्रीमती कामिनी अवस्थी पत्नी रामनंकर अवस्थी  
नि० 46/113 हटिया कानपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीतादेवी पत्नी राधेलाल नि० 24/115  
पटकापुर, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोहताओं के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

नोटिफिकेशन :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अन्वय 20-त में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अन्वय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान 24/115 पटकापुर, कानपुर में स्थित है  
जोकि 45000/- रु० का बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-11-80

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निदेश सं० 89 बी०/कानपुर/80-81—अतः मुझे बी० सी०  
चतुर्वेदी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो पुराना कानपुर में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-80  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती पुष्पाछिब्बर पत्नी डा० एन० एन० छिब्बर  
निवासी 18/46 मालरोड़ कानपुर  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती लार्पा देवी पत्नी के० पी० दुबेदी निवासी  
ग्राम व० पो० खेड़ा जिला मिर्जापुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोध्यास्थानी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 31 सेक्टर ब्लॉक स्कीम नं० 26  
पुराना कानपुर में स्थित है जो कि 62937.30 पैसे में बेचा  
गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-11-80  
मोहर :



प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 961-ए/सहारनपुर/79-80—अतः मुझे बी०  
 सी० चतुर्वेदी  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
 और जिसकी सं० मकान नं० 4/333 व 337 है जो पुल जोगियान  
 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्री-  
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
 20-3-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा० सुधीर चन्द्र जैन जी सुपुत्र स्व० डा० हरिचरण  
 बैनर्जी व श्री मती अरुण बैनर्जी धर्मत्यनी डा०  
 सुधीरचन्द्र बैनर्जी मजकर निवासी गण सहारनपुर  
 कोर्ट रोड (अन्तरक)

(2) श्री सरदार जितेन्द्र सिंह दुआ पुत्र सरदार देवेन्द्र  
 सिंह दुआ निवासी सहारनपुर कोर्ट रोड व श्रीमती  
 इन्द्रजीत कौर पत्नी स० गुरदीप सिंह निवासी  
 4121 नयाबाजार देहली व श्रीमती हरजीत कौर  
 पत्नी अवतारसिंह निवासी सहारनपुर व श्रीमती  
 विजेन्द्र कौर पत्नी गुरबख्श सिंह व इन्द्रजीत कौर  
 पत्नी जवाहर सिंह व कुमारी जगजीत कौर पुत्री  
 देवेन्द्र सिंह निवासी कोर्ट रोड सहारनपुर, गुरबखन  
 सिंह पुत्र साहब सिंह नि० सुन्दरपुरी गाजियाबाद  
 बलवन्त सिंह पुत्र हीरा सिंह नि० कोर्ट रोड  
 (सहारनपुर) व श्रीमती हरद्वन्द्वकौर पत्नी हरमती  
 सिंह धवन पटियाला (पावर कालोनी) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क  
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 4 व रकबा 333/337, 2702  
 वर्गमीटर है जो कि 4,00,000/- रु० में बेचा गया है। यह  
 मकान पुल जोगियान जिला सहारनपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-11-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निदेश सं० 174बी/कानपुर/80-81—अतः मुझे बी० सी०  
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 104/441 है तथा जो सीसामऊ पी०  
रोड़, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय  
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 13-3-80

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री लालाहुलीचन्द्र आत्मज लाला नारायणदास  
निवासी 59/53ए विरहान रोड कानपुर  
(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश नारायण व हरी कृष्ण व मदन लाल  
व मोहनलाल व सोहन लाल आत्मज राम कृपाल  
निवासी 104ए/324 रामबाग कानपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 104ए/441 बाके सीसामऊ  
पी० रोड़, कानपुर में स्थित है जो कि 90,000/- रु० में बेचा गया  
है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-11-80  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर, 1980

निदेश सं० 48-एस/बागपत/80-81—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो बाकेमन्डी बागपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बागपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बनबारीलाल पुत्र न्यादरमन निवासी काठा व तह० बागपत जिला मेरठ डा० खास (अन्तरक)

(2) श्री तुलसीराम पुत्र श्री रामशरण निवासी बागपत पर० व तह० बागपत जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान 88 फुट लम्बा व 42 फुट चौड़ा है। और 406 वर्गगज है इसमें 5 कमरे व दो बरामदे व ड्युडिया व 2 दुकान बाके मन्डी बागपत पर० व तह० बागपत जिला मेरठ में स्थित है जो कि 45000/- में बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 12-11-80  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निदेश सं० 54 एस/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो लोहिया नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-3-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय गारा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में शब्दिक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरीचन्द्र गुप्ता व श्री चन्द्र गुप्ता पुत्रगण बाबू राम निवासी 28 चन्द्रपुरी गाजियाबाद पर० लोनी तह० जिला गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजेन्द्र कौर पत्नी महेन्द्र प्रताप बाली एम० बी० सिंह वाली पुत्र सरदार तारासिंह बाली निवासी 19 बी० रेलवे कालोनी, सरदार पटल मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट संख्या बी० 195 ब्लॉक बीस बेटन नं० 8 क्षेत्रफल 473-13 वर्गमीटर स्थित है जो कि 47,313 रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारीप

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-11-80

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश सं० 67एस०/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो गान्धी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-3-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—376GI/80

(1) श्री कृष्ण लाल अरोड़ा पुत्र श्री गुरादत्ता राम निवासी मकान नं० 145 न्यू गान्धी नगर गाजियाबाद जिला गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री बहादुर चन्द्र व श्रीमती विद्यावती धर्मपत्नी श्री हरबन्सलाल निवासी बी० 6 पुराना गान्धी नगर गाजियाबाद जिला गाजियाबाद

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान नम्बर बी/130 तथा नम्बर 145 क्षेत्रफल 234 वर्गगज स्थित न्यू गान्धी नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 82,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर।

तारीख : 12-11-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश सं० 157 बी/दादरी/80-81—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 4 है तथा जो फैक्टरी एरिया साहिबाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पंजाब प्रायरन एंड स्टील इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० जुलेन्दरकैन्ट

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जम्मू आटो इन्डस्ट्रीज एजेंसी प्रा० लि० 1566/3 चर्च रोड काश्मीरी गेट देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बनी हुई प्लॉट नम्बर 14 साइट नम्बर 4 फैक्टरी एरिया में स्थित है जो कि 2,61,000/ब रु० की बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-11-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर, 1980

निदेश सं० 150 बी०/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 62 है तथा जो पटेल मार्ग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांरी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-3-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रामप्यारी पत्नी स्व० सरदार प्रताप सिंह नि० के० एफ० 23 कवि नगर, गाजियाबाद (अन्तरक)

(2) श्री मंगत राम शर्मा पुत्र श्री सीस राम शर्मा निवासी थर्ड सी 72 नेहरू नगर, गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 48 फुट पश्चिमी भुजा 49-9 उत्तरी भुजा 206-5 दक्षिणी भुजा जिसके पश्चिमी साईड की दीवार बनी है लोहे गेट पूर्व पुरानी ही नम्बरी 62 हाल पटेल मार्ग गाजियाबाद में स्थित है जो कि 1,00,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-11-80  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 985 अर्जन/आगरा—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० मकान नं० 16/82 है तथा जो शीलगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री खेमचन्द्र पुत्र श्री कन्हैया लाल निवासी  
अकबर रोड़, आगरा  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेशम देवी धर्मपत्नी श्री भगवानदास भार्गव  
निवासी 16/82 शील गली आगरा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुख्ता व खाम दो मंजिला नम्बरी हाल 16/82 बाके शील गली आगरा में स्थित है जो कि 30,000/- रु० में बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-11-1980

मोहर:



प्ररूप आई. टी. नं० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 982-अर्जन/आगरा/80-81—अतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है तथा जो तेजगंज आगरा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
31-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाव के  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

(1) श्री सुराजचन्द्र राय मुख और बेनी माधव राय  
निवासी 18/163 पुरानी मंडी आगरा

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वदुलमजीद मीर मुख और खान मोहीउद्दीन  
मीर चेंबर मैन कम मैनेजिंग डायरेक्टर मेसर्स ए०

एम० इण्डिया प्रा० लि० श्री नगर काश्मीर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों कथित हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अफ्रीडुस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक क्लिफ प्लॉट नं० 1350 वर्गमीटर 222, 224, 225  
तेजगंज आगरा में स्थित है जो कि 81,000/ रु० में बेचा गया  
है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-11-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 196-अर्जन/आगरा/80-81—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० नगर कन्धारी है तथा जो सिरजेपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरीशंकर शर्मा पुत्र श्री कन्हैया लाल शर्मा निवासी कचहरी घाट आगरा

(अन्तरक)

(2) श्री भूपालसिंह पुत्र गोवर्धन सिंह निवासी कुन्डोल तह० ब० जिला आगरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आरजी नं० 81 बाके शास्ती नगर कन्धारी आगरा में स्थित है जो कि 40000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-11-80

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निदेश सं० 176-अर्जन/कोच/80-81—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो एवश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोच में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री मनसुखलाल बा० निवासी दावर कोच डा० सलैया बुजुर्ग पर० कोच जिला जालोन

(अन्तरक)

(2) श्री माता प्रसाद पुत्र श्री मुसद्दीलाल बा० नि० ग्राम एवरा डा० जैतपुरा पर० कोन्च जिला जालोन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आराजी कोच एवरा चरगना कोच जिला जालोन में स्थित है जो कि 95000/- में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-11-80

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निदेश सं० 980/एक्यू/अलीगढ़/80-81—अतः मुझे,

बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो द्वारिकापुरी में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनतः—

(1) श्रीमती कैलाश कश्यप पत्नी श्री चन्द मोहन म० नं० 1962 गलीनीलवाली सीताराम बाजार देहली-6

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णमहाय अध्यापक केशव माधव सगारक समिति द्वारिकापुरी अलीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वाराधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर मो० द्वारिकापुरी अलीगढ़ में स्थित है जो कि 25000/- रु० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

मोहर :

तारीख : 11-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 अक्तूबर 1980

निर्देश सं० 170-अर्जन/सिकोहाबाद/80-81—यत, मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—376GI/80

(1) श्री हुल्लाम खां व निलाम खां व श्री इनाम खां पुत्र श्री लतीफ खां निवासी माता तुरकिया ग्राम अक्खनपुर पो० खास तह० सिकोहाबाद जिला आगरा हाल निवासी रसूलपुर फिरोजाबाद वाटर वर्क्स के नीचे जिला आगरा

(अन्तरक)

(2) श्री बाल किशन पुत्र श्री नेमीचन्द्र जैन निवासी मोहल्ला नईबस्ती फिरोजाबाद जिला आगरा

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि बाके ग्राम अक्खनपुर पर० व तह० सिकोहाबाद जिला मेनपुरी में स्थित है जो कि 30000/- रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर।

तारीख : 31-10-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निवेदन सं० 990/एक्यू/सांसी/80-81:—अतः मुसे, बी० सी०

चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाजड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सांसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए थी/बा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तिवों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षित :—

(1) श्री कृष्ण स्वर्ण अग्रवाल पुत्र श्री विशन स्वर्ण अग्रवाल निवासी सिविल लाईन (अशोक बाग) सांसी हाल निवासी राजकुमारी बिल्डिंग भूतेश्वर मथुरा। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज अग्रवाल धर्मपत्नी विजयकुमार अग्रवाल निवासी अशोकबाग सांसी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किताब नं० 314/6 व 314/7 व 314/8 व 314/9 हाल नम्बरी 316 अन्य बी नम्बर है जो कि 90000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-11-80  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती गंगा देवी धर्म पत्नी श्री उत्तम चन्द्र बट्टर,  
नि० 30 सिविल लाइन झांसी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री कृष्ण अरोड़ा तनम श्री मदनमोहन अरोड़ा,  
433ई सुन्दर भवन सहर बाजार, झांसी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 73/अर्जन/झांसी/80-81:- अतः मुझे, बी० सी०  
चतुर्वेदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।और जिसकी सं० बंगला 30 है तथा जो सिविल लाइन झांसी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय झांसी में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-  
1980को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 30 सिविल लाइन झांसी में स्थित है जने कि  
45000/- रु० में बेचा गया है।बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 31-10-1980.

मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निदेश सं० 273/अर्जन/कासगंज/80-81:—अतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी दुकान है तथा जो कासगंज में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कासगंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामनारायण पुत्र श्री किशनलाल खुदकर्ता  
कुलदीप व श्रीमती व बोबी नाबालिग पुत्रगण राम-  
नारायण व श्रीमती तारादेवी पत्नी श्री रामनारायण  
निवासी कासगंज मो० जैजैराम गढ़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण व राधेश्याम पुत्रगण श्री सूरजभान  
व सूरज भान निवासी कासगंज मो० मोहन पर०  
बिलराम जिला गढ़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक दुकान इकर्मजिला जिला पुरानी कैकैया इंट से बनी  
है जो कि 46000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-11-80  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निदेश सं० 156-अर्जन राठ/80-81—अन: मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नमखुरी में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय राठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अर्जन, तारीख 13-3-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बादा उक्त अधि-  
नियम, क अधिनियम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
की, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, नमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पंचम पुत्र श्री रज्जू निवासी पतरपुरी पो०  
जरीपा तह० राठ, जिला हमीरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मान सिंह व प्रतापसिंह व श्री चन्द्र शेखर पुत्रगण  
प्रभुदयाल सा० पवई पो० जरीपा, तह० राठ, जिला  
हमीरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नमखुरी पर० तह० राठ, जिला हमीरपुर में स्थित  
है जो कि 25000/- रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-11-80  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980.

निदेश सं० 165/अर्जन/सिकन्दा/राठ/80-81—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मटकोटा में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दाबाद में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
25-3-80.

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य-आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्रीमती विधावती विधवा व सुरेश चन्द्र व सुशील  
कुमार पुत्रगण कुमारी रेखा पुत्री श्री जानकी प्रसाद  
नि० कस्बा सिकन्दराऊ मो० भटकोटा पर० व० तह०  
सिकन्दराऊ जिला अलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकुमार व कृष्ण कुमार पुत्रगण भगवती सहाय  
निवासी कस्बा सिकन्दराऊ मोहल्ला खिजरगंज पर०  
तह० सिकन्दराऊ जिला अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किला दुकान नवीनचन्द्र उत्तर-दुकान ज्वाला प्रसाद कि  
जोकि अबगंगा सहाय है जो कि 347500/- रु० में बेचा गया  
है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-11-80

मोहर :

प्रारूप आर्द्र. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निदेश सं० 275-अर्जन/कासगंज/80-81:—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुकान है तथा जो में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कासगंज में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25  
मार्च, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--(1) श्री ग्राम लाल स्वरूप मोडक पुत्र श्री उत्तर चन्द्र  
निवासी कामगंज मो० नवाबगली चौहरान पर ०  
बिलराम जिला एटा।

(अन्तरक)

(2) श्री निरंजनलाल पुत्र श्री बन्नी प्रसाद निवासी कासगंज  
मो० नाथूराम सूत की मन्डी पर० बिलराम जिला  
एटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक पग दुकान पक्की दुमंजिला हट्ट पुरब सड़क  
बाजार नदरई गेट पश्चिमी कोठी कपूर चन्द्र उत्तर कोठी कपूर  
चन्द्र जैन दक्षिण दुकान मिन मुक्ति मेनावल 11-23 मी०  
03-66 मी० बाकी दाधूराम बाजार नदरई दरवाजा कासगंज  
में स्थित है। जो कि 35000/- रु० में बेचा गया है।बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 18-11-80

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० लुधियाना/640/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और ज़िम्की सं० प्लॉट क्षेत्र 1572 वर्ग गज है तथा जो गांव गियासपुर, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री मलकीयत सिंह व भाग सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह निवासी गांव भासीयां, तहसील, लुधियाना।  
(अन्तरक)

- (2) श्री बकशीश सिंह व माहिन्द्र सिंह व मन्मथन सिंह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह, निवासी 2673, गली I, विश्वकर्मा टाउन, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 1572 वर्ग गज, गांव गियासपुरा, तहसील लुधियाना।

(ज्यायशद जैसा कि, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5782, मार्च 1980 में दर्ज है)।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० लुधियाना/641/79-80:—अतः मुझे, मुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 1520 वर्ग गज है तथा जो  
गियासपुरा, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरेत्ती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,  
प्रवर्तिता:—

15—376GI/10

(1) श्री माधो सिंह, जगमेल सिंह पुत्र श्री मिलखा सिंह  
व करतार सिंह, नाहर सिंह, व जगदेव सिंह सारे  
पुत्र श्री राम सिंह व हरदीप कौर विधवा पत्नी श्री  
गुरमेल सिंह निवामी गांव भाभीयां, तहसील  
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री माहिन्द्र सिंह व बर्कशीण सिंह पुत्र श्री  
गुरदित सिंह, निवामी 2673, विणकर्मा टाऊन  
गल्लोनं० 1, लुधियाना।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 1520 वर्ग गज, गियासपुरा, लुधियाना।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय  
के विलेख संख्या नं० 5783, मार्च 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/494/79-80:—अतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3364 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री भूपिन्द्र सिंह हैमर पुत्र श्री कर्म सिंह मारफत H Kay मिडल स्कूल, महेश नगर अम्बाला कैन्ट द्वारा उसकी स्पेशल आटोमोबिल श्री गुरदियाल सिंह रन्धावा, निवासी 2226, सेक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) सर्व श्री जयकुमार व सतपाल पुत्र श्री मंगली राम, दुकान नं० 17, अटाबा मार्केट, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3364, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2531, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/479/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1525, है तथा जो सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) विंग कमांडर मुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी 17-ए/25, डब्ल्यू० ई० ए०, एक्मटेशन एरिया, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री हरिन्द्र सिंह चिमनी पुत्र मेजर जनरल सरदार वक्कीण सिंह चिमनी व श्रीमति मनजीत कौर चिमनी पत्नी श्री हरिन्द्र सिंह निवासी मकान नं० 259, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ द्वारा मेजर जनरल अमरीक सिंह निवासी 259, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(मकान नं० 1525, सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 2462, मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० लुधियाना/626/79-80—अतः मुझे, मुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है तथा जो हीरा  
सिंह रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कृपि न की जाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायबल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जसजीत सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह द्वारा उत्तरा  
पावर आफ अटारनी श्री बलवीर सिंह निवासी  
हीरा सिंह रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सबीता सामा पत्नी श्री रामेण सामा व  
श्रीमती आरती सामा पत्नी श्री विनोद सामा निवासी  
मकान नं० बी-1-642, कुन्दनपुरी, सिविल लाईन,  
लुधियाना।

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 250 वर्ग गज, हीरा सिंह रोड, सिविल  
लाईन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय  
के विलेख संख्या नं० 5368, मार्च, 1980 में दर्ज है) :

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-11-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

[कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/505/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1151, है तथा जो सेक्टर 33-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अवसर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कर्नल भूपिन्द्र सिंह पुत्र हरचरण सिंह द्वारा उसकी अटारनी ब्रिगेडियर हरचन्द सिंह निवासी 1369, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) कैप्टन रघवीर सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह भारफत ब्रिगेडियर हरचन्द, निवासी 121, सेक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1151, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या सं० 2518, मार्च 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-11-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/503/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 60, है तथा जो सेक्टर 33 बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 3/80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मेजर आर० डी० सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह द्वारा उसकी अटारनी विंग कमांडर मोहन सिंह पुत्र श्री मखन सिंह सो०-382, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) स्कैण्डन लीडर अमरजीत सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह निवासी 511, सेक्टर 33-बी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 606, सेक्टर 33-बी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रारकी अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के खिलेख संख्या नं० 2605, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० लुधियाना/6478/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० B-XX-8/22, है तथा जो माया नगर, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आय-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलदेव कृष्ण साहो पुत्र श्री राम प्रकाश, 183, माया नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रताप सिंह चावला पुत्र श्री सन्तोष सिंह चावला मारफत मैसर्स एम० जे० आयाल गिनिंग फैक्टरी, खन्ना, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जायदाद नं० B-XX-8/22, माया नगर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5928, मार्च, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० लुधियाना/633/79-80:—अतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-111-30 (फ्लोड) बी-III-एस-19-941 (न्यू०) है तथा जो पुराना बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्रायः या किसी धन या प्रत्यक्ष या अस्थायी को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री राम प्यारा मिह पुत्र श्री मोहन लाल, आफ व जन्मल पावर आफ अटारना आफ श्री कृष्ण प्यारा, निवासी पुराना बाजार, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति हर्य बाला पत्नी श्री चक्र पाल निवासी 290, मोहल्ला बकीला, लुधियाना।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वचौकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-III-30 (पुराना), बी-III-एस-19-941 (न्यू), पुराना बाजार, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5658, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० लुधियाना/634/79-80:—अतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-III-30 (पुराना), बी-III-एस-19-941 (न्यू) है तथा जो पुराना बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम प्यारा सिंह पुत्र श्री मोहन लाल व श्री कृष्ण प्यारा पुत्र श्री मोहन लाल द्वारा अनरल पावर आफ अटॉर्नी श्री राम प्यारा सिंह, निवासो, पुराना बाजार, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति चंचल रानी पत्नी श्री सुभाष चन्द्र 290, मोहल्ला बकीला, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-III-30 (पुराना), बी-III-एस-19/941 (न्यू), पुराना बाजार, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5659, मार्च, 1980 में दर्ज है।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980।

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आधुनिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/476/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्व,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भाग एस० सी० ओ० नं० 143, है तथा जो सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 3/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री वासन्दा राम पुत्र श्री अमीर चन्द व श्री राज कुमार पुत्र श्री वासन्दा राम निवासी 3113 सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री माहिन्द्र सिंह व श्री माहिन्द्र पाल सिंह दोनों पुत्र स्वर्गीय श्री मान सिंह, मकान नं० 3304 सेक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग एस० सी० ओ० नं० 143, सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2446, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्व,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/3/80-81:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भाग एस० सी० ओ० नं० 143, है तथा जो सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वसंदा राम पुत्र श्री अमीर चन्द व श्री राज कुमार पुत्र श्री वासंदा राम, निवासी 3313, सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री मनोहर सिंह व माहिन्द्र पाल सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री मान सिंह मकान नं० 3304, सेक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग एस० सी० ओ० नं० 143, सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़।  
(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 8, अप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० लुधियाना/624/79-80:—अतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भाग प्लॉट नं० 393, है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया-ए, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित प्रयोजितियों, अर्थात्—

(1) श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री बाबू राम व श्री राम किशन पुत्र श्री बाबू राम द्वारा उनकी अटारनी श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री बाबू राम, निवासी 292, इण्डस्ट्रियल एरिया-ए, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सुधा रानी पत्नी श्री जीवन कुमार, श्रीमति कुसुम रानी पत्नी श्री भारत भूषण व श्री अश्वनी कुमार पुत्र श्री कपूर चन्द मारफत श्री कपूर चन्द निवासी मादोपुरी, राम गली, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग प्लॉट नं० 393, इण्डस्ट्रियल एरिया-ए, लुधियाना।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5615, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-11-1980  
मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० लुधियाना /24/80-81:—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भाग प्लॉट नं० 393 है तथा जो इण्डस्ट्रियल  
एरिया-ए, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री बाबू राम व श्री राम  
किशन पुत्र श्री बाबू राम द्वारा जनरल आटारसी  
श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री बाबू राम निवासी 292,  
इण्डस्ट्रियल एरिया-ए, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कुसम रानी पत्नी श्री भरत भूषण श्रीमति  
मुधा रानी पत्नी श्री जीवन कुमार व श्री अश्वनी  
कुमार पुत्र श्री कपूर चन्द मारफत लाला कपूर  
चन्द, माधोपुरी, राम गली, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससे संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रमोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भाग प्लॉट नं० 393, इण्डस्ट्रियल एरिया-ए, लुधियाना।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 478, अप्रैल, 1980 में दर्ज  
है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980.  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० लुधियाना/649/79-80:— अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 1390 वर्ग गज है तथा जो तरफ पीरू बन्दा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबद्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्रीमति मनमोहन कौर पुत्री गुरचरण सिंह अब पत्नी श्री हरदेव सिंह, निवासी 164-आई, सराभा नगर, लुधियाना (द्वारा श्री राजिन्द्र पाल, रीडर—कमीशन अपोआईडिड, कचहरी, श्री जी० सी० वेदी, सब-जज, लुधियाना)।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया पुत्र श्री अमर सिंह, निवासी 82 एच, सराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 1390 वर्ग गज, तरफ पीरू बन्दा, तहसील लुधियाना।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5951 मार्च, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एलडीएच/650/79/80—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 1510 वर्ग गज है तथा जो  
तरफ पीरू बन्दा लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची  
में, और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री अमर सिंह 164-आई सुराबा  
नगर, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्रीमति माया देवी पुत्री श्री मुना लाल 82-बी सराबा  
नगर, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 1510 वर्गगज, तरफ पीरू बन्दा, लुधियाना  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय  
के बिलेख संख्या नं० 5952, मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर-आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एलडीएच/614/79, -80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलोर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 290 है तथा जो न्यू माडल टाऊन लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयवन्त सिंह पुत्र श्री राम सिंह 290-न्यू माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश कुमार पुत्र श्री प्रेम सागर श्रीमति चंचल पत्नी श्री जुगल किशोर मकान नं० 54 न्यू माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 290 न्यू माडल टाऊन, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5485 मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980।

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एल डीएच/619/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-21-315/2 है तथा जो इण्डस्ट्रियल एरिया बी लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों

1. सर्वश्री सन्त सिंह, हरनाम सिंह, हरनेक सिंह, सुरजीत सिंह सारे पुत्र श्री गुरदास राम गांव हुगरी द्वारा जनरल पावर आफ अटारनी श्री ईशर सिंह पुत्र सेवा सिंह, मिन्लर गंज, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री गुरदास राम प्लॉट नं० 798, इण्डस्ट्रियल एरिया-बी, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-21-315/2, इण्डस्ट्रियल एरिया-बी, लुधियाना। (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5566, मार्च 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980  
मोहर।

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एलडीएच/611/79-80—अन्तः, मुखे,  
मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है तथा जो गांव गियासपुरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुन्ना सिंह पुत्र श्री रुनिया सिंह व श्रीमति इन्द्र-  
कोर पुत्री श्री रुनिया सिंह, निवासी गियासपुरा,  
तहसील लुधियाना द्वारा श्री मोहन लाल, रीडर आफ  
कोर्ट आफ श्री जी० के० राय, सब जज, लुधियाना  
(लोकल कमीशन कोर्ट द्वारा बैठाया हुआ) ।

(अन्तरिती)

2. मैसर्स पी० एम० एण्ड सन्स, जी० टी० रोड, लुधि-  
याना द्वारा उनके पार्टनर्स सर्वश्री बलवन्त सिंह,  
गुरचरन सिंह, हरबन्स सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह और  
प्रीतम सिंह पुत्र श्री राणा सिंह निवासी मिल्लर गंज,  
जी० टी० रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले, गांव गियासपुरा,  
तहसील लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के त्रिलेख संख्या 5449, मार्च 1980 में दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15-11-1980 ।  
मोहरः

प्रारूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश संख्या सीए डी/483/79-80—अतः, मुझे,  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 12 कनाल 14 मरले है तथा  
जो गांव दहिया यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1980 (1980 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री फुमन सिंह, मकान नं० 2720  
गांधी नगर, बंगां, जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री जसवन्त सिंह चौधरी पुत्र श्री नानक सिंह, कोठी नं०  
259, सैक्टर 11-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 कनाल 14 मरले गांव दहिया, यू० टी०  
चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ कार्या-  
लय के विलेख संख्या 2469, मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15-11-1980।

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० पीटीए/426/79-80—यतः 'मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 18 बिसस्वे है तथा जो पटियाला राजपुरा रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति ओम बती पुत्री श्री द्वारका दास निवासी सामने हीरा बाग, राजपुरा रोड, पटियाला (अन्तरक)

2. श्री सतविंदर सिंह पुत्र श्री दिवार सिंह निवासी मार्फत मैसर्स दिदार सिंह व संज बैहरा रोड, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि क्षेत्रफल 18 बिसस्वे जो राजपुरा रोड, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 6078 मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० पीटीए/427/79-80—यतः 'मुझे' मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 17 बिस्वे है तथा जो राजपुरा रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

1. श्रीमति ओमवती पुत्री श्री दवारका दास निवासी सामने हीरा बाग, राजपुरा रोड, पटियाला।  
(अन्तरक)

2. श्री जसविन्दर सिंह पुत्र श्री दिदार सिंह निवासी माफत मैसम दिदार सिंह व संज, बैहरा रोड, पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 17 बिस्वा जो राजपुरा रोड, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 6079 मार्च 1980 में दर्ज है।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

सुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० पीटीए/431/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 17 बिस्से है तथा जो राजपुरा रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति ओम बती पुत्री श्री दवारका दास निवासी सामने हीरा बाग, राजपुर रोड, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्रीमति प्रीतम कौर पत्नी श्री विदार सिंह निवासी मकान नं० बी-6-165, निहाल बाग, बारादरी, पटियाला ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 17 बिस्से जो राजपुरा रोड, पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 6146, मार्च 1980 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख 15 नवम्बर 1980 ।

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन सेंज

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० केएनएन/109/79-80—यतः 'मुझे' सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल है तथा जो गांव राहों, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार अधिनियम की धारा 269-ब को उपभाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सेवा सिंह पुत्र श्री दिवान सिंह, माडग टाउन, खन्ना, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री गुरप्रताप सिंह व अजेपाल सिंह पुत्र श्री गियान सिंह निवासी गांव व डा० राहो जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

महसूसी

भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल गांव राहों, जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या 2090, मार्च 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन सेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एएमएल/144/79-80—अतः मुखे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5 बीघे है तथा जो गांव जसरां मण्डी गोबिन्द गढ़, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री मसत राम गांव नसराली, मण्डी गोबिन्द गढ़ तहसील अमलोह ।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री तारा सिंह, लाभ सिंह, जमवंत सिंह पुत्र श्री अमर सिंह गांव नसराली अब कुकड़ माजरा मण्डी गोबिन्द गढ़, तहसील अमलोह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 5 बीघे गांव जसरां तहसील अमलोह जिला पटियाला ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2089 मार्च 1980 में दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 10 नवम्बर 1980 ।

मोहर:।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एएमएल/145/79-80—अतः मुझे मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 1½ बिसवा है तथा जो गांव कुकड़ माजरा तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
 18—376GI/80

1. श्रीमति हरबंस कोर पत्नी श्री ठाकुर सिंह, श्रीमति प्रतीम कौर, मलकीयत कौर पुत्रियां श्री ठाकुर सिंह पुत्र श्री बसन्त सिंह निवासी मंत्री गोबिन्दगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमति राज रानी पत्नी श्री गोपी चन्द निवासी अमदगढ़ श्रीमति जनक दुलारी पत्नी श्री सारूप चन्द निवासी नजदीक बस सटेड, बरनाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 1½ बिसवा, गांव कुकड़ माजरा तहसील अमलोह।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 2167 मार्च 1980 में दर्ज है )।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख 15 नवम्बर 1980।

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सीएचडी/473/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा प्लॉट नं० 3 है तथा जो स्ट्रीट सी, सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थन :—

1. श्रीमति सवित्री देवी 40-आई, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार जैन मार्फत मैसर्स चन्दा परैस, निकलसन रोड, अम्बाला कैंट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 हिस्सा प्लॉट नं० 3 स्ट्रीट सी, सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2421, मार्च 1980 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

लुधियाना दिनांक 15 नवम्बर 1980

1. श्री सुशील भासीन, 126, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़ ।  
(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार जैन मार्फत चन्दा परैस, निकलसन  
रोड, अम्बाला कैंट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राह्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

निदेश सं० सीएचडी/474/79-80—यतः मुझे,  
मुख्यदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा प्लॉट नं० 3 है तथा जो स्ट्रीट  
सी, सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-

अनुसूचा

1/4 हिस्सा प्लॉट नं० 3 स्ट्रीट सी, सैक्टर 19-ए,  
चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विशेष संख्या 2422, मार्च, 1980 में दर्ज  
है ।)

मुख्यदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सीएचडी/486/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1134 है तथा जो सैक्टर 33-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (अर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :--

1. मेजर बारिन्दर सिंह पुत्र श्री नगीना सिंह मकान नं० 26, दी मान, जालन्धर कैंट ।

(अन्तरक)

2. बाबा हरभजन सिंह बेदी पुत्र बाबा नारिंदर सिंह बेदी मार्फत गियान चन्द, दरशन लाल एस० सी० एफ०-3, सैक्टर 20-सी चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 1134 सैक्टर 33-सी चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2498, मार्च 1980 में दर्ज) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980

मोहर :



प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सीएचडी/480/79—80—अतः मुखे,  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 3070, है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किताब या किसी धन या अन्य आस्थियों को अर्द्ध भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जीत सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह, 1049, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली द्वारा उसकी स्पेशल अटारनी श्रीमति रन्जीत कौर पत्नी डा० जगजीत सिंह 12, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति विमला वर्मा पत्नी श्री एम० आर० शर्मा निवासी 3070, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 3070, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद तथा 1क रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के फ़ाइल संख्या नं० 2463, मार्च 1980 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- लुधियाना

लुधियाना 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/-50/501/79-80—अतः

मुखे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1001, है तथा जो सैक्टर 36सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 मार्च 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहुल्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. लैफ्टीनेंट कर्नल जी० एस० काहलों पुत्र श्री हरभजन सिंह कहलों द्वारा उसकी जनरल पावर आफ अटारनी श्री जसपाल पुत्र श्री सन्त सिंह, निवासी मकान नं० 211, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमति दबिन्दर कौर पत्नि श्री जसपाल सिंह निवासी मकान नं० 211, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1001, सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़।

(जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय विनोद संख्या नं० 2593, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 नवम्बर 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी एच डी०/482/79-80—अतः मुझे  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या रिहायशी प्लॉट नं० 3047 है तथा जो  
सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 3 मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन डर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसे बढ़ाने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर नारिन्द्र कुमार कापुर पुत्र श्री यश दत्त कापुर  
द्वारा उनकी अटारनी श्रीमति गुरचरन कौर पत्नी  
श्री नछतरसिंह, 3408 सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़  
(अन्तरक)

2. श्रीमति काहन कौर पत्नी श्री किरपाल सिंह मकान नं०  
545, सैक्टर 36-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 3047, सेक्टर 35-डी, चण्डी-  
गढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2467, मार्च 1980 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सीएचडी/470/79-80—यतः, मुझे

सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 17 कनाल 7 मरले है तथा जो मनी माजरा, यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफलसे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अजीत सिंह पुत्र श्री बखतावर सिंह, श्री अजैब पुत्र श्री अजमेर सिंह, श्रीमति सन्ती विधवा श्री अजमेर सिंह निवासी मनी माजरा, यू० टी० चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

2. श्री गुरमेज सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह निवासी गांव शाबाज पूरा, अमृतसर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 17 कनाल 7 मरले, मनी माजरा, यू० टी० चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2403, मार्च 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सीएचडी/466/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा प्लॉट नं० 28 है तथा जो सेक्टर 18-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—376GI/80

1. श्री रामेश कुमार व श्री राजकुमार पुत्र श्री बनारसी दास द्वारा पिता श्री बनारसी दास एस०सी०ओ० नं० 44, सेक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला व श्रीमती राम पियारी निवासी एच-29, जंग पुरा एक्सटेंशन, न्यू दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा प्लॉट नं० 28 सेक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2377, मार्च 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)\*

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सीएचडी/464/79—80—अतः मुझे सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या हिस्सा प्लॉट नं० 28 है तथा जो सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में; और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री रामेश कुमार व राज कुमार पुत्र श्री बनारसी दास द्वारा पिता एससीओ नं० 44, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री रणबीर सिंह व डा० दीप सिंह एच-29, जंग-पुरा एक्सटेंशन न्यू दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा प्लॉट नं० 28 सैक्टर 18-ए चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2375, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० सीएचडी०/465/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा प्लॉट नं० 28 है तथा जो सेक्टर 18-ए, चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धान की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रमेश कुमार व राज कुमार पुत्र श्री बनारसी दास द्वारा पिता श्री बनारसी दास —एस० सी० ओ०—44 सेक्टर 18 डी, चंडीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री रघवीर सिंह, डा० दीप सिंह निवासी एच-29-जंगपुरा एक्सटेंशन, न्यू दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करावा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा प्लॉट नं० 28, सेक्टर 18-डी, चंडीगढ़

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० नं० 2376, मार्च 1980 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्रकृष धार्ई० डी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/620/79-80—अतः

मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-एक्सएक्स-1145 (कोठी नं० 1268) है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

में पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धनस्तर्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बी०/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री नागिन्दर सिंह द्वारा श्रीमती बलवन्त कौर पत्नी श्री नागिन्दर सिंह निवासी 36 के सराभा नगर, लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. कैप्टन हरभजन सिंह, रनजीत सिंह, अमरजीत सिंह पुत्र श्री चमन सिंह निवासी गांव दाखा जिला लुधियाना।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-एक्स एक्स-1145 (कोठी नं० 126 ए) सराभा नगर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5582, मार्च, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/477/79-80—यतः मुझे,  
सुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 3542 है तथा जो सैक्टर 35-  
डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, मार्च 1980  
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रनजीत सिंह पुत्र श्री बरियाम सिंह निवासी  
गांव व डाकखाना बनुर तहसील राजपुरा जिला पटियाला।  
(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल सिंगल पुत्र श्री सरवन कुमार  
कोठी नं० 244 सैक्टर 22 ए, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3542 सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 2447, मार्च 1980 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/628/79-80—अतः

मुख्य, सुखदेव चन्द,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी० -357 है  
तथा जो डा० हीरा सिंह रोड़, सिविल लाइन, लुधियाना  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
मार्च 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उमकें दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जसजीत सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह द्वारा श्री  
बलबीर सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी डा० हीरा  
सिंह रोड़, सिविल लाइन लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्री बलवन्त सिंह पुत्र श्री चन्दा सिंह निवासी गेर  
गंज, अगवार गुजरां जगराओ, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी० XIX-357 डा० हीरा सिंह  
रोड़ सिविल लाइन लुधियाना।

(जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 5370, मार्च 1980 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० के० एन० एन०/116/79-80—अतः मुझे,  
मुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल कनाल 10 है तथा जो  
खन्ना खुरद जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से तयित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बजन सिंह पुत्र श्री रत्ना सिंह निवास खन्ना  
खुरद जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री कर्म सिंह, बलबीर सिंह, कुलदीप सिंह  
पुत्र श्री मलसिंह, श्री विजे सिंह, नारिन्दर सिंह, रविन्दर सिंह,  
पुत्र श्री खेम सिंह निवासी खन्ना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 10 कनाल, गांव खन्ना खुरद, जिला,  
लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खन्ना  
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2140, मार्च 1980  
में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रारूप आई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/493/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1623 है तथा जो सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1980 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ईवर मोहन धामी, 312-ल, माडल टाउन, यमना नगर, जिला अम्बाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमर कौर रतन 52, दीवाने रोड, स्टार्ट फोर्ड, लंदन ई-15।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1623 सेक्टर 36 डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2526 मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/475/79-80--अतः मुझे,  
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 344.5 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री जे० एस० साहनी पुत्र श्री तारा सिंह एफ.-47  
रोड़ नं० 2, अन्देरबाज गेज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरिन्द्र सिंह पुत्र श्री मावन सिंह 1526, सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3038, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2443, मार्च, 1980 में दर्ज है)

मुख्यदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्रकृष घाई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी० एच० /627/79-80—अतः  
मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 347 वर्ग गज है तथा जो  
डा० हीरा सिंह रोड, सिविल लाईन, लुधियाना, में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3-1980

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
पतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई हितों आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जसजीत सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह द्वारा  
वरगेडियर बलवीर सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी  
हीरा सिंह रोड, सिविल लाईन, लुधियाना, ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चमेली देवी पत्नी श्री मेला राम पुत्र श्री  
मोरी राम निवासी मकान नं० बी०-VII -727, लक्कड़  
बाजार, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तम्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में 'किए जा सकेंगे' ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 347 वर्ग गज, हीरा सिंह रोड, सिविल  
लाईन, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 5369 मार्च, 1980 में  
दर्ज है)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सठ० सी० एच० डी०/469/79-80--अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० रजिस्ट्रार प्लॉट नं० 436 है तथा सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तर के लिए न पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलीप सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह 26-ई-बी-ब्लाक-बी, पोस्ट, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान प्रकाश चोपड़ा पुत्र श्री माही दास चोपड़ा निवासी मकान नं० 1315, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 436, सेक्टर, 35-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2394, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/484/79-80—अतः मुझे,  
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० 175-176 है तथा जो  
सेक्टर 8-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1980  
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाश कौर मैनी पत्नी श्री एच० एस०  
मैनी व श्रीमती देविन्द्र कौर मैनी पत्नी श्री बी० एस० मैनी  
मारफत मैसर्स मैनी ब्रदर्स फारेस्ट लीज, कालेज रोड, पठान  
कोट।

(अन्तरक)

2. मैसर्स चीनार इण्डस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट व फाइनेन्स  
लिमिटेड 2 फ्लोर फ्लैट नं० 4 व 5 कर्मशियल काम्पलेक्स  
(पीछे सावित्री सिनेमा) ग्रेटर कैलाश-II, चौराहा दिल्ली  
रोड, नई दिल्ली द्वारा श्री त्रिगेडियर के० एस० आईयर,  
एड० मन०, मैनेजर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० 175-176, सेक्टर 8-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 2474, मार्च 1980 में  
दर्ज है)

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :



## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/471/79-80—अन्तः

मुख्य, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1570 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-1980

पूर्ववर्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्स्थिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्स्थिती (अन्तर्स्थितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

[(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेफ्टिनेन्ट कर्नल के० एस० ओबराय पुत्र श्री सुन्दर मिह निवासी 360 सर्विस आफिसर इन्क्लेव, मरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली-21।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा मैत्री पत्नी श्री जे० एन० मैत्री निवासी 59, सेक्टर 7-ए०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

जे० एन० श्रीवास्तव दी ट्रिब्यून चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1570, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या नं० 2411, मार्च 1, 80 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/497/79-80—अतः मुझे,  
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट 1730 है तथा जो सैक्टर  
34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 में  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती राम प्यारी द्वारा उसकी जनरल अटारनी  
श्रीमती गुरदेव कौर, निवासी मकान नं० 1669, सैक्टर  
7-सी, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री माहिन्द्र सिंह पुत्र श्री दगन सिंह निवासी  
1669, सैक्टर, 7-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1730, सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 2557, मार्च 1980 में  
दर्ज है)

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/491/79-80—अतः मुझे,  
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1802, है तथा जो सैक्टर  
33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की गणना उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दागिम्ब में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेफ्टि० कर्नल कृष्ण कुमार बोहरा पुत्र स्वर्गीय श्री  
कर्नार सिंह द्वारा उसकी अटारनी मेजर एच० एल० बोहरा  
पुत्र स्वर्गीय श्री कर्नार सिंह, निवासी गङ्गखल, कसौली  
(शिमला हिन्ज)

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द वाहरी पुत्र श्री विक्रम चन्द वाहरी  
द्वारा उसकी जनरल अटारनी श्री रामेश्वर दास भण्डारी  
पुत्र श्री बाबू लाल भण्डारी निवासी मकान नं० 3401,  
सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषाहस्ता-  
सारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 1802, सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विनेख सं० नं० 2523, मार्च, 1980 में  
दर्ज है)।

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० जे० जी० एन०/102/79-80--अतः मुझे

मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भाग मकान नं० एम० सी० जे०-1124  
है तथा जो जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगराओं में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री पुरन चन्द पुत्र श्री हीरा राम निवासी जगराओं  
मण्डी।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री रेशम लाल, प्यारे लाल, सोम नाथ, चरनजीत  
लाल, पृथ्वी चन्द, अमृत लाल, सारे पुत्र श्री ब्रिज लाल  
पुत्र श्री भाना .मल व श्री मुरिन्द्र कुमार पुत्र रेशम लाल  
पुत्र श्री ब्रिज लाल, निवासी जगराओं मण्डी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भाग मकान नं० एम० सी० जे०-1124, जगराओं  
जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगराओं  
के कार्यालय के विवेक संख्या नं० 5600, मार्च 1980 में  
दर्ज है)

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/478/79-80—अन: मुझे, मुख्तबेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 335 है तथा जो सैक्टर 35-ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

—376GI-80

1. श्रीमती इन्द्र कौर मल्होत्रा पत्नी मेजर के० एल० मल्होत्रा, निवासी मकान नं० 125/18-ए, चण्डीगढ़ द्वारा उसकी स्पेशल अटारनी श्री चरन सिंह वामी पुत्र जगत सिंह नकोदर हदीयाबाद, फगवाड़ा, कपूरथला।

(अन्तरक)

2. श्री तिलक राज तरेहन पुत्र श्री पिशोरी लाल तरेहन, निवासी मकान नं० 3621, सैक्टर 23-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना ह।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 335, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय, के विलेख सं० नं० 2460, मार्च 1980 में दर्ज है)

मुख्तबेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्रहलद आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० एल० डी० एस०/616/79-80—अतः  
मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० बी०-V-1108 है तथा जो  
पुराना बाजार, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपलब्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,  
अर्थात् :—

1. श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री अमर सिंह 827,  
मराहभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल जैन, प्रो० मैसर्स एस० आर० जैन  
हौजरी बक्स, पुराना बाजार, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-V-1108, पुराना, बाजार,  
लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना  
के कार्यालय के विनोद सं० नं० 5498, मार्च 1980 में  
दर्ज है)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/642/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसमें सं० (दुकान) मकान नं० बी- VII-86 (पुराना) बी-VIII I/110 (नया) है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधिन, तारीख 3 मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती नौराती देवी थापर, निवासी लैरोयां मुहल्ला, नवांशहर, जिला जालन्धर। (

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल पुत्र स्वर्गीय श्री नाथू राम व श्री अश्वर्ना कुमार पुत्र श्री कृष्ण लाल निवासी 784, पटेल नगर, मिबिल लाईन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० बी- VII-86 (पुराना) बी-VIII-I/110 नया, चौड़ा बाजार, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना, के कार्यालय के विलेख सं० नं० 5810, मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप आर्क्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० पी० टी० ए०/436/79-80—अतः मुझे,  
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 480 वर्ग गज (10 बीसवा)  
है तथा जो गांव बन्दूगर तहसील पटियाला में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में,  
रजिस्ट्रारकी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधिन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री माहिन्द्र सिंह, पुत्र श्री जागोर सिंह निवासी  
पुलिस लाईन, पटियाला।

(अन्तरक)

2. डा० श्रामती सन्तोष शर्मा पत्नी डा० शिव कुमार  
शर्मा निवासी आनन्द भवन, सरहिन्द गेट, पटियाला।

(अन्तरिती)

3. श्री गीति स्वर्ण शर्मा, आनन्द भवन, सरहिन्द  
गेट, लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

(भूमि क्षेत्रफल 10 बीसवा 480 वर्ग गज) गांव  
बन्दूगर, तहसील पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रारकी अधिकारी, पटियाला  
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 6275, मार्च, 1980 में  
दर्ज है)।

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:



प्ररूप आर्द्.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एम० एल०/147/79-80--अतः मुझे,  
मुख्यदेव चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक हैऔर जिसको सं० भूमि क्षेत्र 2 कनाल 11 मरले  
है तथा जो गांव मुगल माजरा, सब तहसील अमलोह, जिला  
पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--1. श्री मोहर सिंह पुत्र श्री पाखर सिंह, निवासी  
गांव राहां अब मुगल माजरा, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. मैमर्स नेशनल स्टील रोलिंग मिल्स, खन्ना खुर्द  
द्वारा श्री कर्म सिंह, पार्टनर।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।**अनुसूची**भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 11 मरले, गांव मुगल माजरा,  
सब तहसील अमलोह।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह  
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 2189, मार्च, 1980 में  
दर्ज है)

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एम० एल०/148/79-80—अतः मुझे,  
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसमें सं० भूमि 3 कनाल 17 मरले है तथा जो गांव  
मुगल माजरा सब तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित  
है, (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रार अधिकां के कार्यालय, अमलोह में,  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, निवासी माजरा  
राहों, तहसील, खन्ना, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मैमर्स नेशनल स्टील रोलिंग मिल्स, खन्ना खुर्द  
द्वारा श्री कर्म सिंह पुत्र श्री मल सिंह, पार्टनर निवासी  
खन्ना कलां, तहसील खन्ना, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 3 कनाल 17 मर गांव मुगल माजरा सब तहसील  
अमलोह।

(जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रार अधिकां अमलोह  
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 2190, मार्च 1980 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/490/79-80—अतः मुझे,

मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1259, है तथा जो सेक्टर 15-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-मृचों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3/1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्रीमती मनजान कौर पत्नी श्री राजवन्त सिंह निवासा 17-ए०, विन्दन रोड़, देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्री जतिन्द्र कुमार खन्ना पुत्र श्री आर० सी० खन्ना, मकान नं० 254, सेक्टर 22 ए०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री माजिद रोहानी मकान नं० 1259, सेक्टर 15-बी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 1359, सेक्टर 15-बी, चण्डीगढ़।

(जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विनैश सं० नं० 2512, मार्च 1980 में दर्ज है)

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सो० एच० डी०/481/79-80—अतः मुझे, मुख्तियार चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसको सं० रिहायशी प्लॉट सं० 191, है तथा जो सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेजर हरदीप सिंह चोमा पुत्र श्री इन्द्र सिंह चोमा द्वारा अद्वारनी आमता मुस्लिमजोन गोमन, गांव व डाकखाना रातिण्डा, जिला जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री डी० एम० गोमल पुत्र श्री एच० एस० गोसल मकान नं० 202, सेक्टर 9-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 191, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़।

(जायराद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विवेक सं० नं० 2464, मार्च 1980 में दर्ज है)।

मुख्तियार चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० पीटीए/429/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 32 कनाल (19360 वर्ग गज) है तथा जो त्रिपरी सैयदा पटियाला में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गत, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. कुमारी मनदीप कौर खेड़ा पुत्री श्री हरभजन सिंह खेड़ा निवासी 30, सैक्टर-2, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमति मूति देवी पत्नी श्री पुरन चन्द, निवासी गांव कामालपुर, तहसील समाना  
2. श्रीमति माया देवी पत्नी प्रकाश चन्द निवासी कामालपुर, तहसील समाना  
3. श्रीमति शीला देवी पत्नी नीलू राम नजदीक ए०सी० सेनेमा पटियाला

22—376G1/80

4. श्रीमति माविली देवी पत्नी मदन लाल निवासी जाखल रोड़, पातड़ा
5. श्री बनारस दास पुत्र पतराम निवासी बीरपुर तहसील समाना जिला, पटियाला।
6. श्री जगत मागर पुत्र राम स्वरूप निवासी नाभा गेट, संगरूर
7. श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री डी० आर० सचदेवा निवासी पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला।
8. शाम लाल पुत्र बलेयत राम, नजदीक शिव मन्दिर पासड़ा।
9. गुरनाम सिंह पुत्र शाम सिंह निवासी गांव बादलगाह जिला संगरूर।
10. रामेश कुमार पुत्र राम धारी निवासी जाखल रोड़, पातड़ा।
11. शाम लाल पुत्र धनपत राय निवासी बस्ती लखवाली, पातड़ा।
12. कश्मारी लाल पुत्र राम चन्द निवासी नया लाल बाग, पटियाला।
13. राम चन्द पुत्र डान दयाल, निवासी गांव नयन तहसील व जिला पटियाला।
14. जय नारायण पुत्र प्यारे लाल निवासी खालसा मोहल्ला पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 32 कनाल (19360 वर्ग गज), त्रिपुरा सैयदा पटियाला (ज्यायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 615, मार्च 1980, में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980  
मोहर :

प्रत्यक्ष जाह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/488/79-80:—अतः मुझे सुख-  
देव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं० 209 है तथा जो सैक्टर 35-ए,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
तिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेजर विजय ध्रुव वर्मा पुत्र श्री एन०एस० वर्मा  
निवासी 3 रोबिनसन गला, कलकत्ता अब चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र पाल सिंह बेदी पुत्र श्री जगत सिंह  
बेदी निवासी मकान नं० 418-यू टी० एस,  
सैक्टर 1, तलवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 209, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।  
जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय  
के विलेख संख्या नं० 2502, मार्च 1980 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980  
मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० एस एम एल० 53/79-80 :—अतः मुझे  
सुखदेव चन्द

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो फिगसेक इस्टेट स्टेशन  
वार्ड, शिमला-3 में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति बोनू बकशी पत्नी श्री विकास बकशी  
फिगसेक इस्टेट, स्टेशन वार्ड, शिमला-3।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वर्णजीत सिंह जसपाल परबी श्री प्रीतम सिंह  
सपाल निवासी डी० 50, सैक्टर, नई दिल्ली-110017

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट फिगसेक इस्टेट स्टेशन, वार्ड, शिमला-3 (ज्यादा  
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय के  
बिलेख संख्या नं० 124, मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/495/79-80:—अतः मुझे, मुखदेश  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० नं० 369-370, है तथा जो  
सेक्टर 35 बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16)  
के अधीन, मार्च 80

को एवांजित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुलदीप सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, श्रीमति सुरजीत  
कौर पुत्री श्री अवतार सिंह गिल, श्री प्रदीप सिंह पुत्र  
श्री गुलदीप सिंह, श्री कुलजीत सिंह पुत्र श्री गुलदीप  
सिंह द्वारा जनरल अटारनी श्रीमति सुरजीत कौर  
पुत्री अवतार सिंह गिल, निवासी भकान नं० 109,  
सेक्टर 28-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री गुरप्रीत सिंह भठल पुत्र श्री सुखमिन्दर सिंह भठल,  
श्रीमति महिन्द्र कौर भठल पत्नी श्री सुखमिन्दर  
सिंह भठल, श्री मुकमिन्दर सिंह भठल पुत्र श्री प्रभ  
दयाल सिंह भठल माटर नवपरीत सिंह भठल, मास्टर  
सुबील एस० भठल, छोटे पुत्र श्री सुखमिन्दर सिंह भठल  
व श्रीमति माहिन्द्र कौर भठल, माता व नेचुरल  
गाडियन निवासी भकान नं० 89, सेक्टर 11-ए,  
चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० नं० 369-370, सेक्टर 35बी, चण्डीगढ़।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय  
के विलेख संख्या नं० 2540, मार्च 1980 में दर्ज है)।

मुखदेश चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 1 नवम्बर, 1980.  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर 1980

निदेश सं० एमलेह/146/7 -80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा है तथा जो गोविन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलेह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1980

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) सर्व श्री अमरीक सिंह, विक्रमजीत सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह निवासी गोविन्दगढ़ द्वारा उनकी अटारनी श्री मेहर सिंह पुत्र नम्बरदार पाखर सिंह, गोविन्दगढ़। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स रिहाल स्टील इण्डस्ट्रीज द्वारा श्री गुरदेव सिंह, पार्टनर, बार्ड नं० 1, मण्डी गोविन्दगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलेह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2171, मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 1 नवम्बर, 1980 :  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० आर० ए० जे०/151/79-80—प्रतः मुझे

मुख्यदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसको सं० भाग प्लॉट नं० 40 है तथा जो टाऊनशिप  
राजपुरा में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूचि में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारों के कार्यालय  
राजपुरा में रजिस्ट्रारकरण अधिकरण 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति या अर्थतः—

1. श्री भगवान दास पुत्र श्री सावन राम निवासी  
1344, टाऊनशिप राजपुरा, तहसील राजपुरा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स इण्डस्ट्रियल केवलज (भारत) लिमिटेड  
राजपुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भाग प्लॉट नं० 40, इण्डस्ट्रियल, टाऊनशिप राजपुरा।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी राजपुरा  
के कार्यालय के विलेख सं० नं० 3556, मार्च 1980  
में दर्ज है)।

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एन० बी० ए०/181/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्हाबल मन्गल, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 4 कनाल 7½ मरले है तथा जो नाभा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि म्हापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उचित बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जादो नाथ पुत्र श्री आत्मा राम निवासी सारो-वालिया गल्ली नाभा।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री सूरज भान पुत्र रामजी दास, मदन गोपाल पुत्र श्री जगन नाथ कृष्ण गोपाल, महेश कुमार, राकेश कुमार सारे पुत्र श्री सूरज भान मार्फत मैसर्स गोपाल आयल मिलज वीरों गेट, नाभा।

(अन्तर्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधल:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्गुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 7½ मरले, नाभा।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख सं० नं० 2666 मार्च 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एन बा ए०/18 2/79-8 0—अतः सुद्धे,  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिनको सं० भूमि क्षेत्र 4 कनाल 8 मरले है तथा जो  
नाभा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारों के कार्यालय नाभा  
में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रेम नाथ पुत्र श्री जादो नाथ निवास सरो-  
वालिवा गल्ली नाभा अर्ब डा-55 पंचशाल इल्कले व नई  
दिल्ला।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री सूरज भान पुत्र श्री रामजी दास मदन गोपाल  
पुत्र श्री जगन नाथ, कृष्ण गोपाल महेश कुमार राकेश कुमार  
सारे पुत्र श्री सूरज भान मार्फत मैसर्स गोपाल आय  
मिल्स बीरां गेट नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 4 मरले, नाभा।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी नाभा के  
कार्यालय के विलेख सं० नं० 2667 मार्च 1980 में दर्ज  
है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 नवम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एन० बी० ए०/3/80-81—अतः मुझे मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 7 ½ मरले है तथा जो नाभा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकां के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन भाग 1980 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
23—376GI/80

1. श्री जशो कृष्ण पुत्र श्री आत्मा राम निवास: मारी-बालिया गल्ल: नाभा।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री चरण भान पुत्र श्री रामजी दास, मदन गोपाल पुत्र श्री जगन्नाथ, कृष्ण गोपाल, महेन कुमार, राकेश कुमार पुत्र श्री सूरज भान मार्गेन मैसमें गोपाल आचल मिल्स वौरा गेट नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोधकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त पद्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 7 ½ मरले, नाभा।

(जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रार अधिकां नाभा के कार्यालय के विलेख सं० नं० 165 अप्रैल 1980 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-11-80  
मोहर:

सूचना सं० एन० बी० एन० १५/४/८०-८१

1. श्री प्रेम नाथ पुत्र श्री जादो नाथ पुत्र श्री आत्मा राम निवासी डी/55, पंचशाल इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

2. नरेश्वर सुरज भाग पुत्र श्री रामजी दाम मदन गोपाल पुत्र श्री जयन नाथ, कृष्ण गोपाल, महेश कुमार, राकेश कुमार, पुत्र श्री सुरज भाग मार्फत मैमर्स गोपाल आयल मिल्स, बॉम्बे रोड, नाभा।

(अन्तरिती)

निदेश सं० एन० बी० एन० १५/४/८०-८१—अन्तः सूचि, मुखदेव चन्द.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 9 मरले है तथा जो नाभा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रार/कर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारिख 3/1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 9 मरले, नाभा।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख सं० नं० 166, अप्रैल, 1980 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-11-80  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० पटियाला/435ए/79-80:—अतः मुझे, मुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या नं० 9, 10, 15 व 16 है तथा जो  
नजदीक लोला भवन, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों  
के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, मार्च 1980

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री दुर्गा दाम निवास सुनतान  
पुर लोधा, जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री रविन्द्र सिंह पुत्र देविन्द्र सिंह व तीर्थ सिंह  
पुत्र श्री ईशर सिंह व श्रीमति सविन्द्र कौर पत्नी  
श्री रघुवीर सिंह व ऊषा शर्मा, मरहूमों गेट,  
पटियाला अब मारफत बूथ नं० 9, 10, 15 व 16  
लोला भवन ईस्टेट, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट बूथ नं० 9, 10, 15 और 16 नजदीक लोला भवन,  
पटियाला।

(जाबदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों पटियाला के कार्यालय  
के दिक्ख संख्या नं० 6267 मार्च, 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 नवम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० पीटीए/434/79-80:—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट बूथ नं० 11, 12, 13 व 14 है तथा जो नजदीक लीला भवन, पटियाला में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जोगिन्द्र पाल जैन पत्नी श्री नार्गोन चन्द निवासी मकान नं० 7719/5, देसी मेहमानदारी, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) दी फतेह कनस्ट्रक्शन कम्पनी, सेवक कालोनी, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट बूथ नं० 11, 12, 13 व 14, नजदीक लीला भवन, पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रार की अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6265, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख : 15 नवम्बर, 1980।

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० पटियाला/435/79-80:—अतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट बूथ नं० 7, 8, 17 व 18 है तथा जो जर्दीक लीलाभवन, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिनियम की कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, मार्च 1980

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिहाय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृत्रिम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति विद्या बती जैन पत्नी श्री सरदारी लाल जन निवास मुन्नाबानपुर लोधी, जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) दो फतेह कनस्ट्रक्शन कम्पनी, 107, मेवक कालोना, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट बूथ नं० 7, 8, 17 व 18, जर्दीक लीलाभवन, पटियाला।

(आयदाय जैमाल रजिस्ट्रार की अधिनियम पटियाला के कार्यालय के विनियम संख्या नं० 6266, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निदेश सं० सी०एच०डी/507/79-80:-अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन उक्त अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० खेतों बाड़ी भूमि 9 कनाल 5 मरले (दो शेड  
एक ट्यूबवेल व फल्ट बगीचा) है तथा जो गांव दरिया,  
यू० टी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, मार्च 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में;  
मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री अपर सिंह व श्रीमति  
फिलो मीना घुमन पत्नी श्री सी० एस० घुमन  
निवासी, 71, सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक

(2) श्री त्रिलोचन सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह निवासी 33  
सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, व  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि 9 कनाल 5 मरले जिसमें दो शेड,  
ट्यूबवेल व फलों का बगीचा, गांव दरिया, यू० टी०, चण्डीगढ़  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्य  
के विलेख संख्या नं० 2589 मार्च, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव :

सक्षम प्राधिक

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेंज, लुधि

तारीख : 15 नवम्बर, 1980  
मोहर :

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एसएमएस/54/79-80---प्रतः मुझे मुखदेव

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'जिसे इसमें के पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है', की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग, रोयल होटल इस्टेट क्षेत्रफल 22.8 वर्ग गज है तथा जो नजदीक कार्ट रोड, नजदीक एस स्टैंड शिमला, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1980

'पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है' और मुझे यह विश्वास है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 25 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:-

1. श्री ठाकुर प्रेम सिंह पुत्र ठाकुर ठाकुर दाम निवासी रोयल होटल, शिमला (हि० प्र०) ।

(अन्तरक)

2. 1. श्रीमति चन्द्रावती पत्नी श्री इन्द्रसिंह, वकील निवासी बैल माऊंट हाऊस, जाखु, शिमला-2 ।

(2) श्रीमति सरोज सुंद पत्नी श्री गहील दाम, वकील न्यू हाऊस जामा मस्जिद, शिमला ।

(अन्तरिती)

3. शिमला सेंट्रल गवर्नमेंट एम्पलाईज को० प्रो० प्रिन्स स्टोर लिमिटेड निवासी रोयल होटल इस्टेट, कार्ट रोड नजदीक बस स्टैंड, शिमला ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद क्षेत्रफल 22.8 वर्ग गज, रोयल होटल, कार्ट रोड, नजदीक बस स्टैंड, शिमला ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 196, मार्च 1980 में दर्ज है ।)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1980 ।

मोहर ।

अर्जन रेंज, लुधियाना

1. श्री गन्त पावन जैसा धृष्ट या कर्मा पावन जैसा निवास  
गृहगवान (लुधियाना) ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

2. श्री फतेह कॉन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 107, मेन्क कालोनी,  
पटियाला ।

(अन्तरिक)

(अन्तरिक)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० पीडीए/133/79-80 अतः मुझे मुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

सात ज़िम्मेदार सं० प्लॉट बूथ सं० 1, 2, 3, 22, 23 और 24 है तथा जो नजदीक लीला भवन, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त गन्तुगुनी में और पूर्ण रूप से दर्ज है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन तारीख मार्च 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अंकित नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट बूथ सं० 1, 2, 3, 22, 23 व 24, नजदीक लीला भवन पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या सं० 6264, मार्च 1980 में दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1980 ।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० सीएचडी/489/79—80—अतः सुखे सुख-

देव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रेस्टोरेट प्लॉट नं० 213, है तथा जो सेक्टर 24-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

24—376G1/80

1. श्री मनमोहन सिंह पुत्र कैप्टन दलीप सिंह निवासी गांव चौर मस्तीपुर, जिला अम्बाला

(अन्तरक)

2. श्रीमति कृष्णा रानी सिंगला पत्नी श्री सुरिन्द्रजीत सिंगला निवासी एस०सी० एफ० नं०, 7 सेक्टर 24सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रेस्टोरेट प्लॉट नं० 213, सेक्टर 24 डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2503, मार्च 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक : 15 नवम्बर 1980।

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच ब्लॉक विकास भवन

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/485/79-80 अतः मुझे,  
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1141, है तथा जो सेक्टर  
34-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख मार्च 80।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री शिव सिंह निवासी किशन नगर  
अमृतसर द्वारा ध्यान सिंह पुत्र श्री पुरन सिंह गांव  
दालम, पोस्ट आफिम भागोवाल, जिला गुरदास पुर  
(अन्तरक)
2. श्रीमति धनवन्त कौर कलसी पत्नी श्री मोहन सिंह  
कलसी, 1141, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

रिहायशी प्लॉट सं० 1141, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2475, मार्च 1980 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख 15 नवम्बर 1980।  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० एल डी एच/651/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 443 वर्ग गज है तथा जो चम्पा लाल गली, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 80।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति सुशीला देवी पत्नी श्री अमृत लाल चम्पा लाल गली, सामने पुलिस लाईन, सिविल लाईन, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमति सरला देवी पत्नी श्री दिलबाग राये व चन्दर बाल राये व अशोक कुमार दोनों पुत्र श्री दिलबाग राये, निवासी 1630, लालमल गल्ली, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 443 वर्ग गज, चम्पा लाल गल्ली, सिविल लाईन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5963, मार्च, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 नवम्बर, 1980।

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० पीटीए/430/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि क्षेत्रफल 19 कनाल 4 मरले (11615 वर्ग गज) है तथा जो त्रिपरी सैयदा, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 80।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. कुमारी मनदीप कौर खेड़ा पुत्री श्री हरभजन सिंह खेड़ा निवासी कोठी सं० 30, सेक्टर 2 चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. 1. श्री जगदीश चन्द पुत्र श्री मलेरीमल निवासी गांव चानी, तहसील भवानीगढ़ जिला संगरूर, 2. श्री सुच्चा सिंह पुत्र श्री त्रिलोक सिंह निवासी गांव सतराना, तहसील पातड़ा (3) श्रीमति मुनीता देवी पत्नी श्री त्रिलोक नाथ, निवासी नाभाटा, पटियाला (4) श्री सोम नाथ पुत्र श्री राम किशन निवासी बहेड़ा रोड पटियाला (5) श्री लाल चन्द पुत्र श्री लेंपती राम निवासी नजदीक पुराना बस स्टैंड, पातड़ा, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीवाड़ा भूमि 19 कनाल 4 मरले (11615 वर्ग गज), त्रिपरी सैयदा पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6116, मार्च 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 नवम्बर 1980।

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 28 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/28138 एवं 29139/80-81-  
एसिश्य/बी—अतः मुझे आर० तोथात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एम० बै० सं० 14/1, 14/2, और 12/1,  
(काफी जमीन) है, तथा जो अरेकाड गांव, मडीकेरी तालूक,  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडीकेरी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 13 मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये  
में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री बै० आर० गेट्टी, (2) सी० के० मोइदीन  
कुट्टी हाजी, दोनों अरेका गांव और पोस्ट कोडगु के रह-  
वासी हैं ।

(अन्तरक)

2. (1) बी० बी० पोन्नपा (2) बी० पी० भीमय्या दोनों  
अभ्यातमगला गांव, कुशाननगर होबली, सोमवारमेट  
तालूक कोडगु के रहवासी हैं ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1139/79-80 ता० 13-3-80)  
काफी जमीन के संपत्ति जिसके सर्वे सं० 12/1, 14/1 और  
14/2 के 10.50 एकरें, 1.36 एकरें, और 12.11 एकरें हैं,  
तथा जो अरेका गांव, मडीकेरी तालूक, कोडगु जिला में स्थित है ।

आर० तोथात्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख 28-11-1980

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 28 नवम्बर 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/28145 एवं 28146/80-81/ए०सी०क्यू०/बी०—अतः मुझे, आर० तोषात्री आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० 10, 6/1, 6/4 (उपजाऊ जमीनें) है, तथा जो हकथूर गांव, मडीकेरी तालूक में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडीकेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (108 का 16) के अधीन 7 मार्च 1980।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अर्बान फर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति (1) जी० के० नीलम्बा (2) श्री जी० के० माचड्या (3) श्री जी० के० पालंगप्पा, (4) श्रीमति जी० के० देवकी (5) श्रीमति जी० दमयन्ती, सब हकथूर गांव, मडीकेरी तालूक के रहवासी हैं।

(अन्तरक)

2. श्री (1) वी० ए० मोहम्मद अली, (2) वी० ए० अबू मोहम्मद, दोनों श्री अदम साहेब के बेटे, गणपती स्ट्रीट, मडीकेरी के रहवासी हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1097/79-80 ता० 7-3-80)

उपजाऊ जमीन के संपत्ति जिसका सं० है :

सर्वे सं० : 10 के 7.44 एकरें तरी जमीन

सर्वे सं० : 6/1, के 14.15 एकरें, खुवकी जमीन

सर्वे सं० : 6/4, के 3.15 एकरें खुप्की जमीन

और इस जमीन के ऊपर का स्ट्रक्चर्स है, तथा जो हकथूर गांव, मडीकेरी तालूक में स्थित है।

आर० तोषात्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 28-11-1980।

मोहर :

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 28 नवम्बर 1980

निर्देश सं० सी० आर०-62/28155/80-81/ए सि क्यू०/

बी—अतः मुझे, आर० तोथात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० उपजाऊ जमीन है तथा जो भागमंडला गांव, मडी-केरी तालूक में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मडीकेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 25-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० कुन्हीकोमान, श्री कोमन गुरुक्कुम के पुत्र "वैकुन्ठम" भागमंडला कूर्ग जिला के रहवासी है।

(अन्तरक)

2. श्री पी० आर० पन्मुगम, शांतगोरी एस्टेट, सुन्दीकोप्पा-571237, (उत्तर कूर्ग) के रहवासी है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1207/79-80 ता० 25-3-1980)

उपजाऊ जमीन सम्पत्ति है 7.55 एकड़ें तरी जमीन, 12.34 एकड़ें हितलु और 28.47 एकड़ें खुल्की जमीन तथा जो भागमंडला गांव, मडीकेरी तालूक में स्थित है।

आर० तोथात्री  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख 28-11-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलोर

बंगलोर दिनांक 26 नवम्बर 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/26632/80-81/एसीक्यू०/

बी०—अतः मुझे आर० तोथात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जगह सं० 460/20, है तथा जो VIII 'ब' मैन्, चांखा ब्लॉक, जयनगर बेंगलूर-11 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (18 का 16) के अधीन ता० 2 अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमति एम० के० स्वामीनीअम्माल, श्री एम० ए० रंगस्वामी के पत्नी, सं० 24, V मैन् रोड, मल्लेश्वरम, बेंगलूर-3 के रहवासी है।

(अन्तरक)

2. श्री एम० रामकृष्णा, श्री मुनिस्वामी के पुत्र, सं० 122, फ्रांस सानवां ब्लॉक, जयनगर, बेंगलूर-11 के रहवासी है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 41/80-81 ता० 2-4-1980)।

पूर्व का आधार मध्य भाग खुला जगह जिसका सं० 460/20, तथा जो VIII "यप", मैन् रोड, चारवां ब्लॉक, जयनगर, बेंगलूर-11, कार्पोरेशन डिवीजन सं० 35, में स्थित है, रेजिग, 223.15 स्केयर मीटरें।

चक्रवन्दी है,

उ—में तीसवां फ्रांस।

द—में प्रायिवेट संपत्ति।

पू—में प्रायिवेट संपत्ति।

प—में इसी संपत्ति का भाग।

आर० तोथात्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख 26 नवम्बर 1980।

मोहरः

प्रमाण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर दिनांक 26 नवम्बर 1980

आदेश सं० राज०/सह आ० अर्जन/823;-यतः, मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम नं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-3-1980।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—376 GI/80

1. श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री गोपालवस खण्डेलवाल, निवासी ई-8, बनीपार्क, जयपुर

(अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल पुत्र डूंगर मल जी अग्रवाल निवासी गोहाटी, आसाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरदार पटेल मार्ग, चौमूहाउस, गुलाबप्रथ पर गोदाम पूर्वमुखी दक्षिण की ओर का जिसका नं० गोदाम नं० 1 है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 304 दिनांक 3-3-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 26-11-1980।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 26 नवम्बर 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/825—अतः मुझे  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० गोदाम नं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
3 मार्च, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
छद्मेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विमला देवी धर्मपति श्री महेश कुमार खण्डेल-  
वाल निवासी प्लॉट नं० ई-8, बनीपार्क, जयपुर  
(अन्तरक)
2. श्री रामनारायण अग्रवाल पुत्र श्री शिवबल्लभ अग्रवाल  
निवासी प्लॉट नं० सी-90, मोती मार्ग, बापूनगर, जयपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरदार पटेल मार्ग, चौमूहाउस, गुलाबपथ पर पूर्व मूखि दक्षिण  
की ओर गोदाम नं० 1 के ऊपर बना हुआ प्लेट जिसको उप पंजियक,  
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 303 दिनांक 3-3-80 पर पंजिबद्ध विक्रय  
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित किया गया है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जयपुर)

तारीख 26-11-1980।  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 नवम्बर 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/821—अतः मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 34 है तथा जो जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-  
स्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी  
करने या उससे बचने में बुद्धि का प्रयोग और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बुद्धि का  
प्रयोग के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-  
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन भाई वगैरह प्लॉट नं० सी-25 जयसिंह हाईवे,  
बनीपार्क, जयपुर

(अन्तरक)

2. श्री ज्योति प्रसाद बंसल निवासी, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 34, हथरोई फोर्ट स्कीम, जयपुर जो उप पंजीयक,  
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 571 दिनांक 21-3-1980 पर पंजीबद्ध  
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-11-1980

मोहर :

प्रारूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर दिनांक 26 नवम्बर 1980

आदेश संख्या २०/सह आ० अर्जन/826--अस: मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रार कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-3-80 को प्रस्तावित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री राम प्रकाश अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय श्री श्यामसुन्दर लाल जी अग्रवाल निवासी जयपुर चौकड़ी हवासी शहर एम० आई० रोड, शर्मा बिल्डिंग  
(अन्तरक)

2. श्री बेनी चन्द्र जोशी पुत्र श्री कृष्णचन्द्र उर्फ लावूराम जी निवासी नाहरगढ़ रोड, भकान नं० 2383, जयपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जयपुर चौ० गंगापोल चौधवाड़ी बाग में एक किता जमीन, पश्चिमी मुखी जिसमें एक कमरा है तथा उप पंजिक, जयपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र संख्या 325 दिनांक 4-3-80 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 27-11-1980  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 नवम्बर 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/819—अतः मुझे,  
एम० एल० चौहान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर मंगल जिज्ञा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० डी-6 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-3-1980।  
को प्रकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हेम प्रसाद पुत्र श्री अम्बा प्रसाद कायस्थ निवासी  
देहली वर्तमान निवासी मोती मार्ग, जयपुर  
(अन्तरक)

2. श्री सी० बी० मिश्रा पुत्र श्री एच० एल० मिश्रा एवं डा०  
विनोद मिश्रा तथा डा० अशोक मिश्रा पुत्रान श्री सी०  
बी० मिश्रा निवासी बापूनगर, जयपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० डी-6 गांधी नगर, स्कीम, बापूनगर, जयपुर का  
आधा अविभाजित भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा पंजिबद्ध  
विक्रय पत्र संख्या 484 दिनांक 19-3-80 पर और विस्तृत रूप से  
विवरित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-11-80  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 26 नवम्बर 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/820—अतः मुझे,  
एम० एल० चौहान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० डी-6 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 4-4-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्, :—

1. श्री हेम प्रसाद पुत्र श्री अम्बा प्रसाद निवासी देहली वर्तमान  
निवास मोती मार्ग, बापूनगर, जयपुर  
(अन्तरक)

2. श्री सी० बी० मिश्रा निवासी एच० एल० मिश्रा, डा०  
विनोद मिश्रा एवं० अशोक मिश्रा पुत्रान श्री सी० बी०  
मिश्रा डी-6 बापूनगर जयपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० डी-6, बापूनगर, जयपुर का आघा अविभाजित  
भाग को उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 843 दिनांक  
11-4-80 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित  
है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक अएर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-11-80  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर०-II/3-  
80/3286—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-12 है तथा जो फतेह नगर, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अन्य अस्तित्वों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
जें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरमिन्द्र कौर पत्नी श्री रणजीत सिंह सी०  
12, फतेह नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार मेहता बेटा राधाकृष्ण मेहता  
11/2 ए०, प्रेम नगर, नियर तिलक नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी०/12, फतेह नगर नई दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,  
सशम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17-11-1980

मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th November 1980

No. A.12019/3/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Km. K. Bandyopadhyay, Research Assistant (Bengali) and Shri M. L. Varadpande, Research Assistant (Marathi) to officiate as Junior Research Officer (Languages) in the office of the Union Public Service Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-, on an *ad-hoc* basis for a period of three months with effect from 5th November 1980, or until further orders, whichever is earlier.

2. The abovementioned persons should note that their appointment to the posts of Junior Research Officer (Languages) is purely on *ad hoc* basis and will not confer upon them any title for absorption or seniority in the grade of Junior Research Officer (Languages).

The 12th November 1980

No. A.32014/3/80-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 23-5-1980, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to officiate as Superintendent (DP) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on an *ad-hoc* basis for a further period as shown against each, or until further orders, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period of appointment as Superintendent (DP)
1. Sh. B. R. Gupta	}	12-11-80 to 28-2-81
2. Sh. S. C. M. strna		
3. Sh. M.M. Sharma		
4. Sh. Jagdish Lal		
5. Smt. D.J. Lalwani		
6. Smt. Raj Sethi		
7. Miss Sudarshan Handa		
8. Sh. R.R. Bhardwaj		15-11-80 to 28-2-81

2. The above-mentioned officers should note that their *ad-hoc* appointment to the post of Superintendent (DP) will not automatically entitle them to regular absorption or for seniority in the grade.

P. S. RANA  
Section Officer  
for Secretary  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 29th November 1980

No. A.38014/4/80-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri T. S. Bhatia, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th November 1980 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests (A), dated 24th November 1973.

Y. R. GANDHI  
Administrative Officer,  
for Dy. Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th November 1980

No. A-19036/17/80.Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri S. Ramaswamy, deputationist Inspector to officiate as Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation with effect from 15th September 1980 (FN) until further orders.

No. A.19036/19/80/AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri P. Janardhan Reddy,

deputationist Inspector to officiate as Deputy Superintendent of Police with effect from 17th November 1980 (AN) until further orders.

The 28th November 1980

No. A-19021/10/80-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri B. N. P. Albuquerque IPS (KNT-1969) as Superintendent of Police, on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Bangalore Branch with effect from the forenoon of 15th November 1980.

The 1st December 1980

No. K-59/65-AD.V.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri K. A. Rajagopalan, Superintendent of Police Central Bureau of Investigation, on deputation to Indian Oil Corporation Limited retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October 1980.

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 20th November 1980

No. O.II-1052/77-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. Shatanjay Gupta, GDO Grade-I (Asst. Comdt.) as Senior Medical Officer (Comdt.) in the CRPF w.e.f. 3rd November 1980 (FN) until further orders.

A. K. SURI  
Assistant Director (Adm.)  
for Dy. Director (Estt.)

New Delhi-110022, the 21st November 1980

No. O.II-1195/74-Estt.—The President is pleased to relieve Shri Dinesh Ghan Shyam Ramtekkar, Dy. SP of 50 Bn CRPF, w.e.f. the afternoon of 3rd November 1980 on expiry of one month's notice under rule 5(i) of the CCS (TS) Rules, 1965.

A. K. SURI  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 26th November 1980

No. E-16015(6)/3/80-Pers.—On transfer on deputation to NTPC, New Delhi Shri Y. N. Khanna relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, IDPL, Rishikesh w.e.f. the afternoon of 5th October 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Haldia Shri N. C. Sengupta assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, HFC Durgapur w.e.f. the forenoon of 6th October 1980.

The 29th November 1980

No. E-16013(1)/1/79-PERS.—On his services being replaced with the State Govt. Shri A. H. P. Singh, IPS (Bihar-61) relinquished the charge of the post of DIG, CISF, HEC Ranchi w.e.f. the afternoon of the 10th November 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Director General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 26th November 1980

No. 11/75/79 Ad.J.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Gandhe, an Officer belonging to Grade II of the Indian Economic Service and presently working as Director, Planning and Statistics, under the Government of Goa, Daman & Diu, and *ex-officio* Director of Census Operations for the Union Territories of Goa, Daman & Diu and Dadra and Nagar Haveli, as Director of Census Operations for the Union Territories of Goa, Daman & Diu and Dadra and Nagar Haveli on full time basis, on *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 10th November 1980, or until further orders, whichever is earlier.

The Headquarters of Shri Gandhe will be at Panaji.

No. 11/11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Mukhopadhyay, an officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, by transfer on deputation, on *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 11th November 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Mukhopadhyay will be at Calcutta.

No. 11/74/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on re-employment, Shri P. Gopala Krishnan Nair, an officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, for a period of one year with effect from the forenoon of the 1st November 1980 to the 31st October, 1981.

2. The headquarters of Shri Nair will be at Muvattupuzha.

3. The services of Shri Nair may be terminated at any time before 31st October 1981 at the discretion of the appointing authority, without assigning any reason therefor.

No. 11/74/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on re-employment, Shri P. Bhaskaran Nair, an officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, for a period of one year with effect from the forenoon of the 1st December 1980 to the 30th November 1981.

2. The headquarters of Shri Nair will be at Kottayam.

3. The services of Shri Nair, may be terminated at any time before 30th November 1981 at the discretion of the appointing authority, without assigning any reasons therefor.

The 27th November 1980

No. 11/31/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri J. V. S. Subba Rao, an officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, by transfer on deputation, on *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 2nd November 1980, or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Rao will be at Kurnool.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE  
DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS  
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 26th November 1980

F. No. BNP/C/5/80.—The undersigned is pleased to appoint Shri M. Ponnuthurai, permanent Junior Supervisor (Electroforming and Water wiping) to officiate on regular basis as Technical Officer (Printing and Platemaking) in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 26th July 1980 until further orders.

F. No. BNP/C/5/80.—The undersigned is pleased to appoint Shri Mehdul Dutta, permanent Junior Supervisor (Engraving) to officiate on regular basis as Technical Officer (Designing and Engraving) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 26th July 1980 until further orders.

F. No. BNP/C/5/80.—The undersigned is pleased to appoint Shri D. R. Kondawar, permanent Junior Supervisor (Offset Printing) to officiate on regular basis as Technical Officer (Printing and Platemaking) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press Dewas (M.P.) with effect from 26th July 1980 until further orders.

26-376GT/80

F. No. BNP/C/5/80.—The undersigned is pleased to appoint Shri Rampal Singh, permanent Junior Supervisor (Offset Printing) to officiate on regular basis as Technical Officer (Printing and Platemaking) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 26th July 1980 until further orders.

M. V. CHAR,  
Deputy General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR  
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 28th November 1980

No. 2809/CA.I/10-80KW.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri D. G. Deshkar, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provision of Rule 48A of C.C.S. Pension) Rules 1972 with effect from 1st November 1980 (FN).

R. K. MEHRA  
Assistant Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 2nd December 1980

No. Admn.I/O.O. No. 385.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri H. R. Kapur, a permanent Section Officer and Officiating Audit Officer of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th November 1980.

Sd/- ILLEGIBLE  
Jt. Director of Audit (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES  
ORDNANCE FACTORY BOARD  
Calcutta-700016, the 25th November 1980

No. 72/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri M. P. Vaidya Offg. Addl. DGOF/Member [subst. & Permt DDGOF Level-I/GM(SG) Level-I] retired from service w.e.f. 31st October 1980 (A.N.).

No. 73/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. R. Guha Roy Offg. Sr. DADGOF/Subst. & Permt DADGOF retired from service w.e.f. 31st October 1980 (A.N.).

No. 74/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri J. A. Desai, Offg. Deputy Manager/Subst. & Permt Assistant Manager retired from service with effect from 30th September 1979 (A.N.).

V. K. MEHTA  
Assistant Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 14th November 1980

No. 5/80/A/M.—The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories with

with effect from the dates indicated against each until further orders :—

Sl. No.	Name & Post	Posted at	Date
1	2	3	4
1.	Dr. (Ku) P. Rakini Asstt. Medical Officer.	Cordite Factory, Aruvankadu.	11-7-80
2.	Dr. Ram Kumar B. Rai- das, Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Chanda.	15-7-80
3.	Dr. Subhas Chandra S. Ingle, Asstt. Medical Officer.	Ammunition Factory Kirkee.	15-7-80
4.	Dr. Vijay Bahadur Singh Asstt. Medical Officer.	Clothing Factory, Shahjahanpur.	17-7-80
5.	Dr. A.K. Satpathy, Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Bhandara.	21-7-80
6.	Dr. Raj Kumar Pal Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Khamaria.	27-7-80
7.	Dr. (Ku) Krishna Sanyal Asstt. Medical Officer	Gun & Shell Fy. Cossipore	28-7-80
8.	Dr. A.G. Kulkarni Asstt. Medical Officer.	Gun Carriage Fy. Jabalpur	29-7-80
9.	Dr. Musafir Thakur Asstt. Medical Officer.	Gun Carriage Fy. Jabalpur	30-7-80
10.	Dr. E. Subbarayan Asstt. Medical Officer	Heavy Vehicle Fy. Avadi	1-8-80
11.	Dr. Joydev Chandra Boro Asstt. Medical Officer	Ordnance Equipment Factory, Kanpur.	1-8-80
12.	Dr. Chiranjil Lal Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Dehra Dun.	2-8-80
13.	Dr. K. Ramamurthy Asstt. Medical Officer.	Gun Carriage Fy. Jabalpur.	3-8-80
14.	Dr. Dipti R. Mahapatra Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Ambajhari.	4-8-80
15.	Dr. Surinder P. Jindal Asstt. Medical Officer.	Clothing Factory, Shahjahanpur	6-8-80
16.	Dr. Murtyunjay Das Asstt. Medical Officer.	Ordnance Equipment Factory, Kanpur.	6-8-80
17.	Dr. Bhupinder Singh Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Kanpur.	6-8-80
18.	Dr. R. Samdasi Asstt. Medical Officer	Ordnance Factory, Ambarnath.	7-8-80
19.	Dr. S.S. Venkataswara Rao Asstt. Medical Officer.	Cordite Factory, Aruvankadu.	7-8-80
20.	Dr. J.K. Bhaduri Asstt. Medical Officer.	Gun & Shell Factory, Cossipore	12-8-80
21.	Dr. E. Rajeswar Rao, Asstt. Medical Officer	Ordnance Factory, Varangson	14-8-80
22.	Dr. (Smt.) K. S. tyavathi Asstt. Medical Officer.	Gun Carriage Fy., Jabalpur	17-8-80
23.	Dr. G. Narasimhan Asstt. Medical Officer	Heavy Vehicle Fy., Avadi.	21-8-80
24.	Dr. P.C. S. Rao Asstt. Medical Officer.	Vehicle Factory, Jabalpur.	22-8-80
25.	Dr. K.L.S. Prasad Asstt. Medical Officer	Ordnance Factory, Khamaria.	23-8-80
26.	Dr. S.D. Pawar Asstt. Medical Officer	Ordnance Factory, Ambarnath.	25-8-80
27.	Dr. Sheo Bachan Singh, Asstt. Medical Officer	Gun & Shell Fy., Cossipore.	6-9-80
28.	Dr. J.R. Malloli Asstt. Medical Officer	Cordite Factory, Aruvankadu	8-9-80
29.	Dr. Monojit Sarkar Asstt. Medical Officer	Metal & Steel Fy., Ishapore.	8-9-80

1	2	3	4
30.	Dr. Veerendra Singh Asstt. Medical Officer	Clothing Factory, Shahjahanpur.	12-9-80
31.	Dr. (Ku.) Madhabi Sarkar Asstt. Medical Officer.	Ordnance Equipment, Kanpur.	15-9-80
32.	Dr. Ramendra Sarkar Asstt. Medical Officer.	Gun & Shell Factory, Cossipore.	16-9-80
33.	Dr. (Smt.) Geetha Bai Asstt. Medical Officer.	Vehicle Factory, Jabalpur.	21-9-80
34.	Dr. A.G. Dhabekar, Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Ambajhari.	10-10-80

O. P. BAHL  
Member/Personnel

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS  
New Delhi, the 26th November 1980  
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1340/80-Admn(G)/6476.—The President is pleased to appoint Shri C. R. Sunderamurti (ICAS) formerly Deputy Controller of Accounts, Ministry of Finance, New Delhi as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 29th October 1980 (AN).

MANI NARAYANSWAMI  
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 25th November 1980

No. 1/2/80-Admn(G)/6440.—The President is pleased to appoint Shri B. Mallik, a permanent Officer of the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that service and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for a period of 3 months with effect from 24th August 1980.

2. The above appointment of Shri Mallik in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports is subject to the decision on the Writ Petition pending in Supreme Court and Delhi High Court in this connection including the Civil Writ Petition No. 511 of 1980 in the Delhi High Court—Mr. Thomas and 2 others versus Union of India.

J. P. SHARMA  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 10th December 1980

N(18)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Chander Parkash Narula, Technical Officer (Photolitho) to officiate as Deputy Manager (Photolitho) in the Government of India Photolitho Press, Faridabad, with effect from forenoon of 10th November, 1980, until further orders.

S. S. P. RAU,  
Jt. Director (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY  
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 28th November 1980

No. A.19018/17/73-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri G. K. Wadhvani, Assistant Director (Gr. I)

(Mech.), Small Industries Service Institute, Gauhati as Deputy Director (Mech.) at Small Industries Service Institute, Kanpur on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 30th October 1980, until further orders.

No. A-19018/35/73-Admn(G).—The President was pleased to remove Shri R. N. Anand, Assistant Director (Gr. I) (Electrical) in Small Industries Service Institute, Bombay from Government service with effect from the forenoon of 16th November 1979.

No. A.19018(509)/80-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri R. C. Ray, Project Evaluation Officer, Programme Evaluation Organisation, Planning Commission, Bhubaneswar as Deputy Director (E.I.) at Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 29th September 1980 until further orders.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 29th October 1980

No. A-1/42(42).—The President is pleased to appoint Shri T. K. Banerjee, officiating Director (Grade I of Indian Supply Service Group A) of this Dte. General substantively in the permanent post of Director (Grade I of Indian Supply Service Group A) with effect from 1st May 1978 vice Shri G. S. Kulashrestha permanent Director (Retired) from Government Service on 30th April 1978.

K. KISHORE  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies and Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 20th November 1980

No. A-17011/184/80A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri J. K. Pal, Examiner of Stores (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on *ad-hoc* basis in the same office under this Directorate General with effect from the Forenoon of 14th October, 1980 and until further orders.

P. D. SETH  
Deputy Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 27th November 1980

No. A-17011/118/77-A.6.—The President is pleased to appoint Shri N. P. Rasane, Asstt. Director of Inspection (Met.) (Gr. III of Metallurgical Branch of Indian Inspection Service, Group 'A') to officiate as Dy. Director of Inspection (Met.) (Grade II of Metallurgical Branch of Indian Inspection Service Group 'A') with effect from the 27th October, 1980 (F.N.) on *ad-hoc* basis for a period of six months.

2. Shri N. P. Rasane relinquished charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of Dy. Director of Inspection (Met.), Bhilai on the afternoon of 25th October, 1980 and assumed charge of the post of Dy. Director of Inspection (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.), Jamshedpur on the forenoon of 27th October, 1980.

P. D. SETH  
Deputy Director (Admn.)

## DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 25th November 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2-NITRATE MIXTURE, add "GEELEX—25 and GEELEX—83 for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-1981" before the entry "GN-1".

CHARANJIT LAL  
Chief Controller of Explosives

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

### DEPARTMENT OF MINES

### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th November 1980

No. A-19011(150)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. K. Ghosh Asstt. Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 25-10-80.

S. V. ALI  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 18th November 1980

No. 7402-C/A-19012 (Cost Acctt-PVSR)/78-19A.—Shri P. V. Subba Rao, Cost-Accountant, G.S.I. retired (voluntary) from Government services with effect from 25-10-1979.

The 24th November 1980

No. 9082B/A-19012 (Artist-GVR)/80-19A.—Shri G. V. Ramulu, Superintendent (D.O.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Artist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6-9-80 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 25th November 1980

No. 4(15)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Vijayalaxmi Kanungo as Programme Executive E.S.D. All India Radio, New Delhi, in a temporary capacity with effect from 1-11-1980 and until further orders.

No. 4(69)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. Kalivelu as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 21-10-1980 and until further orders.

No. 4(73)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. Vageesh as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 25-10-1980 and until further orders.

No. 4(90)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Eravi Gopalan as Programme Executive, All India Radio, Calicut in a temporary capacity with effect from 16-10-1980 and until further orders.

No. 4(93)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints K. A. Muraleedharan as Programme Executive, All India Radio, Calicut in a temporary capacity with effect from 21-10-1980 and until further orders.

No. 10/12/80-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Jawahar Lal, Senior Engineering Assistant, to officiate in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio, and post him at Doordarshan Kendra, Jullundur with effect from the forenoon of 28-10-80 until further orders.

No. 10/16/80-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. M. Burman, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Asstt. Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Cuttack w.e.f. from the forenoon of 30-10-1980 until further orders.

The 27th November 1980

No. 4(27)80-SI.—The Director General, All India Radio, Executive, All India Radio, Chhatarpur in a temporary capacity with effect from 30-8-1980 and until further orders.

No. 4(50)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ram Naresh Pandey as Programme Executive, All India Radio, Cuttack in a temporary capacity with effect from 22-10-1980 and until further orders.

No. 4(55)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Vijay Sadhu as Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from 24-10-1980 and until further orders.

No. 4(63)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Latha Raju as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 16-10-1980 and until further orders.

No. 4(70)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Prapancham Sita Ram as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 26-9-1980 and until further orders.

No. 4(74)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. A. Rehman Pasha as Programme Executive All India Radio, Mangalore, in a temporary capacity with effect from 13-10-1980 and until further orders.

No. 4(77)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri N. Raghavan as Programme Executive, All India Radio, Dharwad in a temporary capacity with effect from 29-9-1980 and until further orders.

No. 4(82)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri V. K. Gawai as Programme Executive, All India Radio, Sangli in a temporary capacity with effect from 1-11-1980 and until further orders.

H. C. JAYAL,  
Dy. Dir. of Admn.  
for Director General

#### (CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 28th November 1980

No. A-12011/2/80-CWI/3557.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint the following Sectional Officers (Civil) on promotion as Assistant Engineer (Civil) in Civil Construction Wing of All India Radio in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740 35-810, EB-35-880-40-1000 EB-40-1200/- at places and with effect from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name & designation	Place of Posting	Date from which appointed
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	V.K. Viswambaran, AE(C)	Hyderabad (Madras Dvn.)	10-10-80 (AN)
2.	K.P. Mandal, AE(C)	Gwalior (Lucknow Dvn.)	10-10-80 (AN)

Their appointment is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion bearing No. A.32014/1/80 CWI dt. 25-7-1980 already issued to them.

S. RAMASWAMY  
Engineer Officer to Addl. CE(C)  
for Director General

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700012, the 18th November 1980

No. F.92-167/80-Estt/19017.—Dr. Tusharendu Roy is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' in the Scale of Rs. 650—1200) in Zoological Survey of India in the headquarters Office in Calcutta in a temporary capacity with effect from 10th October, 1980 (Forenoon) and until further orders.

DR. K. K. TIWARI,  
Director  
Zoological Survey of India

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

New Delhi, the 25th November 1980

No. A.19020/9/79(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri M. Ramachandran, Biochemist (Obst. & Gynac), Jawaharlal Institute of post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, from Government service with effect from the afternoon of 22nd October, 1980.

The 26th November 1980

No. A.12026/6/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Miss S. Khess, Assistant Nursing Superintendent, Safdarjang Hospital, New Delhi, to the post of Nursing Superintendent at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 21st September, 1980, on an ad-hoc basis and until further orders.

The 29th November 1980

No. A. 19019/26/78 (AIJHPH)/Admn. I.—Consequent on his selection to the post of Additional Director in the Central Statistical Organisation, New Delhi, Dr. S. S. Srivastava relinquished charge of the post of Professor of Statistics, All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, with effect from the afternoon of the 3rd November, 1980.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Dir. Admn (O&M)

#### MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF FOOD) NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 27th November 1980

No. A19012/44/78-7825.—The services of Shri Madhukar Shukla, Hindi Officer at National Sugar Institute, Kanpur were terminated with effect from 25-9-1980 vide National Sugar Institute's Office Order number A-19012/44/78-Estt/5504 dated 24th September, 1980 and he stands relieved with effect from 25-9-80 afternoon.

N. A. RAMIAH  
Director

#### MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 17th November 1980

No. A. 31014/3/78-A.I. (Vol.II).—The Agriculture Marketing Adviser to the Govt. of India is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing & Inspection, with effect from 25-3-1979.

(1) Shri Rajesh Azad.



- (2) Shri A. G. Deshpande.  
(3) Shri D. S. Sobti.

2. The lien of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Marketing Officer (Group I).

B. L. MANIHAR,  
Director of Administration.

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-400 085, the 14th November 1980

No. 5/1/80-Estt.U/5595.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri L. B. Gawde, Assistant to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period from 29-9-1980 (FN) to 1-11-1980 (AN).

(KUM.) H. B. VIJAYAKAR,  
Dy. Establishment Officer.

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES**

Bombay-400 001, the 21st November 1980

No. DPS/23/3/79/Estt./19947.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri L. H. Bagwe, temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from 24-12-1979 (FN) to 30-1-1980 (AN) vice Shri T. C. George, Assistant Stores Officer granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN,  
Assistant Personnel Officer.

**NUCLEAR FUEL COMPLEX**

Hyderabad-500 762, the 26th November 1980

No. NFC/PAR/0117/7492.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri S. Rangarajan, Asstt. Accountant, to officiate as Asstt. Accounts Officer on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, with effect from 24-8-1980 (FN), until further orders, against existing vacancy.

G. G. KULKARNI,  
Sr. Administrative Officer.

**RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT**

Anushakti, the 24th November 1980

No. RAPP/Rect/3(2)/80/S/160 dated 13/11/80.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri S. P. Gupta a permanent Draughtsman 'B' in PPED Pool and Officiating Draughtsman 'C' presently working in the Rajasthan Atomic Power Project to the grade Scientific Officer/Engineer SB in the same Project in a temporary capacity with effect from 1-8-1980 until further orders.

Shri S. P. Gupta assumed charge of his post in grade SO/SB on the forenoon of 1-8-1980.

GOPAL SINGH,  
Administrative Officer (E)  
for Chief Project Engineer.

**(ATOMIC MINERALS DIVISION)**

Hyderabad-500 016, the 27th November 1980

No. AMD-8/5/80-Rect.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri I. S. Mokha, Accountant in the Atomic Minerals Division to

officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from 24-11-1980 to 24-12-1980 vice Shri G. D. Bansal, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

S. Y. GOKHALE,  
for Sr. Administrative & Accounts Officer.

**TRACTOR TRAINING CENTRE**

Hissar, the November 1980

No. 2-11/73-PF.—Shri Yogesh Suneja is appointed to officiate as Asstt. Engineer (Testing) (Class II Gazetted) at Tractor Training Centre, Hissar in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. 24-11-1980 (FN), in a purely temporary capacity—until further orders.

K. S. YADAV,  
Director.

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF  
CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 27 November 1980

No. A 32013/11/80-E.I.—The President is pleased to appoint the following Dy. Directors/Controller of Communication as Director of Communication on ad hoc basis for a period of 6 months from the date mentioned against their names or till the regular appointment is made whichever is earlier.

Sl. No.	Name	Date of taking over the charge	Station of posting as Director.
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	M.S. Krishnan	3-11-80	Madras Airport
2.	K. Teckchandani	31-10-80	Delhi Airport
3.	S.K. Das	31-10-80	Calcutta Airport

S. GUPTA  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 4th October 1980

No. A. 32013/9/79-EC.—In continuation of this Deptt. Notification No. A. 32013/9/79-EC, dated 21-3-80 the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri N. S. S. Money, Asstt. Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Communication Officer on an ad hoc basis beyond 3-7-1980 and upto 31-7-1980.

The 25th November 1980

No. A. 32014/2/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. H. Lalla, Superintendent, as Administrative Officer (Group 'B' post) on an ad-hoc basis in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi, for a period of 6 months with effect from the forenoon of the 10th November, 1980.

The 26th November 1980

No. A. 38015/26/80-EC.—The President is pleased to permit Shri R. Adishesan, Technical Officer presently on deputation to Govt. of Libya on foreign assignment under Technical Assistance Programme of International Civil Aviation Organisation to retire from Govt. Service with effect from 15-9-80 (AN), under FR. 56(k).

R. N. DAS,  
Assistant Director of Administration.  
for Director General of Civil Aviation

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 25th November 1980

No. 1/344/80/EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Chatterjee, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 3-10-80 to 17-10-80 against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

H. L. MALHOTRA,  
Dy. Director (Admn.),  
for Director General.

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-600034, the 22nd November 1980

C. No. II/3/24/80 Estt.—The following Administration Officer/Examiner of Madras Central Excise Collectorate retired from service with effect from 31-10-80 AN.

Sl. No.	Name	Place of working	Date of retirement
S/Shri			
1.	V. Subramaniam	Admn. Officer, Coimbatore I Dn.	31-10-80 A.N.
2.	W.S. Parthasarathy	Examiner, Hqrs. Office, Madras.	31-10-80 A.N.

C. No. II/3/24/80-Estt.—The following Office Superintendents of Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Administrative Officer/Examiner Group 'B', until further orders and posted, with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names :—

Sl. No.	Name	Place to which posted	Date of joining
S/Shri			
1.	K. Venkataraman	Admn. Officer Coimbatore II Dn.	16-6-80
2.	M.M. Eshack	Examiner, Hqrs. Office, Madras.	19-8-80
3.	M. Arumugham	Admn. Officer, Coimbatore III Dn.	26-9-80

C. No. II/3/22/80-Estt.—The following Inspectors of Central Excise in the Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Superintendents of Central Excise Group 'B', until further orders and posted with effect from the dates noted against each, to the Divisions specified against their names :—

Sl. No.	Name	Place where posted as Supdt. Gr. 'B'	Date of joining
1	2	3	4
S/Shri			
1.	A. Govinda Rao	Coonoor Division	5-6-80
2.	S.D. Sankaran	Do.	12-6-80
3.	S.M. Amanulla Hussainy	Vellore Division	16-6-80 A.N.
4.	Mrs. T. Sankara Das	Hqrs. Office, Madras	1-7-80
5.	A. Shanmugham	Coimbatore I Dn.	1-7-80
6.	S.K. Varadaraajan	Coimbatore II Dn.	9-7-80
7.	A. Thomas Immanuel	Coonoor Division	9-7-80 A.N.

1	2	3	4
8.	S. Natarajan	Hqrs. Office, Madras	1-8-80
9.	M. Natarajan	Do.	1-8-80
10.	G. Ramamurthy	Do.	1-8-80
11.	R. Raghavan-I	Do.	1-8-80
12.	A.R. Vembu	Do.	1-8-80 AN
13.	A. Raymond	Madras IV Dn.	1-8-80
14.	C. Chandroyan	Erode Dn.	2-8-80
15.	R. Moorthy	Hqrs. Office, Madras.	6-8-80
16.	B. Subbarayalu	Coimbatore II Dn.	6-8-80
17.	T. Thomas	Hqrs. Office, Madras	12-8-80
18.	R. Selvaraj I	Madras III Dn.	1-9-80
19.	V. Chandrakasan	Coimbatore I Dn.	6-10-80
20.	S. Kannan	Madras I Dn.	10-10-80 AN
21.	V.S. Natesan	Pondicherry I Range	20-10-80
22.	C.T. Balasubramaniam	Coonoor Dn.	29-10-80
23.	C.J. Jagadeesan	Hosur Dn.	31-10-80
24.	P. Sambantham	Do.	10-11-80

B. R. RIDDY  
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT  
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 28th November 1980

No. 33/80.—Shri A. K. Agnihotri, lately posted as Superintendent Central Excise Group 'A' in Delhi Collectorate on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue Order No. 151/80 (F. No. A. 22012/31/80-Ad.II), dated 15-10-80 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 13-11-80 (Forenoon).

The 29th November 1980

No. 32/80.—Shri K. R. Natarajan, Superintendent of Central Excise Group 'B' of Madras Central Excise Collectorate, on transfer to the South Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Madras vide order C. No. 1041/41/79 dated 6-10-80 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 1-11-1980 (Forenoon).

K. J. RAMAN  
Director of Inspection

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 28th November 1980

No. A 32014/1/80 Admn.V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-10 C.E-4(-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE.
1	2	3
S/Shri		
1.	K. Chaudhuri, Supervisor	10-11-80 (forenoon)
2.	Munni Ram, Supervisor	29-10-80 (forenoon)

1	2	3
3. Chhidda Singh, Supervisor		22-10-80 (forenoon)
4. Manik Das, Supervisor		10-11-80 (forenoon)
5. J.R. Abrol, Supervisor		26-9-80 (afternoon)
6. C.P. Bhasin, Supervisor		22-10-80 (forenoon)
7. Madho Lal, Supervisor		17-11-80 (forenoon)
8. I.N. Aggarwal, Supervisor		21-10-80 (forenoon)

K. L. BHANDULA  
Under Secy.  
Central Water Commission

## CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad-121001, the 25th November 1980

No. 16-100/80 Engg. (Estt.) The following officiating Stores Officers are appointed Substantively to the Permanent posts of Stores Officer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Central Ground Water Board with effect from 1-3-1980.

Sr. No.	Name & designation	Place of present posting
1	2	3
	S/Shri	
1.	V. J. L. Bhatia, Stores Officer	C.G.W.B., Div II Ambala
2.	J. N. Dhawan, Do.	C.G.W.B., Div. III Varanasi.
3.	Tuna Thakur, Do.	Headquarters Office Faridabad.
4.	Suryug Sharma, Do.	C.G.W.B., Div. VII., Gauhati.
5.	B. P. Chauhan Do.	C.G.W.B. Div. VIII, Jammu.
6.	N. P. Sharma, Do.	Np Sub Div., Bhopal.
7.	Man Mohan Singh Do.	C.G.W.B., Div. VIII, Jammu.
8.	N. S. Nijar, Do.	C.G.W.B., Div. V, Ranchi.
9.	O. P. Grover, Do.	C.G.W.B., Div. VI, Nagpur.

H. M. KAUL  
Chief Engineer (C.C.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 27th November 1980

No. 33/3/79-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri A. G. John, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Dy. Architect (CCS Group 'A'), in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (Plus usual allowances), with effect from 20-11-1980 on usual terms & conditions. His pay will be refixed according to rules.

2. Shri A. G. John is placed on probation for a period of two years with effect from 20-11-1980 (FN).

K. A. ANANTHANARAYANAN,  
Dy. Director of Administration.

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

## COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Naulathiya Financiers Private Limited, Jaipur*

Jaipur, the 22nd November 1980

No. STAT/1695/10503.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act,

1956, that the name of M/s. Naulathiya Financiers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Datt Bandhu Private Limited, Ajmer*

Jaipur, the 22nd November 1980

No. STAT/1088/10507.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Datt Bhandu Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Anjana Chit Fund Private Limited*

Jaipur, the 22nd November 1980

No. STAT/1227/10512.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Anjana Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Liberty Club Limited*

Jaipur, the 22nd November 1980

No. STAT//1578/10516.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Liberty Club Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Zaildar Arya Motor Transport Company Pvt Ltd. Jhunjhunu*

Jaipur, the 22nd November 1980

No. STAT/1053/10523.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Zaildar Arya Motor Transport Company Private Limited, Jhunjhunu has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

G. C. GUPTA  
Registrar of Companies  
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Chellsons (Wines and Provisions) Private Limited*

Hyderabad, the 27th November 1980

No. 1399/T(560)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chellsons (Wines and Provisions) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU  
Registrar of Companies,  
Andhra Pradesh,  
Hyderabad.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of 'Merrit Chit Fund Private Limited'*

Pondicherry, the 10th November 1980

C. No. 110/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of the company "Merrit Chit Fund Private Limited", unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO  
Registrar of Companies,  
Pondicherry

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
"Baby Finance Chit Fund Private Limited".*

Pondicherry, the 10th November 1980

No. 102/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company "Baby Finance Chit Fund Private Limited",

*In the matter of the Company Act, 1956, and the  
M/s. Jodhpur Commercial Bank Ltd. Jodhpur*

Jodhpur, the 28th November 1980

No. STAT/23.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jodhpur Commercial Bank Ltd., Jodhpur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA  
Registrar of Companies  
Rajasthan, Jaipur

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3286,—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-12, situated at Fateh Nagar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—376GI/80

- (1) Shrimati Harminder Kaur W/o Shri Ranjit Singh,  
C-12, Fateh Nagar New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Virender Kumar Mehta S/o Shri Radha Kishan Mehta,  
11/2A, Prem Nagar Near Tilak Nagar New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing No. C/12, Fateh Nagar New Delhi.

**BALJEET MATIYANI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date 17-11-1980  
Seal :

FORM ITNS—  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Farid Chand Sehgal S/o Shri Atma Ram Sehgal  
Sehgal,  
XV/1996-99, Kucha Chelan Daryaganj Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Husan Bano W/o Shri Aziz Beg,  
R/o 1801 Kucha Faulad Khan Kalan Mahal Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II.  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN (P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

New Delhi-110002, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6298.—Whereas, I,  
BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XI/1996-99 (New) situated at Kucha Chelan Daryaganj Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; **and/or**

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. XI/1996-99 Kucha Chelan Daryaganj Delhi.

BALJEET MATIYANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II

Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub- ing persons, namely :—

Date 17-11-1980

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-80/6356.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2593 situated at Lambi Gali, Basti Punjabi Subzi Mandi Ward XII Delhi-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Prakash Gera S/o Late Shri Daulat Ram, R/o XII/2593, Basti Punjabi Lambi Gali Subzi Mandi Delhi-7.

(Transferor)

(2) Smt. Rukamni Devi W/o Shri Kamla Prasad, D-30, C. C. Colony Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One and a half storeyed house which is in a dilapidated condition, bearing property No. 2593, admeasuring 165 sq. yds. situated at Subzi Mandi, Lambi Gali, Basti Punjabi Ward No. XII Delhi-7, bounded as under :—

North : Gali  
South : House No. XII/2594  
East : Gali  
West : Gali.

BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 17-11-1980

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,****H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002**

New Delhi-110002, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6329.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 38 situated at Qutab Road Market Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanwar Bhan Goel G.A. of Shri Lurind Chand Lessee of shop No. 38 New Qutab Road Market Delhi C/o Shop No. 71, Qutab Road Market Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Vishan Devi Bajaj W/o Shri Nand Lal Bajaj, R/o 513/18, Dev Lok Street, Gandhi Nagar Delhi-31. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 38 with additional strip of land at New Qutab Road, Market, Delhi with the lease hold rights of the land under the said shop area measuring 190 sq. feet charged 2/3rd to G.F. and 1/3rd to F.F. and strip of land measuring area 69-15 sq. yds. bounded as under :—

North : Road.  
South : Open.  
East : G. B. P.  
West : G. B. P.

**BALJEET MATIYANI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date 17-11-1980  
Seal :



## FORM TINS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/RR-I/3-80/6334.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-33, situated at Kirti Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 18-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vinod Kumar Suri S/o Shri Malak Shah Suri, G-33, Kirti Nagar New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Virender Kumar Suri S/o Shri Amar Nath Suri, R/o I-C/21, New Rohtak Road New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 55 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storeyed house built on freehold plot of land bearing plot No. 33 in Block G, measuring 200 sq. yds. situated in the colony known as Kirti Nagar area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi bounded as under :—

North : Service Road 15'  
South : Park  
East : Property No. G-34,  
West : Property No. G-32.

**BALJEET MATIYANI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 17-11-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI 110002

New Delhi-110002, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6301.—Whereas, I, **BALJEET MATYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11636-37 situated at Roshanara Extension Scheme, Subzi Mandi Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 11-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Panna Devi Alias Krishna Devi W/o Late Sh. Hari Chand.  
R/o 2701, Subhas Marg, Kashmere Gate Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Mahabir Pershad Aggarwal S/o Shri Harpal Chand alias Harphool Chand,  
R/o 747, Nimri Colony Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two and a half storeyed building property No. 11636-37 with land underneath measuring about 376.11 sq. yds. bearing plot No. 10 Block No. 24, situated at Roshanara Extension Scheme, Subzi Mandi Delhi bounded as under :—

East : Road  
West : Lane 15'  
North Road 15'  
South : Building on plot No. 19.

**BALJEET MATYANI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date 17-11-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3234.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T-52, situated at Rajouri Garden New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) State Bank of India New Delhi Staff Co-op. Housing Society Ltd., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sarven Kumar Jain S/o Shri Dil Sumrat Dass, T-52, Rajouri Garden New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property built on plot bearing No. 52 Block No. T measuring 203 sq. yds. in residential colony known as Rajouri Garden New Delhi-27, situated at village Tatarpur on Delhi Najafgarh Road New Delhi bounded as under :—

East : T-53,  
West : T-51,  
North : Service Lane  
South : Road.

(MRS.) BALJEET MATYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 17-11-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6289.—Whereas, I, **BALJEET MATYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 23-C, Satyawati Nagar area of situated at village Sadhora Kalan Near Rly. Crossing No. 3, Wazirpur Road Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raziur-rahman Kidwai S/o Shri Shafikur-rehman Kidwai.  
R/o Jamia Nagar, Okhla New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Shri Kali Charan Gupta,  
(2) Shri Sagar Mal Singhal,  
(3) Shri Raj Kumar Singhal,  
(4) Shri Jai Bhagwan Singhal,  
(5) Shri Nem Chand Singhal sons of Munshi Ram,  
R/o 4146, Naya Bazar Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 200 sq. yds. of plot No. 23 Block C, out of Kh. Nos. 86, 88, 92, to 107 abadi known as Satyawati Nagar area of village Sadhora Kalan, near Rly. Crossing No. 3, Wazirpur Road Delhi.

(MRS.) **BALJEET MATYANI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 11-11-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6280.—Whereas, I, BALJEET MATYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nil/13-A, situated at Ramesh Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—376GI/80

- (1) Shri Neb Raj S/o Shri Kanwala Ram,  
R/o 13-A, Ramesh Nagar New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Harish Chander Chopra S/o Gurditta Mal,  
R/o BC-243, Multani Dhanda Paharganj New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property No. 13-A measuring 100 sq. yds. situated at Ramesh Nagar New Delhi.

(MRS.) BALJEET MATYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 11-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6306.—Whereas, I, BALJEET MATYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. II/6A, situated at Vijay Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri O. P. Chopra S/o Shri Shiv Sahai,  
R/o H/6B, Vijay Nagar Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Shashi Prabha Tuteja W/o Shri B. K. Tuteja  
and Vidya Sagar Tuteja S/o Late Shri Chandan  
Ram Tuteja,  
R/o 8 Singla storey market Vijay Nagar Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. H/6A, Vijay Nagar Delhi measuring 237 sq. yds. bounded as under :—

North : Govt. Built Qr. H/6B  
South : Govt. Built Qr. No. H/5B and Road  
East : Main Road  
West : Lane.

(MRS.) BALJEET MATYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 11-11-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

H-BLOCK VIKAS BHAVAN IP ESTATE

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-80/6302.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-245(G.F.) situated at Ramesh Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 11-3-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri I. N. Mehta S/o Mehta Tek Chand 14/81, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)  
(2) Shri Darshan Lal Sarna S/o Anand Nath Sarna E-245, Ramesh Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. E-245 (Ground Floor) Ramesh Nagar, New Delhi with lease hold rights of land admeasuring 123.66 sq. yds. bounded as under :—

North West : Lane.

South East : Lawn.

East North : Tenement No. 243-244, Ramesh Nagar, New Delhi.

West South : Tenement No. 247-248 Ramesh Nagar, New Delhi.

(MRS.) BALJEET MATYANI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN IP ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6265.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6226 Ward No. 12 situated at Kamla Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-3-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

(1) Smt. Sushma Gupta W/o Braham Parkash R/o 1467, Patil Gali, Dariba Kalan, Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s Dua Plastic Product (Regd.) 1354, Pan Mandi, Sadar Bazar, Delhi.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground Floor of Plot No. 39-F bearing property No. 6226, ward No. XII, Kamla Nagar Delhi with the land measuring 117 sq. yds. under the said ground floor of the said property bounded as under :—

East : Road 24'.

West : Property of Shri Siri Ram & Building Plot No. 38-F.

North : Road 40'.

South : Service Land 15'.

(MRS.) BALJEET MATYANI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 25-11-1980.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Ram Rakha S/o Bheju Ram R/o Vill. Roshan-pura Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishan Singh, Om Prakash, Ram Chander, Kanwal Singh, Jawahar Singh sons of Man Singh R/o Vill. Najafgarh, New Delhi-43.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

## H-BLOCK VIKAS BHAVAN IP ESTATE

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th November 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3230.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land 17 bigha 13 biswas situated at Village Roshanpura Delhi State Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bigha 13 viswas in village Roshanpura Delhi State, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(MRS.) BALJEET MATYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 25-11-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN IP ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3231.—Whereas I, **BALJEET MATYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 17 bigha 11 biswas situated at Vill. Roshanpura, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any property or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Rakha S/o Bhaju Ram R/o Vill. Roshanpura Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Singh, Om Prakash, Ram Chander Kanwal Singh, Jawahar Singh sons of Man Singh R/o Najafgarh, New Delhi-43.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 17 bighas 11 biswas in village Roshanpura Delhi.

(MRS.) BALJEET MATYANI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 25-11-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 15th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/3-80/6267.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the **Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19, situated at Church Road Kashmere Gate Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-3-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri D. Muncherji S/o late Muncherji Abdulji R/o 19-Church Road, Kashmere Gate, Delhi-5.  
(Transferor)

(2) Smt. Parvati Devi W/o Bholu Nath Gupta Shri Rajeshwar Nath Gupta S/o Bholu Nath Gupta as karta of M/o Rajeshwar Nath Gupta, Raghvendra Nath Gupta S/o Rajesh Nath Gupta as karta of HUF Raghvendra Nath Gupta, Ravindra Nath Gupta S/o Rajinder Nath Gupta as karta of Ravinder Nath Gupta HUF all R/o 1624, Raj Kunj, Madarsa Road, Kashmere Gate Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pucca built house comprising a part of the whole mansion known as 19 church Road Kashmere Gate Delhi bounded as under :—

East : Road.  
West : Lane.  
North : Common staircase.  
South : Property No. 1-1/2 of 1557 and 1/2 of property No. 1558.

(MRS.) BALJEET MATYANI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 15-11-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN IP ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3245.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land 1 bigha 5 biswas situated at village Dindarpur (Dinpur), Najafgarh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-3-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dr. Bhagwan Devi D/o Kasturi Lal E-35, Kamla Nagar, Sabzi Mandi Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Delhi Chemicals & Plastic, Industries (Sole Proprietor Shri Shikhar Chand Jain s/o Mitter Sain Jain, 15, Bungalow Road, Delhi. (Transferee)
- (3) M/s Raj Chemicals and Plastics Industries Shikhar Plastics Pvt. Ltd., Fibre Bond Pvt. Ltd., Rajdhani Trading Corpn., Jain Polyfibre Pvt. Ltd. [Person(s) in occupation of the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. Khasra 340, 341, Village Dindarpur (Dinpur), Najafgarh, New Delhi Land measuring 1 bigha 5 biswas, Laldora with dilapidated industrial shed/rooms constructed thereon.

(MRS.) BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 17-11-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Lal Bhatia S/o Shri Ganda Singh R/o  
V.P. & P.O. Khampur Delhi, State Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Nafay Singh and Sahib Singh sons, of Shri  
Kanavalal R/o Singhola P.O. Tikri Khurd, Delhi  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3254.—Whereas I,  
BALJEET MATIYANI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agrl. land mg. 18 bighas situated at village Khampur  
Delhi State, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1980) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on March 1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

29—376GI/80

## THE SCHEDULE

Agricultural land area 18 bighas situated in Khāra Nos.  
1/23/1, 4/26, 9/4, 5/1, 5/16, 26, 10/11/1 and 20/2, 9/15 in  
village Khampur, Delhi State, Delhi.

(MRS.) BALJEET MATIYANI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 25-11-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3265.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 25 Block A, situated at Krishna Park Najafgarh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Niranjana Singh Sahni S/o S. Amir Singh R/o No. 2, Narang Colony, Najafgarh Road, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dev Arora S/o Shri B. D. Arora R/o B-79, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 25, in Block A, measuring 395.9 sq. yds. in Krishna Park on Najafgarh Road, New Delhi.

(MRS.) BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date : 25-11-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6332.—Whereas I,  
BALJEET MATIYANI,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.No. 24-B situated at Ramesh Nagar New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 18-3-1980,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

- (1) Shri Haveli Ram Sharma S/o Faquir Chand R/o  
24-B, Ramesh Nagar, New Delhi at present D-5,  
Bali Nagar, New Delhi. (Transferor)  
(2) Shri Hira Nand S/o Shri Dila Ram R/o 24-B,  
Ramesh Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the official Gazette or  
a period of 30 days from the service of  
notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 24-B situated at Ramesh Nagar, New Delhi  
alongwith the lease hold rights of the land measuring 100 sq.  
yds.

(MRS.) BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 25-11-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Suresh Kumar Gupta S/o Shri Ram Babu R/o B-499, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Devi W/o Shri Sanjhi Ram and Ravi Kiran Mahajan S/o Sardari Lal of 4148, Gali Sehtara Ajmere Gate, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6325.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4147 to 4150 situated at Gali Shehtara, Ajmere Gate Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 17-3-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 4147 to 4150 measuring 171.30 sq. meters situated at Gali Sehtara, Ajmere Gate, Delhi bounded as under:—

East : Gali.  
West : Gali.  
North : Gali Shahtara.  
South : Other's property.

(MRS.) BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 25-11-1980.  
Seal :



FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/3-80/6361.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Share of property No. 5638 out of plot situated at No. 40-A, Basti Harphool Singh, Sadar Bazar Ward XIV Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hari Prakash S/o Shri Sita Ram and Smt. Uma Verma W/o Hari Prakash R/o 53/2, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferor)

(2) Smt. Sayar Devi W/o Sampat Lal Baid R/o C/o Shantu Trading Co. Jail Road Fancy Bazar Gohati (Assam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Structure of entire second floor and roof alongwith common staircase leading to ground floor to top floor out of property No. 5638 out of plot No. 40-A, situated at Basti Harphool Singh, Sadar Bazar ward No. XIV Delhi bounded as under :—

East : Building on plot No. 16.  
West : Part building on plot No. 40.  
North : Road 40 ft.  
South : Road 15 ft.

(MRS.) BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 21st November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6357/3-80.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7, Prop. No. WZ-10 situated at Ashok Park Main, Basai Darapur Rohtak Road Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25-3-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Sarup S/o Sita Ram, Smt. Indra Wati Arora W/o Sita Ram R/o 16-West Patel Nagar New Delhi self and G.A. of Dharam Chand Arora, Smt. Snehlata Seth W/o Rajendra Lal Seth and Devika Rani Malhotra W/o Shri Chander Prakash R/o 67, Haya Batha Road, forento Canada.  
(Transferor)

(2) Smt. Ramti Devi Jain W/o Jeet Singh and Smt. Shashi Jain W/o Braj Pal Jain R/o 46, Ashok Park, Main Delhi-35.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property built on plot No. 7 measuring 200 sq. yds., property No. WZ-10, situated at Ashok Park Main, Bassai Darapur, Rohtak Road, Delhi-35, bounded as under :—

East : Building on plot No. 6.  
West : Building on plot No. 8.  
North : Road.  
South : Road.

(MRS.) BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 21-11-1980.  
Seal :

FORM NO. ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 21st November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/Sr-I/3-80/6330.—Whereas I,  
BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/-, and bearing  
H-232 situated at Kingsway Camp Hudson Lines, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Delhi on 17-3-80

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act  
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Lal Mehta S/o Sh. Sham Das, Mehta  
of 375, Hakikat Nagar, Mall Road, Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Sanjiv Dawar S/o K. L. Dawar  
232, Dr. Mukerji Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. H-232, Delhi Kingsway Camp, Hudson Lines,  
Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 21-11-80  
Seal :

FORM NO. I.T.N.E.

(1) Smt. Eiran Devi W/o Late Sh. Kedar Singh  
P/o 1250, Rang Mahal, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Saroj Devi W/o Radha Kishan  
R/o Mittal Niwas, 6190 Kucha Shiv Mandir Kharli  
Baoli, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/Sr-II/3-80/6324.—Whereas I,  
BALJEET MATIYANI,being the Competent Authority under Section 269B of the In-  
come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 2532, situated at Gali Charwarakalan, Phatak Harbans-  
khan, Chandni Chowk, Delhi(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 17-3-80for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of publication of this notice in the Official Gazette.  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## THE SCHEDULE

A two and a half storeyed building No. 2532 measuring  
85 sq. yds. situated at Gali Charwarakalan, Phatak Harbans  
Khan, Chandni Chowk, Delhi bounded as under :—

East Property No. 2526

West Gali

North Property No. 2531 of Sh. Ghamandi Lal

South Property No. 2514 of Sh. Sheetal Prashad

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New DelhiDate : 25-11-80  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

(1) Smt. Kaushalya Devi W/o C. L. Dang,  
A-1/51, Safdarjang Development Area, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish Chand S/o Arjun Dass,  
A-37, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3259.--Whereas I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Plot No. B-36, situated at Krishna Park, Najafgarh Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—376GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. B-36, measuring 217.7 sq. yds. situated in Krishna Park, Najafgarh Delhi State, Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 25-11-80  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6347.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. No. 89-A, situated at Nirankari Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on 21-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chander Kanta D/o Sh. K. C. Vohra  
W/o Manohar Lal  
R/o 4/89, Nirankar Colony, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Saroj Singh D/o Inder Bahadur Singh  
W/o Vashisht Singh  
R/o D-12, Radheypuri, Delhi-51. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on plot No. 89 measuring 139 sq. yds. at Peshawar Nagar now known as Nirankari Colony area of Village Dhirpur Delhi M.C.D. No. 89-A.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 25-11-80  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
NEW DELHI-110002.

New Delhi-110002, the 15th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6317.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and 2, H-Block, situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vijay Chatrath S/o Joginder Pal Chatrath  
R/o H/1 & 2, West Patel Nagar, New Delhi as G.A.  
of Smt. Motla Rani Wd/o Sh. Jagan Nath lessee of  
Qr. No. H/1 & 2, W.P. Ngr. N. Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Prem Bhayana W/o R. N. Bhayana  
R/o H-1 & 2, West Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. H/1 and 2 West Patel Nagar, New Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date :15-11-80  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Sita Rani W/o Sh. Sobh Raj Pahuja  
C-379, Saraswati Vihar, Delhi-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Durga Dass S/o Arjun Dass  
C-84, Majlis Park, Delhi-33.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 15th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRII/3-80/6276.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 84 block C, situated at Majlis Park, Delhi-33 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 84 in Block C, measuring 111 sq. yds. at Majlis Park, Delhi-33.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 15-11-80  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 15th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3251.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing J-13/13-23-C, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 12-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kumar S/o Late Sh. Nand Lal  
22/140, Lajpat Nagar IV, New Delhi as G.A.  
Smt. Ganeshi Dhunna W/o  
Late Sh. Kundan Lal Dhunna 'Land Lord'.  
(Transferor)
- (2) Shri Sudershan Lal Bhasin S/o Late Mela Ram  
R/o J-13/23-C, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House on plot No. 23-C in Block J-13, measuring 200 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden area of village Tatarpur Delhi State Delhi bounded as under :—

North Plot No. J-13/23-B  
South Plot No. J-13/23-D  
East Road  
West Plot No. J-13/22

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 15-11-80  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE  
New Delhi the 15th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-80/3253.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Qr. No. 4/41 situated at Tihar No. 1, Subhash Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Rani alias Bimla Rani  
W/o Shri Kunden Lal  
R/o 4/41, Tihar No. 1, Subhash Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Yash Pal Sharma  
S/o Sh. Phiraya Lal Sharma  
R/o 9/44, Subhash Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 4/41, situated at Tihar No. 1, Subhash Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds. More specifically desired in the instrument of transfer registered in March, 1980.

BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE

New Delhi, the 13th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-80/6266.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4458, Ward No. VII, situated at Gali Shah Tara, Ajmedi Gate, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 3-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tek Chand  
S/o Shri Fateh Lal, F-228, Outram line, Kingsway Camp, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sakina Begum, W/o Sh. Dhola,  
4458 Gali Shah Tara, Ajmeri Gate, Delhi. (Transferee)
- (3) Transferee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 4458, Ward No. VII, situated in Gali Shah Tara, Ajmeri Gate, Delhi. More specifically described in the instrument of transfer registered on 3-3-1980.

BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.  
Acquisition Range-II,

Date : 3-11-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-80/6348.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5128-Part, 5129 to 5131 with common stairs, of M. S. No. 5128 Harphool Singh Bldg. S/Mandi Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-3-1980 for on apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

(1) Ch. Nidhan Singh S/o Sh. Hari Singh  
R/o No. XIV/4495, Pahari Dhiraj Delhi as natural guardian of his minor son Sanjay Singh.  
(Transferor)

(2) Shri Chiranji Lal Sharma S/o Sh. Mool Chand Sharma, Smt. Ashrafi Devi W/o Sh. Chiranji Lal Sharma R/o No. XII/5128, Harphool Singh Bldg., Delhi.  
(Transferee)

(3) Tenant. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 5128-part, 5129 to 5131 with common stairs, of M. S. No. 5128 Harphool Singh Bldg. S/mandi Delhi. measuring 170.77 sq. yds. More specifically described in the instrument of transfer registered on 21-3-1980.

BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,

Date : 17-11-1980.  
Seal :

FORM NO. LT.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, 1. P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6342.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XV/8297/2, Gali No. 4 situated at Multani Dhanda Paharganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—376 GI/80

(1) Shri Som Datt Dhingra S/o Late Sh. Sita Ram Dhingra R/o House No. XV/8297/2 Multani Paharganj New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Siri Ram  
S/o Sh. Teja Singh 8297, Gali  
No. 4, Multani Dhanda Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. XV/8297/2, Gali No. 4 Multani Dhanda Paharganj New Delhi with the lease hold rights of the land under the said property measuring 100 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,

Date : 25-11-1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Hari Ram & Shyam Sunder sons of Jotu Mal  
R/o 543, Gali Haji Abdul Karim Teliwara Delhi-6.

(Transferor)

TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(2) Smt. Mira Devi W/o Bal Chand  
R/o 1404, Fiaz Ganj Bahadur Garh Road Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II, Sr-II/3-80/6273. -Whereas, I,  
BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the said Act), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No  
1394 Ward No. XIII Gali No. 5 situated at Fiaz Ganj Bahadur  
Garh Road Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 4-3-80for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1394 Ward No. XIII constructed on land  
measuring 105 sq. yds. situated at Gali No. 5 Fiaz Ganj Bah-  
dur Garh Road, Delhi bounded as under :—

On the North	By property No. 1402 and 1403
On the South	By Passage
On the East	By House No. 1395
On the West	By Property No. 1395 and property others.

BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-Date : 25-11-1980  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/-80/6328.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mpl. No. 1503 Ward No. X situated at Gali Khotana, Suiwala Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lajwanti W/o Sham Sunder Kapoor,  
R/o 3129, Sir Sayyad Ahmed Road Daryaganj,  
Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shr Mohd. Shamshad & Mohd. Anwar sons of  
Chiragh Ali R/o 1141, Matia Mahal Delhi and  
Haji Mushtaq Ahmed S/o Mohd. Ibrahim &  
Ishtaq Ahmed S/o Haji Mushtaq Ahmed  
R/o 1352, Pahari Imli, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed building bearing house Mpl. No. 1503 Ward No. X measuring 66.1/3 sq. yds. situated at Gali Kotana, Suiwala Delhi bounded as under :—  
East : Property No. 1502 owned by others  
West : Property No. 1503-A owned by others.  
North : Others property  
South : Entrance and Gali.

BALJEET MATIYANI,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Date : 25-11-1980  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6344.—Whereas, 1, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 138-141, Gali Memwali situated at Katra Barian, Fatehpuri Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 20-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shanti Devi W/o Pt. Hira Lal  
141, Gali Memwali, Katra Barian, Fatehpuri Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Raj Bahadur, Sh. Rakesh Kumar,  
Shri Dinesh Kumar sons of Sh. Onkar Singh R/o  
257, Gali Kadekashan, Fatehpuri Delhi.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two storeyed property No. 138-141, situated at Gali Memwali, Katra Barian, Fatehpuri Illaqa No. 6 Delhi bounded as under :—

East : Gali Katra Barian  
West : H. No. 142 of Sh. Diwan Chand  
North : H. No. 137.  
South : Entrance and Gali Katra Barian.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,

Date : 25-11-1980  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S. \_\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE

New Delhi, the 17th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-80/6353.—Whereas, I,

BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-2/3, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 21-3-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sham Parshad Mehra himself and G. A. of Smt. Jai Rani, Shiv Pershad, Krishan Parshad Mehra, Hari Pershad Mehra, Ram Pershad Mehra, Bimlesh Kumar Mehra and Smt. Shanti Devi herself and G. A. of her children Sh. Parkash Chander Ram Chander, Subhash Chander, Miss Renu Bala and also guardian of her son Sanjay R/o 13/36, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Surjan Singh S/o Gurmukh Singh R/o W-144, Mayapuri, Phase II, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. J-2/3, measuring 175-1/10 sq. yds. in the colony at Rajouri Garden New Delhi area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,

Date : 17-11-80.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Piaralal S/o Shri Tagga Ram,  
C2/74A, Lawrence Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II.

NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 17th November 1980

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6321.—Whereas I, BAIJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6884-85 Ward No. XIII, situated at Beriwal Bagh, near Azad Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One house Nos. 6884-85 Ward No. XIII, situated in Beri Wala Bagh, near Azad Market, Delhi with land measuring 80 sq. yds. More specifically described in the instrument of transfer registered on 15-3-1980.

MRS. BAIJEET MATIYANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1980

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Hari Prakash S/o Sita Ram &  
Smt. Uma Verma W/o Hari Parkash  
R/o 53/2, Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Ratna Devi W/o Sh. Panna Lal Vaid  
R/o C/o Shantu Trading Company, Jail Road,  
Fancy Bazar Gauhati (ASSAM)  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6360.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Property No. 5368, Out of situated at Plot No. 40-A, Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Structure of entire first floor alongwith stair common leading ground floor to first floor out of property No. 5638 out of plot No. 40-A, situated at Basti Harphool Singh, Sadar Bazar Ward No. XIV Delhi bounded as under :—

East: Building on plot No. 16  
West : Part of building on plot No. 40  
North : Road 40 ft.  
South : Road 15 ft.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II  
Delhi/New Dell

Date : 11-11-80  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri M. L. Bhatia G-81, Bali Nagar, Delhi.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6336/3-80.—Whereas, I,  
BALJEET MATIYANI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. G-81, situated at Bali Nagar, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on March 1980  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (2) Shri Madan Singh Verma 4116, Nizam Muhalla,  
Zama Masjid, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-81, Bali Nagar, Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 15-11-80  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Som Nath (2) Rajinder Nath sons of Amin Chand Mehta R/o H.-No. XII/9996, Nawab Ganj Pulbangesh, Azad Market, Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Giri Persad S/o Raghbir Dayal  
H. No. 2114, Bahadurgarh Road, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 15th November 1980

Ref. No: IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6358.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XII/10046, 10047, 10048 & 10048A (half), at Nawab Ganj, Pulbangesh Azad Market, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32—376 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Nos. XII/10046, 10047, 10048 and 10048A (Half) alongwith the Joint Stair case No. XII/9996 situated in Nawab Ganj Pulbangesh Azad Market, Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 15-11-80

Seal :

## FORM TINS—

(1) Shri Maha Singh S/o Ghisa Ram  
R/o Vill. Kharkhari Nahar, Delhi State, Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jag Pal Singh, Shri Dhan Singh both sons of  
Rafi Ram & Vir Dutt S/o Tara Chand  
R/o Vill. Khaira Delhi State, Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3-80/3284.—Whereas I, MRS. BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land 34 bigha 1 biswa situated at Village Kharkhari Nahar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 bighas 1 biswas situated at Village Kharkhari Nahar, Delhi State, Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-80

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK VIKAS BHAVAN  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6353.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2804 and 2804/1 Ward No. XIII situated at Qutab Road Teliwara Delhi-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 20-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Mahender Kumar Jain  
S/o Shri Hem Raj Jain  
R/o C-4/A/67-A, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hem Raj Jain  
S/o Shri Prem Sukh Dass Jain  
C4/A/67A, Janakpuri, New Delhi &  
Shri Suresh Chand Jain  
S/o Shri Hem Raj Jain  
R/o 2685, Gandhi Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 2804 Ward No. XIII situated at Qutab Road, Teliwara Delhi, measuring 94 sq. yds. bounded as under :—

North : Property No. 2804/1 and 2805-B  
South : Property No. 2803  
East : Qutab Road  
West : Shop No. 2809.

MRS. BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 11-11-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK VIKAS BHAVAN  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-80/6264.—Whereas, I,  
BALJEET MATIYANIbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 39-F (Mpl. No. 6226) Ward No. XII situated at  
Kamla Nagar, Delhi(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 3-3-80for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Hulas Rai  
S/o Shri Thakur Dass  
R/o 1467, Patil Gali, Dariba Kalan Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s Dna Plastic Product (Regd)  
1354, Pan Mandi, Sadar Bazar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice**  
**in the Official Gazette** or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

First and the second floor, 39-F, property bearing Municipal  
No. 6226 Ward No. XII, Kamla Nagar, Delhi with land  
measuring 117 sq. yds. bounded as under :—  
East : Road 24 ft.  
West : Property of Shri Shri Jain & Building Plot No. 38F.  
North : Road No. 40 ft.  
South : Service Lane 15 ft.

MRS. BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 25-11-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK VIKAS BHAVAN  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th November, 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/3283.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land 61 Bigas 15 Biswas situated at Village Dichaun Kalan Najafgarh Area, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Bahia Enterprises,  
H-25 Connaught Circus, New Delhi-1.  
(Transferor)

(2) Smt. Inderjeet Kaur,  
D/o Sardar Karm Singh,  
G-36, Con. Circus, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture Land 61 bigas 15 Biswas comprising Khasra No. 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 14, 17, 18 in rectangle No. 142 of Village Dichaun Kalan, Najafgarh Area, Delhi with one tubewell and cattle sheds.

MRS. BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 25-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK VIKAS BHAVAN  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6296.—Whereas,  
BALJEET MATIYANI  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/-

and bearing

No. 1083 situated at Shora Kothi Sabzi Mandi, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Raj Rani Bhagat  
W/o Shri. Goverdhan Das Bhagat  
D/o late Shri Ram Lubhaya Bajaj  
now B-2/15, Pachimpuri, New Delhi-63.  
(Transferee)

(2) Smt. Darshan Devi  
W/o Shri Kishan Lal  
R/o 1083, Shora Kothi Subzi Mandi, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1083 duple storeyed area about 80 sq yds.  
in Shora Kothi Subzi Mandi Delhi bounded as under :—  
East : Property No. 1082  
West : Street  
North : Passage  
South : Common passage

MRS. BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 25-11-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK VIKAS BHAVAN  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/380/6262.—Whereas, I, MRS. BALJEET MATIYANI being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. UA-10/54A situated at Jawahar Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 3-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Hazarilal Jain,  
S/o Late Shri Bhagwandas Jain,  
R/o 2091, Mungewali Havell, Kinari Bazar,  
Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Amritlal  
S/o Shri Lakhiram  
R/o 40-A/UA, Jawaharnagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two-storeyed building built on plot No. 54-A in Block No. IA-10, situated at Jawahar Nagar, Delhi measuring 166.7 sq. yds.

MRS. BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 25-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-80/6326.—Whereas, I, MRS.  
BALJEET MATIYANIbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.114-A, Ramesh Nagar situated at Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 17-3-1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :

(1) Shri Chaman Lal Madan  
S/o Shri Madan Lal Madan  
A-239, Karampura, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Lal Goel  
S/o Late Shri Jetha Mal  
6/25, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 114-A (Block NIL) situated in the abadi of  
Ramesh Nagar New Delhi alongwith the lease hold rights of  
land attached thereto measuring 100 sq. yds.

MRS. BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/Sr-I/3-80/6293.—Whereas, I, MRS. BALJEET MATIYANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  $\frac{1}{2}$  southern side of 1675 (Old) situated at 2722 (New) Gali Pipalwali, Churiwalan, Bhojla Pahari Illaqa No. 9 Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 8-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—376GI/80

- (1) Shri Suresh Kumar  
S/o Shri Mool Chand,  
Smt. Shabarti Devi  
W/o Late Mool Chand  
R/o 2722, Churiwalan Delhi,  
Smt. Kaushalya Devi  
W/o Shri Prem Prakash  
5/5, Punjabi Bagh, N. Delhi &  
Smt. Shanti Devi  
W/o Shri Ganga Saran  
R/o C-145, Indl. Area, Naraina, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kirpa Shankar  
S/o Shri Shakrapan  
R/o 2538, Churiwalan Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$  southern portion of two storeyed house measuring 42 sq. yds. bearing No. 1675 (Old) 2722 (New) situated at Gali Pipalwali Churiwalan, Bhojla Pahari Illaqa No. 9, Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 21-11-80

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-86/6261.—Whereas, I,  
BALJEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T-941-942, situated at Bagh Raoji, Arya Nagar, Delhi 6 (and more fully described in the Scheduled Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurbaksh Khanna  
S/o Om Parkash Khanna  
R/o T/951, Bagh Raoji, Arya Nagar, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Ghansham Dass Sharma  
S/o Urbinder Sharma  
R/o 72, Model Basti Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. T-941-942 measuring 62.63 sq. yds. situated at Bagh Raoji in Arya Nagar, Delhi-6.

MRS. BALJEET MATIYANI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 25-11-80  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-80/6292.—Whereas, 1, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ‡ Northern side of No. 1675 (Old) situated at 2722 (New) Gali Pipal Wali, Churiwalan, Bhojla Pahari Illaqa No. 9, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sharbati Devi W/o Late Shri Mool Chand, 2722, Churiwalan Delhi-6, (Transferor)
- (2) Shri Kirpa Shankar S/o Shri Chakraman, R/o 2538, Churiwalan Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

‡ Northern side of two storeyed house measuring 40 sq. vds. bearing No. 1675 (Old), 2722 (New) situated at Gali Pipalwali, Churiwalan, Bhojla Pahari, Illaqa No. 9, Delhi.

BALJEET MATIYANI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 21-11-1980  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st November 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-80/6374.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M. No. 1 of 1567 situated at Church Road Kashmeri Gate Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagmohan Anand S/o Late Shri Ganga Ram Anand,  
8-C/1, Rajpur Road Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Chander Gupta S/o Shri Kishori Lal B-2/16, Model Town Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as that Chapter.

## THE SCHEDULE

M. No. 1 of property No. 1567 fully, situated at Church Road, Kashmere Gate Delhi.

MRS. BALJEET MATIYANI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-11-1980  
Seal :



FORM ITNS—

(1) S/Shri Shiv Giri S/o Shri Sant Giri,  
R/o Village Toda Kalyanpur, Parg. & Teh. Roorkee,  
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 2012-A/Hardwar/79-80.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 28-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Shri Sardar Jogendra Singh S/o Sardar Atma Singh,  
R/o Shrawan Nath Nagar, Hardwar, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

A House Property (Half Portion) measuring 1573 Sq. Fts. situated at Shrawan Nath Nagar, Hardwar, Distt. Saharanpur which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Kanpur.

Date : 3-10-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th October 1980

Ref. No. T.R. No. 1001/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 25-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lilawati Sharma w/o Shri Prannath Sharma through Shri Har Indra Nath Sharma, r/o 29-A/27, Hastings Road apposite Circuit House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Pal s/o Vishambhar Dayal, r/o Bramhanpuri, Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 3/48, situated at Janakpuri, Aligarh which was sold for Rs. 108,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 1999-A/Hardwar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balwant Rai and Chandra Prakash  
s/o Shri Nihal Chand  
r/o Moh : Karash, Parg : Jwalapur, Hardwar,  
Distt : Saharanpur.  
(Transferor)
- (2) M/s. Bhagirathi & Company Hardwar through  
Ashok Kumar Sharma, Partner, Shrawan Nath  
Nagar, Hardwar, Distt : Saharanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property in question is a piece of Land, situated at Meat Market Village : Ahmedpur, Teh. Hardwar, Distt : Saharanpur which was sold for Rs. 140,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-10-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 1972-A/Khurja/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Ranjit Vilas Palace called as Ragghikhana situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja on 25-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radhey Shyam Bansal s/o Lala Makkhan Lalji, Bata Manager, Shoe Company, Ghantaagar, Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Prabhash Chandra s/o Lala Panna Lalji r/o Mohalla: Holli Bari Saran, Kasba: Khurja, Distt: Bulandshahar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property in single story bearing No. 687, situated at Mohalla: Laxmanganj, Goenka Colony, Khurja, Distt: Bulandshahar which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Kanpur.

Date : 3-10-1980  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurdev Singh s/o Jogendra Singh r/o Majari Grant Parwadun, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Ved Bhushan s/o Shri Madan Lal r/o Guru Road, Dehradun.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 1421-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 26-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—376GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10,131 Sq. Fts. situated at National Road, Dehradun which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range Kanpur.

Date : 3-10-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 1997-A/Hardwar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 12-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anant Ram s/o Lala Kundan Lal r/o Mohalla: Maliyan, Kasba: & Parg: Jawalapur, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Kaushallya Devi w/o Shri Bhagwan Dass and Gopal Dass s/o Shri Mandhu Ram and Bhushan Lal s/o Shri Jagdish Lal all r/o, Ram Nagar Colony Jwalapur, Hardwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Double storeyed Shop (Shop) situated at Mohalla: Maliyan, Kathara Bazar, Jwalapur, Hardwar which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Kanpur.

Date : 3-10-1980  
Seal :

## FORMS ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref No. 1998-A/Hardwar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hardwar on 13-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raj Rani Arora w/o Shri Mohan Lal Arora, near Keshav Chitralok, Ahmedpur Kaich, Post: & Parg; Jwalapur, Teh: & Distt: Saharanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Bhanu Pratap Singh s/o Thakur Mahendra Singhji, Shri Sarv Daman Singh s/o Shri Mahendra Singhji r/o Sanadhya Ashram, Lajpat Kunj, Agra (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property with four Shop under Limitation of Nagar Palika Samiti Hardwar situated at Ahmedpur Karach-near Keshav Chitralok, Parg; Jwalapur Teh: Roorkee, Distt: Saharanpur which was sold for Rs. 130,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-10-1980  
Seal :

## FORM FINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st October 1980

Ref. No. 169/Acq/Orai/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule Situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Orai on 31-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Drig Bijai Singh S/o Shri Vishwanath Singh r/o Sema, Parg: Orai, Distt: Jalaun.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Ram Kumar and Krishna Kumar (Baligan), Dasu Dama Prasad and Balram (Nabaligan) s/o Shri Udai Narain and Vilayat Shri Udai Narain r/o Tulsi Nagar, Parg: Orai, Distt: Jalaun.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated at Tulsi Nagar Parg: Orai, Distt: Jalaun, which was sold for Rs. 26,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-10-1980  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Mathura Pd. s/o Shri Ram Dayal, r/o Vill. &amp; Post Diravati Pargana Kench Distt. Jalaun.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Pursottam Narain s/o Shri Parwat Singh r/o Vill. &amp; Post Simai Pargana Orai Distt. Jalaun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st October 1980

Ref. No. 161/Acq/Orai.—Whereas, I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule Situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Orai on 15-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land situated in Semai Pargana Orai & Distt. Jalaun sold for Rs. 29000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1980.  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st October 1980

Ref No. 162/Acq/Orai/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule Situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Orai on 15-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parmanand s/o Sri Ram Dayal r/o Vill. & Post Diravati Pargana Kench Distt. Jalaun.

(Transferor)

- (2) Shri Jagat Narain s/o Parwat Singh r/o Vill. & Post Diravati Pargana Kench Distt. Jalaun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land V & P.O. Somai Vafra Pargana Orai Distt. Jalaun sold for Rs. 20,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-10-1980.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 28th October 1980

Ref. No. 64-S/Ghaziabad/80-81.—Whereas, I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason or believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule Situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 7-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kalwa and Idrish S/o Late Shri Yamin,  
R/o Mohalla : Byaparian Muradnagar, Parg.  
Jalalabad, Teh and Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Shri Mohd. Unas S/o Shri Allaraji,  
R/o Sarna Muradnagar, Parg. Jalalabad, Teh. and  
Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An Agricultural Land measuring 7 Bigha Pukhta bearing Khasra No. 232, 233, 225, and 226 situated at Surna Muradnagar, Parg. Jalalabad, Teh. and Distt. Ghaziabad which was sold for Rs. 78,000/-.

**B. C. CHATURVEDI**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-10-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st November 1980

Ref. No. 111-B/Meerut/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 31-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nawab Islam Mujtaba Khan S/o Shri Ialamulla Khan, Kothi Jannat Nishan, Shahar : Meerut, Bahaisiyat Mukhtar-a-am NawabIslam Nabi Khan S/o Shri Ahemadulla Khan Mohtamim and Munt-jim Riyasat Nawab Islamulla Khan. (Transferor)
- (2) Shri Javed Haleem, Parvez Haleem (Baligan), Suhail Haleem, Nadeem Haleem (Nabaligan) S/o Shri Abdul Halseem Khan. R/o 138, Purwa Ahmadnagar, Meerut. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Household construction) bearing No. 138 present No. 177, situated at Kothi Jannat Nishan Purwa Ahemadnagar, Meerut City which was sold for Rs. 55,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd October 1980

Ref. No. 117-B/Meerut/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 25-3-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—376GI/80

(1) Shri Shanti Swaroop S/o Shri Dhan Singh Varma,  
R/o H. No. 54, Dal Mandi, Sadar Meerut Cantt.  
(Transferor)

(2) Shri Prem Sagar S/o Lala Fateh Chand,  
R/o H. No. 64, Mohalla Iswarपुरi, Shahar, Meerut.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property with the Shops bearing Old No. 154, 155 & 156 another allotted Nos. 158, 156 and 157 and present No. 94 situated in Mohalla Iswarपुरi, Shahar Meerut which was sold for Rs. 32,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 23-10-1980

Seal :

FORM LT.N.L.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 26th September 1980

Ref. No. 113-B/Meerut/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 27-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sunder Dass S/o Lala Roop Chandra,  
R/o Mohalla Kcsarganj, Shahar Meerut.  
(Transferor)

- (2) (1) M/s. Heera Biri Factory, 270, Purwa Faiyaz Ali, Meerut,  
Through Shri Shaukat Ali S/o Shri Alhaj Sadik Ali, Sadik Ali S/o Shri Ajmat Ali,  
Shri Alhaj Kamis Ali S/o Shri Azam Ali,  
Partners of Firm Majkoor, R/o 270, Purwa Faiyaz Ali, Meerut.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Single Tin Shed Ahata with Boundry Wall bearing No. 214, 7/9 situated at Purwa Faiyaz Ali Meerut City which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-9-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th October 1980

Ref. No. 151-B/Dadri/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Dadri on 31-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suraj Prakash Bhasin s/o Shri S. Bhasin  
R/o Model Town Mohalla Kothiat,  
Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Shri Pooran Singh s/o Shri Kalla Ram,  
R/o Mohalla : Mohan Kush Khetram Road,  
Ghaziabad, Parg. Baunl,  
Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2)6±19 (and 7101 Sq. yards) bearing Khasra No. 225/2 which was sold for Rs. 1,77,525 /-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-10-1980

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 28th October 1980

Ref. No. 133-B/Ghaziabad/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhanpal Gupta s/o Shri Shyam Lal  
R/o 28-G, Bihari Nagar,  
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Kalu Ram s/o Shri Mangat Ram  
R/o Village Baseda, Distt. Muzaffarnagar,  
Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 17, measuring 108.46 Sq. Metres situated at Additional Sihani Gate Scheme, Ghaziabad which was sold for Rs. 43,384/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-10-1980  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd October 1980

Ref. No. 137-B/Ghaziabad/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 30-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mitthan Lal S/o Shri Sagar Mal,  
R/o G.T. Road, Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Shri Jaswant Ram S/o Shri Ram Chandra,  
R/o 145, Gali Munshi Halwai, Railway Road,  
Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two Shops situated at Mohalla Ramanuj Dayal, G.T. Road, Ghaziabad which was sold for Rs. 38,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 23-10-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th October 1980

Ref. No. 100-B/Kanpur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur, the 6th March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shambhu Nath Misra,  
R/o Village Kiha Khar, Teh. & Distt.  
Hamirpur.

(Transferor)

(2) Shri Sughar Singh  
R/o H. No. 133/44, 'M' Block, Kidwai Nagar,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 133/44, situated at Kidwai Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 48,263/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 14-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamla Devi w/o Shri Balmukund,  
R/o 130/56, Bakarganj,  
Kanpur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Lal Mohd and Abdul Hamid, Abdul Shakoor,  
Abdul Rehman and Aftab Hussain,  
All S/o Kalu Mian,  
R/o 24/10, Begam Purwa Colony,  
Kanpur City.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th October 1980

Ref. No. 176-B/Kanpur/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
No. As per Schedule situated at As per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kanpur on 17-3-80  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 138/353 (130/353) measur-  
ing 213.8 Sq. yards situated at Babu Purwa, Kanpur which  
was sold for Rs. 37,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 14-11-1980

Sent :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 162-B/Bilhaur/79-80.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilhaur on 15-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mangal Singh s/o Shri Ram Bax Singh,  
R/o Village Jarari, Parg. & Teh. Bilhaur,  
Distt. Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Lakhan Singh s/o Hukam Singh,  
R/o H. No. 7/55, Tilak Nagar,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 105-A and 105-B, situated at Village Jarari, Parg. & Teh. Bilhaur, Distt. Kanpur which was sold for Rs. 30,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th October 1980

Ref. No. 87-B/Kanpur/80-81.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 14-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—376GI/80

- (1) Smt. Prashanta Rani w/o Virendra Nath,  
R/o 114/7, J. K. Colony,  
Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Asare s/o Shri Ram Prasad,  
R/o 62/103, Harbans Mahal,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the **publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 377, situated at Muzaffarpur, Kazi Khera, Kanpur City, which was sold for Rs. 47,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th November 1980

Ref. No. 171-B/Kanpur/80-81.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Shakuntala Devi w/o Shyam Sunder and Shyam Sunder s/o Kundan Lal  
R/o 128/291 H-2, Kidwai Nagar,  
Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Unjala Devi w/o Radhey Shyam,  
R/o 76/323, Coelie Bazar,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 128/291-H-2, measuring House with 110 Sq. Yards open lands situated at Kidwai Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-11-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th November 1980

Ref. No. 1986-A/PN/Dehradun/80-81.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 28-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Pt. Keshav Lal s/o Late Pt. Dalpat Ram,  
R/o Mukta Ashram, Pushkar Marg,  
Present Address : Mahant Parashuram Marg,  
Rishikesh, Parg. Parwadun, Distt. Dehradun,  
Present resident of Govind Niwas, Karanpur,  
Dehradun.  
(Transferor)
- (2) Lala Ram Chand s/o Late Lala Sewak Ram,  
Lala Tirath Ram, Shri Sriram, Girdhari Lal  
All s/o Lala Ram Chand,  
R/o 63, Pushkar Marg, Rishikesh, Parg. Parwadun,  
Dehradun.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing Ashram No. 63, measuring 525 sq. Metres situated at Pushkar Marg at Present Name : Mahant Parashuram Marg Rishikesh, Parg. Parwadun, Distt. Dehradun which was sold for Rs. 55,000/-

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-11-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ret. No. 2008-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Muzaffarnagar on 27-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kesho Dass Jain s/o Shri Munshi Lal Jain,  
R/o 61, Prem Puri, Muzaffarnagar.  
(Transferor)
- (2) Shri Bhupendra Kumar Jain  
S/o Lala Jugmandar Dass Jain,  
Smt. Beena Jain W/o Bhupendra Kumar Jain,  
R/o 61, Prempuri,  
Muzaffarnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 61 with land measuring 202 Sq. yards, situated at Mohalla Prempuri, Parg. & Distt. Muzaffarnagar which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 2005-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Muzaffarnagar on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

- (1) Shri Din Dayal Sharma s/o Shri Sriram,  
R/o 165, Patel Nagar, New Mandi,  
Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) Shri Vinod Kumar and Anil Kumar.  
S/o Radha Mal.  
R/o Patel Nagar, New Mandi,  
Muzaffarnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property (in double storey) bearing No. 165, situated at Mohalla Patel Nagar, New Delhi, Muzaffarnagar which was sold for Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980  
Seal :

FORM LT.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 2005A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, 1,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 20-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Simla Devi w/o Shri Randhir Singh,  
R/o 262-B, Gandhi Colony (Northern),  
Muzaffarnagar. (Transferor)
- (2) Shri Virendra Singh & Sohanbir Singh,  
S/o Chhattar Singh,  
R/o 262-B, Gandhi Colony (Northern),  
Muzaffarnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 282-A situated at Gandhi Colony (Northern), Muzaffarnagar which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 165-B/Kanpur/80-81.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 27-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manna Shukla s/o Shri Shiv Ratan Lal, Omkar Nath, Amar Nath, s/o Manna Lal, R/o 20, Shashi Nagar, Kanpur and Smt. Mane Kamini Awasthi w/o Ram Shankar Awasthi R/o 46/113, Hatia, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Sita Devi w/o Shri Radhey Lal, R/o 24/115, Patkapur, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A House Property bearing No. 24/115, situated at Patkapur, Kanpur which was sold for Rs. 45,000/-.

**B. C. CHATURVEDI**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

No. 25,000/- and bearing

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 89-B/Kanpur/80-81.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Chhibbar w/o Dr. S. N. Chhibbar,  
R/o 18/46, Mall Road, Kanpur. (Transferor)
- (2) Smt. Lachi Devi w/o Shri K. P. Dwivedi,  
R/o Village & Post : Khaira, Distt. Mirzapur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 31, Central Block Scheme No. xxvi(26), Old Kanpur which was sold for Rs. 62,937.30 Paise.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th November 1980

Ref. No. 1961-A/Saharanpur/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saharanpur on 20-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

37—376GI/80

(1) Dr. Sudhir Chandra Banerji s/o Late Dr. Hari Charan Banerji,  
Smt. Aruna Banerji w/o Dr. Sudhir Chandra Banerji  
R/o Court Road, Saharanpur.

(Transferor)

- (2) (1) Sardar Jitendra Singh Dua s/o S. Devendra Singh Dua,  
R/o Court Road, Saharanpur,  
(2) Smt. Indrajit Kaur w/o S. Gurdeep Singh,  
R/o 4121, Naya Bazar, Delhi,  
(3) Smt. Harjit Kaur w/o Shri Awtar Singh,  
R/o Saharanpur,  
(4) Smt. Jitendra Kaur w/o Gurbux Singh,  
(5) Smt. Indrajit Kaur w/o Shri Jawahar Singh,  
(6) Kr. Jagjit Kaur D/o S. Devendra Singh,  
R/o Court Road, Saharanpur,  
(7) S. Gurbachan Singh S/o S. Saheb Singh,  
R/o Mohalla : Sunderpuri, Ghaziabad,  
(8) S. Balwant Singh S/o Shri Heera Singh, —  
R/o Court Road, Saharanpur,  
(9) Smt. Harindra Kaur W/o S. Harmit Singh  
Dhawan,  
R/o Patiyala (Power Colony).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House property bearing No. 4/333 and 337 measuring 2702 sq. yards, situated at Pul Jogiyana, Distt. Saharanpur, which was sold for Rs. 4,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-11-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Lala Duli Chandra S/o Lala Narain Dass  
R/o 59/53-A, Birhana Road,  
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Narain, Hari Krishna, Madan Gopal,  
Mohan Lal and Sohan Lal all S/o Shri Ram Kripal  
R/o 104A/324 Ram Bagh,  
Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 174-B/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 13-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 104/441, situated at Sisauan, P. Road, Kanpur which was sold for Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th November 1980

Ref. No. 48-S/Baghpat/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baghpat on 14-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Banwari Lal S/o Nyadar Mal  
R/o Katha, Post : Khas, Parg : & Teh : Baghpat,  
Distt : Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Tulsi Ram S/o Shri Ram Saran  
r/o Mandi Bhagpat Post : Khas, Parg : & Teh :  
Baghpat, Distt : Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Single storeyed House Property measuring 406 Sq. Yards with two Shops situated Mandi Baghpat, Parg : & Teh. : Baghpat, Distt : Meerut, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th November 1980

Ref. No. 54-S/Ghaziabad/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 14-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hari Chand Gupta & Sri Chand Gupta  
S/o Shri Babu Ram,  
r/o 28, Chandrapuri, Parg : Loni, Teh : & Distt :  
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rajendra Kaur W/o Shri Mahendra Pratap Singh Bali, (M. P. Singh Bali) s/o Sardar Tara Singh Bali R/o 19-B, Railway Colony,  
Sardar Patel Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 195 (Awasi Plot) Block-B, Sector No. 8, measuring 473.13 Sq. Metres situated at Lohia Nagar, Ghaziabad which was sold for Rs. 47,313/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-11-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th November 1980

Ref. No. 67-S/Ghaziabad/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 5-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishna Lal Arora S/o Shri Gurditta Ram  
r/o H. No. 145, New Gandhi Nagar, Ghaziabad,  
Distt : Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal S/o Shri Bahadur Chand and Smt. Vidyawati W/o Shri Harbans Lal  
r/o B-6, Purana Gandhi Nagar, Ghaziabad,  
Distt : Ghaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property (in single story) bearing Old Board No. 8/130 and New No. 145, measuring 234 Sq. Yards, situated at New Gandhi Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 82,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-11-1980  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Punjab Iron & Steel Co. (P.) Ltd.,  
Jullundur Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Jamna Auto Industries & Agencies (P.) Ltd.,  
1566/3, Church Road, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th November 1980

Ref. No. 157-B/Dadri/80-81.—Whereas I, B. C.  
CHATURVEDIbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Dadri on 20-3-80for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One Super Structure Built on Plot No. 14 Site No. 4, situat-  
ed at Industrial Area Sahibabad which was sold for Rs.  
2,61,000/-.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, KanpurDate : 12-11-1980  
Sd :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th November 1980

Ref. No. 150-B/Ghaziabad/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 17-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Ram Pvari W/o Late Sardar Pratap Singh  
r/o K. F. 23, Kavi Nagar, Ghaziabad,  
Distt : Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Mangat Ram Sharma S/o Shri Ram Sharma  
r/o Third 'C' 72, Nehru Nagar,  
Ghaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property measuring 1109 Sq. Yards, it has only one side Boundary and one Steel Gate bearing No. 62, situated at Patel Marg, Ghaziabad which was sold for Rs. 1,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 985/Acq/Agra.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 11-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khem Chandra S/o Shri Kanhaiya Lal  
r/o, Akbar Road, Agra. (Transferor)  
(2) Smt. Resham Devi W/o Shri Bhagwan Dass  
Bhargava r/o 16/82, Shitala Gali, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property (in double story) bearing No. 16/82, situated at Shitala Gali, Agra which was sold for Rs. 30,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 982/Acq/Agra/80-81.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 31-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

—376GI/80

(1) Shri Sourab Chandra Roy S/o Shri Beni Madhaw Roy R/o 11/163-A, Purani Mandi, Taj Ganj, Agra. (Transferor)

(2) M/s. A. M. India (P.) Ltd., Srinagar, Kashmir, Through Shri Abdu IMajid Mir, Chairman-cum-Managing Director S/o Kh. Mohinddin Mir R/o Srinagar, Kashmir.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Land measuring 1350 Sq. Metres bearing Part of Khasra Nos. 222, 224 and 225, situated at Mauza Basai, Mus-takil, Taj Ganj, Agra which was sold for Rs. 81,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-11-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Shanker Sharma s/o Kanhaiya Lal Sharma  
r/o Kachehari Ghat, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Bhupal Singh s/o Gobardhan Singh  
r/o Kundaul, Teh : & Distt : Agra.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 196/Acq/Agra/80-81.—Whereas, I. B. C.  
CHATURVEDI,being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. as PER SCHEDULE situated at as PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
officer at Agra on 14-3-80for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Objections, if any, to the aquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 81, measuring 253 Sq.  
Metres, situated at Shastri Nagar Kandhari, Agra (Sirjaipur,  
Agra), which was sold for Rs. 40,000/-.B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, KanpurDate : 10-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th November 1980

Ref. No. 176/Acq/Kanch/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Konch on 31-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Prakash S/o Shri Man Sukhlal,  
r/o Dawar Konch, Post : Salaiya Bujurg,  
Parg : Konch, Distt : Jalaun.  
(Transferor)
- (2) Shri Mata Prasad S/o Shri Musaddilal  
r/o Village : Aivara, Post : Jaitpura,  
Parg : Konch,  
Distt : Jalaun.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 5.37 acres bearing No. 95, situated at Village : Aivara, Par : Konch, Distt : Jalaun which was sold for Rs. 9,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th November 1980

Ref. No. 980/Acq/Aligarh/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 28-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kailash Kashyap W/o Shri Chandra Mohan, r/o H. No. 1962, Gali Nilawali, Sita Ram Bazar, Delhi-6.

(Transferor)

- (2) Shri Krishna Sahai, President, Keshav Madhav Smarak Samiti, Dwarkapuri Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property and land measuring 197.75 Sq. Metres, situated at Mohalla : Dwarkapuri, Aligarh which was sold for Rs. 62,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-11-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st October 1980

Ref. No. 170/Acq/Shikohabad/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shikohabad on 17-12-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Illam Khan, Nizam Khan and Shri Inam Khan s/o Shri Latif Khan r/o Nagala Turkia Gram-Muksanpur, Post : Khas, Teh : Shikohabad, Distt : Mainpuri and at present r/o Gram : Rasulpur, Firozabad behind Water Works, Distt : Agra.  
(Transferor)
- (2) Shri Bal Kishan S/o Shri Naimi Chandra Jain r/o Mohalla : New Basti, Firozabad, Distt : Agra.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 2-00 acres bearing No. 53, situated at Vill : Makkhanpur, Parg : & Teh : Shikohabad, Distt : Mainpuri, which was sold for Rs. 30,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-10-1980  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 990/Acq/Jhansi/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 31-3-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishna Swaroop Agarwal s/o Shri Bishan Swaroop Agarwal r/o Civil Line, Ashok Marg, Jhansi, Present Address : Raj Kumari Building, Bhuteshwar, Mathura.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Agarwal W/o Shri Vijay Kumar Agarwal, R/o Ashok Bagh, Jhansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House property with Open Land bearing No. 314/6, 314/7, 314/8 and 314/9, at present No. 318/8 to 318/11 known as Nirmal Kunj and No. 318/1 to 318/4, situated at Jhokan Bagh, Civil Lines, Jhansi which was sold for Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-11-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ganga Devi W/o Shri Uttam Chandra  
Khattar, r/o 30, Civil Lines, Jhansi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Krishna Arora s/o Shri Madan Mohan Arora  
r/o 433-E, Sunder Bhawan, Sadar Bazar, Jhansi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 31st October 1980

Ref. No. 137/Acq/Jhansi/80-81.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
Jhansi on 31-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

## THE SCHEDULE

One Bungalow bearing No. 30, situated at Civil Lines,  
Jhansi which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 31-10-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 273/Acq/Kasganj/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasganj on 28-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Narain s/o Kishan Lal, Kuldeep, Ameet and Bobby (Nabaligan) s/o Shri Ram Narain and Smt. Tara Devi W/o Shri Ram Narain r/o Kasganj, Mohalla : Juijairam (Etah).  
(Transferor)

(2) Shri Satya Narain and Radhey Shyam S/o Shri Suraj Bhan, Suraj Bhan s/o Shri Ram Prasad r/o Kasganj, Mohalla : Mohan, Parg. Bilram, Distt : Etah.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storeyed Shop which was old construction with Kakaiya Int., situated at Kasganj, Moh : Nawab, Distt : Etah, which was sold for Rs. 46,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 31st October 1980

Ref. No. 156/Acq/Rath/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rath on 13-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—376GI/80

(1) Shri Pancham s/o Shri Raju r/o Patarpuri, Post : Jaria, Teh : Rath, Dist : Hamirpur.

(Transferor)

(2) Shri Man Singh, Pratap Singh and Chandra Shekhar s/o Shri Prabhu Dayal R/o Pawai, Post : Jaria, Teh : Rath, Dist : Hamirpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 8.33 acres bearing No. 45, situated at Mauja : Jamkhuri Parg : & Teh : Rath,, Dist : Hamirpur, which was sold for Rs. 25,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-10-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.**

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 165/Acq/Sikandrara/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Asper Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrara on 25-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vidyawati widow, Shri Suresh Chandra and Sushil Kumar s/o Shri Janki Prasad and Kumari Rekha D/o Shri Janki Pd. r/o Kasba : Sikandrara, Mohalla : Bhatkota, Parg : & Teh : Sikandrara, Distt : Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kumar and Krishna Kumar s/o Shri Bhagwati Sahai r/o Kasba : Sikandrara Min Mohalla : Khijarganj, Parg : & Teh. Sikandrara, Distt : Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A Shop measuring 45.36 Sq. Metres, situated at Kasba : Sikandrara, Mohalla : Bhatkota, Parg : & Teh : Sikandrara, Distt. Aligarh, which was sold for Rs. 47,000/-.

**B. C. CHATURVEDI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 275/Acq/Kasganj/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kasganj on 25-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shyam Lal Swaroop Bhanak S/o Shri Uttam Chandra Bhanak, r/o Kasganj, Mohalla : Nawab Gali Chowharan, Parg : Bilram, Distt. Etah.  
(Transferor)

(2) Shri Niranjan Lal S/o Shri Badri Prasad r/o Kasganj, Mohalla: Nathuram, Sect ki Mandi, Parg : Bilram, Distt. Etah.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Double storeyed Shop situated in Mohalla : Nathuram Bazar Nadrai Darwaja, Kasganj, Distt. Etah which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 10-11-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Malkiat Singh & Bhag Singh ss/o Sh. Narain Singh r/o Vill. Bhamian Teh. Ludhiana.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Bakshish Singh & Mohinder Singh & Makhan Singh ss/o Shri Gurdit Singh r/o 2673, Street I, Vishkarma Twn, Ludhiana.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/640/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 1572 sq. yds.

situated at Vill. Giaspura Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The plot measuring 1572 sq. yds. in V. Giaspura Teh Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No 5782 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
LudhianaDate : 15-11-1980  
Seal :



FORM I.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/641/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 1520 sq. yds. situated at Giaspura Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Madho Singh, Jagmal Singh ss/o Sh. Milkha Singh & Kartar Singh & Nahar Singh & Jagdev Singh ss/o Sh. Ram Singh & Hardip Kaur wd/o Sh. Gurmeh Singh  
R/o V. Bhamjan Teh. Ludhiana. (Transferor)
- (2) S/Shri Mohinder Singh & Bakshish Singh ss/o Shri Gurdit Singh  
r/o 2673, Viskarma Town, Street No. 1, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 1520 sq. yds. situated in Giaspura Tet-Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5783 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/494/79-80.—Whereas, I, **SUKHDEV CHAND**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3364 in Sector 35-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bhupinder Singh Heir  
s/o Karam Singh,  
c/o HKoy Middle School, Mahesh Nagar, Ambala Cantt. through his spl. Attorney Sh. Gurdial Singh Randhawa, r/o 2226, Sector 21-C, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) S/Sh. Jai Kumal & Sat Pal  
ss/o Shri Mangali Ram, Shop No. 17, Attawa Market, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3364 in Sector 35-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered deed No. 2531 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

**SUKHDEV CHAND**,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/479/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 1525 situated at Sector 36-D, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Wg. Comdr. Surinder Singh s/o Sh. Gopal Singh r/o 17-A/25, WEA Extension Area, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Sh. Harinder Singh Chimni s/o Maj. Gen. Bakshish Singh Chimni & Smt. Manjit Kaur Chimni w/o Sh. Harinder Singh r/o H. No. 259, Sector 35-A, Chandigarh through Maj. General Amrik Singh r/o 159, Sec. 35-A, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

II. No. 1525 situated in Sector 36-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2462 of 3/1980 in the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/626/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot measuring 250 sq. yds. situated at Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jasjeet Singh s/o Shri, Bhagwan Singh through his General Power of Attorney Sh. Balbir Singh, R/o Hira Singh Road, Ludhiana.

(Transferor,

(2) Shrimati Savita Sama W/o Shri Romesh Sama & Shri Arti Sama W/o Sh. Vinod Sama R/o House No. B-I-642, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 250 sq. yds. at Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5368 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date: 15-11-1980

Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/505/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1151 situated at Sector 33C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

40—376GI/80

- (1) Col Bhupinder Singh S/o Sh. Harcharan Singh  
through his attorney Sh. (Brig.) Harchand Singh,  
R/o 1369, Sector 33C, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Capt. Raghbir Singh S/o Shri Ujagar Singh  
C/o Brig. Harchand Singh, Resident of  
121/Sec. 18A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1151, Sector 33C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2518 of  
March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/503/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 606 situated at Sector 33B, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Maj. R. D. Singh S/o Shri Mohan Singh through his attorney Wg. Cdr. Mohan Singh S/o Shri Makhan Singh, C-382, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Sqn. Ldr. Amarjit Singh S/o Shri Nihal Singh, R/o 511, Sector 33B, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 606, Sector 33B, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 260 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Ludhiana

Date : 15-11-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November, 1980

Ref. No. LDH/648/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property No. B-XX-8/22, situated at Maya Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Baldev Kishan Shahi S/o Sh. Ram Parkash, 183, Maya Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Partap Singh Chawla S/o Sh. Santokh Singh Chawla C/o M/s S. J. Oil & Ginning Factory, Khanna. Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property No. B-XX-8/22, Maya Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5928 of March, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LHD/633/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  $\frac{1}{2}$  share in House No. B-III-30(Old)/B-III-S-19-941 (New) situated at Purana Bazar, Ludhiana, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Piara Singh S/o Shri Mohan Lal, self and General Power of Attorney Holder of his brother Shri Krishan Piara, residents of Purana Bazar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shrimati Harsh Bala W/o Shri Chakar Pal R/o 290, Mohalla Vakilan, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$  share in H. No. B-III-30(Old)/B-III-S-19-941 (New) at Purana Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5658 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/634/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (*hereinafter referred to as the 'said Act'*), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  $\frac{1}{2}$  share in House No. B-III-30(Old)/B-III-S-19-941 (New) situated at Purana Bazar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Piara Singh S/o Shri Mohan Lal & Shri Krishan Piara S/o Shri Mohan Lal through General Power of Attorney Shri Ram Piara Singh, residents of Purana Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shrimati Chanchal Rani W/o Shri Subhash Chander, 290, Mohalla Vakilan, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$  share in H. No. B-III-30(Old)/B-III-S-19/941 (New) at Purana Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5659 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/476/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of S.C.O. No. 143 situated at Sector 28D, Chandigarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vasanda Ram S/o Shri Amir Chand & Shri Raj Kumar S/o Shri Vasanda Ram, R/o 3313, Sector 23D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Manohar Singh & Shri Mohinder Pal Singh, S/o. Late Shri Mann Singh, House No. 3304, Sec. 19D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCO No. 143, Sector 28D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2446 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal

## Forms ITNS—

(1) Shri Vasanda Ram S/o Shri Amir Chand & Shri Raj Kumar S/o Shri Vasanda Ram, R/o 3313, Sec. 23D, Chandigarh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Manohar Singh & Mohinder Pal Singh, Ss/o Late Shri Man Singh, House No. 3304 Sec. 19D, Chandigarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/3/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of S.C.O. No. 143, situated at Sector 28D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of SCO No. 143, Sector 28D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 8 of April, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal

## FORM IITS—

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/624/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Plot No. 393, situated at Industrial Area-A, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Chand S/o Shri Babu Ram & Shri Ram Kishan S/o Shri Babu Ram through his attorney Shri Gian Chand S/o Shri Babu Ram, resident of 292, Industrial Area, A, Ludhiana. (Transferor)

(2) Smt. Sudha Rani W/o Shri Jeewan Kumar, Shrimati Kusum Rani W/o Shri Bharat Bhushan & Shri Ashwani Kumar S/o Shri Kapur Chand C/o Shri Kapur Chand R/o Madhopuri, Ram Gali, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Plot No. 393, Industrial Area A, Ludhiana. (Property as mentioned in the sale deed No. 5615 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/24/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Plot No. 393, situated at Industrial Area-A, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Chand S/o Shri Babu Ram & Shri Ram Krishan S/o Shri Babu Ram through General attorney Shri Gian Chand S/o Shri Babu Ram, R/o 292, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Rani W/o Shri Bharat Bhushan, Smt. Sudha Rani W/o Shri Jeewan Kumar & Shri Ashwani Kumar S/o Shri Kapur Chand, C/o Lala Kapur Chand, Madhopuri, Ram Gali, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Plot No. 393, Industrial Area-A, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 478 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX  
TAX, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/649/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 1390 sq. yds. situated at Tarf Piru Banda, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manmohan Kaur D/o Gurcharan Singh now wife of Shri Hardev Singh, R/o 164-I, Sarabha Nagar, Ludhiana. (Through Shri Rajinder Pal Reader—Commission appointed by the Court of Shri G. C. Badi, Sub-Judge, Ludhiana).

(Transferor)

- (2) Shri Inderjit Singh Ahluwalia S/o Shri Amar Singh, R/o 82H, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 1390 sq. yds. at Tarf Piru Banda, Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5951 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal

**FORM ITNS**

(1) Shri Hardev Singh S/o Shri Amar Singh, R/o 164-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Maya Devi R/o Shri Munna Lal, 82H, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/650/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 1510 sq. yds. situated at Tarf Piru Banda, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Plot measuring 1510 sq. yds. at Tarf Piru Banda, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5952 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Shri Jaswant Singh S/o Shri Ram Singh R/o 290,  
New Model Town, Ludhiana.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh Kumar S/o Shri Prem Sagar Smt. Chanchal W/o Shri Jugal Kishore, House No. 54, New Model Town, Ludhiana.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/614/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property No. 290 situated at New Model Town, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

House Property No. 290, New Model Town, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 5485 of March, 1980 of the Registering Authority at Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980  
Seal



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/619/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. B-21-315/2 situated at Indl. Area B, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Sant Singh, Harnam Singh, Harnek Singh, Surjit Singh Sons of Shri Gurdas Ram V. Dugri through general power of attorney Shri Isar Singh S/o Sewa Singh, Miller Ganj. Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Gurdev Singh S/o Shri Gurdas Ram, Plot No. 798, Indl. Area-B, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property No. B-21-315/2, Indl. Area-B, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 5566 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/611/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3 Kanals 6 Marlas situated at V. Giaspura, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sucha Singh S/o Shri Rullia Singh & Smt. Inder Kaur D/o Shri Rullia Singh, R/o Giaspura, Teh. Ldh. through Shri Mohan Lal, Reader of the Court of Sh. G. K. Rai, Sub-Judge, Ludhiana (Local Commission appointed by the Court).

(Transferor)

(2) M/s P. S. & Sons, G.T. Road, Ludhiana through its partners S/Shri Balwant Singh, Gurcharan Singh, Harbans Singh Sons of Shri Pritam Singh and Shri Pritam Singh S/o Shri Rana Singh, rs/o Miller Ganj, G.T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kanals 6 Marlas at V. Giaspura, Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5449 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/483/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 Kanals 14 Marlas at situated at Village Daria, U. T. Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piara Singh S/o Shri Phuman Singh, House No. 2720, Gandhi Nagar, Banga, Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Gurdev Singh S/o Shri Gurdas Ram, Plot No. Singh, Kothi No. 259, Sector 11A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 12 Kanals 14 Marlas at V. Daria, U.T. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2469 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Om Wati d/o Shri Dawarka Dass r/o Opp. Hira Bagh, Rajpura Road, Patiala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Satwinder Singh s/o Sh. Didar Singh r/o c/o M/s Didar Singh &amp; Sons, Bahera Road, Patiala.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PTA/426/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 18 biswas situated at Patiala—

Rajpura Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 18 Biswas situated on Rajpura Road, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6078 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PTA/427/79-80/ Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 17 Biswas situated at Rajpura Road, Patiala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—376GI/80

(1) Smt. Om Wati d/o Shri Dawarka Dass r/o Opposite Hira Bagh, Rajpura Road, Patiala.  
(Transferor)

(2) Sh. Jaswinder Singh s/o Didar Singh r/o c/o M/s Didar Singh & Sons, Bahera Road, Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 17 biswas situated on Rajpura Road, Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 6079 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Smt. Oma Wali w/o Sh. Dawarka Dass r/o Opposite Hira Bagh, Rajpura Road, Patiala.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

(2) Smt. Pritam Kaur W/o Sh. Didar Singh r/o H. No. B-6/165, Nihal Bagh, Baradari, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PTA/431/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. Land measuring 17 Biswas situated at Rajpura Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Land measuring 17 biswas situated on Rajpura Road, Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 6146 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th November 1980

Ref. No. KNN/109/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 kanals situated at V. Rahaun, Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sewa Singh & Smt. Dewari Singh,  
Model Town, Khanna.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurpartap Singh & Ajaipal Singh, sons of  
Shri Gian Singh, VPO Rahaun, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 16 kanals at V. Rahaun, Distt. Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2090 of March, 1980 of the Registering Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th November 1980

Ref. No. AML/J44/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 5 bighas situated at V. Jasran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Surjit Singh S/o Shri Mast Ram  
R/o V. Nasrali, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Tara Singh Labh Singh, Jaswant Singh  
S/o Shri Amar Singh, V. Nasrali now at  
V. Kukar Majra, Mandi Gobindgarh,  
S. Teh. Amloh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas at V. Jasran, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2089 of March, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th November 1980

Ref. No. AML/145/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 bigha 1½ biswas situated at V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in March, 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harbans Kaur W/o Sh. Thakar Singh & Smt. Pritam Kaur, Malkit Kaur Ds/o Sh. Thakar Singh S/o Shri Basant Singh, R/o Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Ranj W/o Shri Gopi Chand R/o Ahmedgarh & Smt. Janak Dulari W/o Sh. Sarup Chand R/o near Bus Stand, Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 1½ biswa at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2167 of March, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM NO. IT.N.S.-----

(1) Smt. Savitri Devi,  
401, Sector 20A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Anil Kumar Jain, C/o  
M/s. Chanda Press, Nicholson Road,  
Ambala Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/473/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 share of plot No. 3, situated at Street C, Sector 19A, at Chandigarh in March, 1980 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 share of plot No. 3, Street C, Sector 19A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2421 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/474/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 share of Plot No. 3, situated at Street C, Sector 19A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sushil Bhasin,  
126, Sector 16A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Jain C/o  
M/s. Chanda Press, Nicholson Road,  
Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share of plot No. 3, Street C, Sector 19A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2422 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Major Barinder Singh S/o Shri Nagina Singh  
R/o House No. 26, The Mall, Jullundur Cantt.  
(Transferor)
- (2) Baba Harbhajan Singh Bedi S/o Baba Narinder  
Singh Bedi C/o  
M/s. Gian Chand Darshan Lal,  
SCF-3, Sector 20C, Chandigarh.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th November 1980

Ref. No. CHD/486/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having No. Plot No. 1134 situated at Sector 33C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1134, Sector 33C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2498 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

Form I.T.N.S.-----

(1) Shri Jit Singh S/o Shri Gian Singh,  
1049, Sarojani Nagar, New Delhi through his special  
attorney Smt. Ranjit Kaur W/o Dr. Jagjit Singh,  
12/Sec. 19A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Verma W/o Shri M. R. Verma,  
R/o 3070, Sec. 35D, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th November 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/480/79-80.—Whereas I, SUKHDEV  
CHAND,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. Residential Plot No. 3070 situated at Sector 35D,  
Chandigarh  
and more fully described in the Schedule annexed hereto,  
has been transferred under the Registration Act, 1908 16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in March, 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3070, Sec. 35D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2463 of  
March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

43—376 GI/80

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th November 1980

Ref. No. CHD/501/79-80.—whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1001, situated at Sector 36C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. G. S. Kahlon S/o Shri Harbhajan Singh Kahlon through his General Power of Attorney Shri Jaspal Singh S/o Sh. Sant Singh, Resident of House No. 211, Sector 35A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Devinder Kaur W/o Shri Jaspal Singh, R/o House No. 211, Sector 35A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1001, Sector 35C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2593 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/482/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 3047, situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. Narinder Kumar Kapoor S/o Sh. Yag Dutt Kapur through his attorney Smt. Gurcharan Kaur W/o Sh. Nachhattar Singh, 3408, Sec. 35D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Kahan Kaur W/o Shri Kirpal Singh, H. No. 545, Sector 36B, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3047, Sec. 35D Chndigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2467 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXCENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD4/470/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV  
CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 17 Kanals 7 Marlas situated at Mani Majra, UT Chandigarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) S/Shri Ajit Singh S/o Bakhtawar Singh, Ajaib Singh S/o Ajmer Singh & Smt. Santi Wd./o Sh. Ajmer Singh R/o Mani Majra.

(Transferor)

(2) Shri Gurmej Singh S/o Shri Mohan Singh, R/o Village Shahbazpur, Distt. Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 17 Kanals 7 Marlas at V. Mani Majra, UT, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2403 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/466/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Plot No. 28 situated at Sector 18A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Mr. Ramesh Kumar & Mr. Raj Kumar S/o Banarsi Dass through father & Natural Guardian Sh. Banarsi Dass, SCO, 44 Sector 18-D, Chandigarh. (Transferor)

(2) Mrs. Shila & Mrs. Ram Piari, R/o H-29, Jangpur Extn. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 28, Sec. 18A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2377 of March, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/464/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Plot No. 28 situated at 18A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Ramesh Kumar — Raj Kumar Sons of Sh. Banarsi Dass through father & Natural Guardian, CSO, 44, Sector 18-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Raghubir Singh & Dr. Dip Singh H-29, Jang Pura Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Plot No. 28, Sector 18A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2375 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/465/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Plot No. 28, situated at Sector 18A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Ramesh Kumar & Raj Kumar Sons of Shri Banarsi Dass through their father Shri Banarsi Dass, SCO, 44 Sector-18-D, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Raghbir Singh & Dr. Dip Singh, R/o H-29, Jangpura Extension, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Plot No. 28, Sector 18A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2376 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-11-1980  
Seal:

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(J) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANACENTRAL REVENUE BUILDING  
Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/620/79-80.—Whereas I,  
SUKHDEV CHAND,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
House No. B-XX-1145 (Kothi No. 126A) situated at  
Sarabha Nagar, Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ludhiana, in March, 1980,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri Naginder Singh through Smt. Balwant Kaur  
W/o Shri Naginder Singh, R/o 36K, Sarabha  
Nagar, Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Capt. Harbhajan Singh, Ranjit Singh, Amarjit Singh,  
Sons of Shri Thaman Singh, R/o V. Dakha, Distt.  
Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. B-XX-1145 (Kothi No. 126A) Sarabha Nagar,  
Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5582 of  
March, 1980 of Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/477/79-80.— Whereas I, **SUKHDEV CHAND** Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 3542 situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

4—376 GI/80

- (1) Shri Ranjit Singh S/o Shri Waryam Singh, V&PO Banur, Tah. Rajpura, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Roshan Lal Singhal S/o Shri Sarwan Kumar. Kothi No. 244, Sector 32A, Chandigarh (Sector 22A). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 3542, Sector D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2447 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

**SUKHDEV CHAND**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/628/19-80.—Whereas I,  
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property No. B-XIX-357, situated at Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jasjeet Singh S/o Sh. Bhagwan Singh through Brig. Balbir Singh S/o Sh. Bhagwan Singh, R/o Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Shri Balwant Singh S/o Shri Chanda Singh R/o Sher Ganj, Agwar Gujran, Jagraon, Distt. Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Home Property No. B-XIX-357, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5370 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/483/79-80.—Whereas I,

SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 10 Kanals, situated at Khanna Khurd, Distt. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhajan Singh S/o Shri Ralla Singh, R/o Kanna Khurd Distt. Ludhiana.  
(Transferor)

(2) S/Shri Karam Singh, Balbir Singh, Kuldip Singh Sons of Shri Mal Singh & Shri Vijay Singh, Narinder Singh, Ravinder Singh Sons of Sh. Khem Singh, R/o Khanna.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kanals at Khanna Khurd, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2140 of March, 1980 of the Registering Authority, (Khanna).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/493/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1623, situated at Sector 36D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Inder Mohan Dhami, 312L, Model Town, Yamuna Nagar, Distt. Ambala.  
(Transferor)
- (2) Smt. Amar Kaur Rattan, 52, Deveenay Road, startford, London E. 15.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1623, Sector 36D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2526, of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri J. S. Sawhney S/o Sh. Tara Singh, F-47, Road No. 2, Andrews Ganj, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harinder Singh S/o Shri Sawan Singh, 1526, Sector 34D, Chandigarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGECENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. CHD/475/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot mearing 344.5 sq. yds. bearing No. 3038, situated at Sector 35D, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

## THE SCHEDULE

Plot No. 3038, Sector 35D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2443 of March 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

## CENTRAL REVENUE BUILDING

## LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/627/79-80.—Whereas I,  
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 347 sq. Yds. situated at, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jasjit Singh S/o Sh. Bhagwan Singh through Brig. Balbir Singh Grewal S/o Shri Gopal Singh, R/o Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.  
(Transferor)

(2) Shri Chameli Devi W/o Shri Mela Ram S/o Sh. Siri Ram, R/o House No. B-VII-727, Lakkar Bazar, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 347 sq. yds. at Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5369 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Ludhiana

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING

LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/469/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 436, situated at Sector 35A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dalip Singh s/o Shri Gopal Singh,  
26-E B-Block, B-Pocket, Janakpuri,  
New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Gian Parkash Chopra  
S/o Shri Mahi Dass Chopra,  
R/o House No. 1315, Sector 18C,  
Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 436 of Sector 35A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2394 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th November, 1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/484/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.C.O. No. 175-176 situated at Sector 8C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parkash Kaur Mani  
W/o Shri H. S. Mani and  
Smt. Devinder Kaur Maini  
W/o Shri B. S. Maini,  
C/o M/s. Maini Brothers,  
Forest Lessec, College Road,  
Pathankot.

(Transferee)

- (2) M/s. Chinar Industrial Investment & Finance Ltd.  
2nd Floor, Flat No. 4 & 5,  
Commercial Complex (Behind Savitri Cinema),  
Greater Kallash-II, Chiragh Delhi Road, New Delhi  
through Shri Brig. K. S. Aiyer,  
Administration Manager.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCO 175-176, Sector 8C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2474 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th November, 1980  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/471/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND, —  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
Residential Plot No. 1570 in Sector 34-D,  
situated at Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in March, 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Lt. Col. K. S. Oberai s/o Shri Sunder Singh,  
R/o 360 Service Officers Enclave,  
Sardar Patel Marg, New Delhi-21. (Transferor)
- (2) Mrs. Asha Saini w/o Shri J. N. Saini,  
R/o 59, Sector 7-A, Chandigarh, (Transferee)
- (3) Shri Vinay Kumar,  
C/o The Tribune, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1570 in Sector 34-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the registered deed No.  
2411 of March, 1980 of the Registering Authority,  
Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
45—376GJ/80

Date : 15th November, 1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/497/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 1730 in Sector 34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Piaree  
through G.A. Smt. Gurdev Kaur,  
R/o H. No. 1669, Sector 7-C,  
Chandigarh.

(Transferee)

- (2) Shri Mohinder Singh s/o Shri Darshan Singh,  
R/o 1669, Sector 7-C,  
Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1730 in Sector 34-D, Chandigarh.

(The property a mentioned in the registered deed No. 2557 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th November, 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/491/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1802 situated at Sector 33D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Lt. Col. Krishan Kumar Vohra  
S/o Late Shri Kartar Singh  
Through his attorney Major H. L. Vohra,  
S/o Late Shri Kartar Singh,  
Resident of Garthal, Kasauli  
(Simla Hills).

(Transferor)

- (2) Shri Suresh Chand Bahri  
S/o Shri Vikram Chand Bahri  
Through his general attorney  
Shri Rameshwar Dass Bhandari  
S/o Shri Babu Lal Bhandari,  
R/o House No. 3401,  
Sector 27D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1802, Sector 33D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2513 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th November, 1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. JGN/102/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. MCJ-1124, situated at Jagraon, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jagraon in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

- (1) Shri Puran Chand S/o Shri Hira Ram,  
R/o Jagraon Mandi.  
(Transferee)
- (2) S/Shri Resham Lal, Pyare Lal, Som Nath, Charanjit Lal, Prithvi Chand, Amrit Lal S/o Shri Brij Lal, S/o Shri Bhana Mal & Shri Surinder Kumar S/o Shri Resham Lal S/o Shri Brij Lal,  
Resident of Jagraon Mandi.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. MCJ-1124, at Jagraon, Distt. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5600 of March, 1980 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th November, 1980  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/478/79-80.—Whereas, I,  
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,  
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,00/- and bearing No.  
Plot No. 335 situated at Sector 35A, Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in March, 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Inder Kaur Malhotra  
W/o Major K. L. Malhotra,  
R/o House No. 125/18A, Chandigarh  
Through her special attorney  
Shri Charan Singh Bassi S/o Jagat Singh,  
Nakodar Hadiabad, Phagwara,  
Distt. Kapurthala.

(Transferee)

- (2) Shri Tilak Raj Trehan  
S/o Shri Pishori Lal Trehan,  
R/o House No. 3621, Sector 23D,  
Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 35, Sector 35A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No.  
2460 of March, 1980 of the Registering Authority,  
Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th November, 1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/616/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property No. B-V-1108, situated at Purana Bazar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Inderjit Singh S/o Shri Amar Singh,  
82H, Sarabha Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Roshan Lal Jain,  
Prop. M/s. S. R. Jain Hosiery Works,  
Purana Bazar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-V-1108, Purana Bazar, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 5498 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th November, 1980  
Seal :

FORM LT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. LDH/642/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Shop No. House No. B-VII-86 (Old)/B-VIII-1/110 (New)  
situated at Chaura Bazar, Ludhiana  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Ludhiana in March, 1980  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Norati Devi Thapar,  
R/o Larion Mohalla, Nawanshehar,  
Distt. Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Lal s/o Late Shri Nathu Ram &  
Shri Ashwani Kumar s/o Shri Krishan Lal,  
Residents of 784, Patel Nagar, Civil Lines,  
Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. B-VII-86 (Old)/B-VIII-1/110 (New) Chaura  
Bazar, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No.  
5810 of March, 1980 of the Registering Authority,  
Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th November, 1980  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PAT/436/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 480 sq. yards (10 biswas) situated at V. Bandugar, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Shri Jagir Singh,  
R/o Police Lines, Patiala.  
(Transferee)
- (2) Dr. Mrs. Santosh Sharma  
W/o Dr. Shiv Kumar Sharma,  
R/o Anand Bhawan, Sirhindi Gate,  
Patiala.  
(Transferor)
- (3) Shri Shanti Saroop Sharma,  
Anand Bhawan, Sirhindi Gate,  
Patiala.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 biswas (480 sq. yds.) at Bandugar, Teh. Patiala.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 6275 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th November, 1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) Shri Mchar Singh s/o Shri Pakhar Singh,  
R/o V. Rahaun now at Mughal Majra,  
Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. National Steel Rolling Mills,  
Khanna Khurd through Shri Karam Singh, Partner.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. AML/147/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2 kanals 11 Marlas  
situated at V. Mughal Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Amloh in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 2 kanals 11 Marlas at V. Mughal Majra,  
S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the sale deed No.  
2189 of March, 1980 of the Registering Authority,  
Amloh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

46—376GI/80

Date : 15-11-1980

Seal :

## FORM ITNS—

1) Shri Pritam Singh S/o Shri Kehar Singh  
R/o Majra Rahaun, Teh. Khanna,  
Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

2) M/s. National Steel Rolling Mills, Khanna Khurd  
Through Shri Karam Singh s/o Shri Mal Singh,  
Partner R/o Khanna Kalan, Tehsil Khanna,  
Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Ludhiana, the 15th November 1980

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AML/148/79-80.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 3 Kanals 17 Marlas situated at V. Mughal Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land 3 Kanals 17 Marlas at V. Mughal Majra, S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2190 of March, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980  
Seal

FORM ITNS

(1) Smt. Manjit Kaur W/o Sh. Rajwant Singh,  
R/o 17A, Bindal Road, Dehradun.  
(Transferor)

(2) Shri Jatinder Kumar Khanna S/o Shri R. C.  
Khanna, House No. 254, Sec. 22A, Chandigarh.  
(Transferee)

(3) Shri Mazid Rohani R/o House No. 1259,  
Sec. 15B, Chandigarh.  
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November, 1980

Ref. No. CHD/490/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,  
being the Competent Authority under Section 269B,  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
House No. 1259 situated at Sector 15B, Chandigarh.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in March, 1980  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons  
namely :—

THE SCHEDULE

House No. 1259, Sector 15B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No.  
March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/481/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 191

situated at Sector 33A, Chandigarh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Maj. Hardeep Singh Cheema S/o Sh. Inder Singh Cheema, through attorney Smt. Surinderjit Gosal, V&PO Ratainda, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri D. S. Gosal S/o Shri H. S. Gosal, House No. 202, Sector 9C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 191, Sector 33A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2464 of March 1980 of Registering Authority at Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980

Seal



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PTA/429/79-80.—Whereas, I, **SUKHDEV CHAND**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 32 Kanal (19360 Sq. Yds.) situated at Tripari Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss. Mandeep Kaur Khara d/o Sh. Harbhajan Singh Khara r/o 30, Sector 2, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Murti Devi W/o Sh. Puran Chand r/o Vill. Kamalpur Teh Samana.  
(2) Smt. Maya Devi w/o Parkash Chand r/o V. Kamalpur Teh. Samana.  
(3) Smt. Sheela Devi w/o Nelu Ram r/o Near A. C. Theater Patiala.  
(4) Smt. Savitri Devi w/o Madan Lal r/o Jakkhal Road, Patran.  
(5) Sh. Banarsi Dass s/o Sh. Put Ram r/o Beerpur Teh. Samana Distt. Patiala.  
(6) Sh. Jagat Sagar s/o Ram Sarup r/o Nabha Gate Sangrur.  
(7) Sh. Pardeep Kumar s/o D. R. Sachdeva r/o Punjabi University, Patiala.  
(8) Sh. Sham Lal s/o Sh. Walaiti Ram r/o Near Shiv Mandir, Patran.  
(9) Sh. Gurnam Singh s/o Sh. Sham Singh r/o Vill. Badalgah Distr. Sangrur.  
(10) Sh. Ramesh Kumar s/o Sh. Ram Dhari r/o Jakkhal Road Patran (Patiala)  
(11) Sh. Sham Lal s/o Sh. Ganpat Rai r/o New Lal Bagh, Patiala.  
(13) Sh. Ram Chand s/o Din Dayal r/o Vill. Nain Teh. & Distt. Patiala.  
(14) Jai Narain s/o Sh. Pyare Lal r/o Khalsa Mohalla Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 32 Kanals (19360 sq. yds.) situated in Tripari Saidan Distt. Patiala.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 6115 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala.)

**SUKHDEV CHAND,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/488/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 209 in Sector 35-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Major Vijay Dhruv Verma  
s/o Sh. N. S. Verma,  
r/o 3 Robinson Street, Calcutta, Now at Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Rajinder Pal Singh Bedi,  
s/o Shri Jagat Singh Bedi  
r/o H. No. 418-U TS, Sector 1, Talwara.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 209 in Sector 35A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2502, of March, 1980 of the registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. SML/53/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/-, and bearing Plot in Fingsak Estate, situated at Station Ward, Simla-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Venu Bakshi W/o Shri Vikas Bakshi,  
R/o Fingsak Estate, Station Ward Simla-3.

(2) Shri Swaranjit Singh Jaspal  
S/o Shri Pritam Singh Jaspal,  
R/o D-50, Saket, New Delhi-110 017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot in Fingsak Estate, Station Ward, Simla-3.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 124 of March, 1980 of the Registering Authority, Simla)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/495/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. C. O. No. 369-370, situated at Sector 35B, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdip Singh S/o Shri Kartar Singh, Smt. Surjit Kaur D/o Sh. Avtar Singh Gill, Sh. Pardeep Singh S/o Sh. Guldip Singh, Sh. Kuljit Singh S/o Sh. Guldip Singh through General Attorney Smt. Surjit Kaur D/o Avtar Singh Gill, Chandigarh. Residents of House No. 109, Sec. 28A. (Transferor)
- (2) Sh. Gurpreet Singh Bhathal S/o Sh. Sukhminder Singh Bhathal, Smt. Mohinder Kaur Bhathal W/o Shri Sukhminder Singh Bhathal, Shri Sukhminder Singh Bhathal S/o Sh. Prabha Dyal Singh Bhathal, Master Navpreet Singh Bhathal Master Subil S. Bhathal minor sons of Sh. Sukhminder Singh Bhathal through Smt. Mohinder Kaur Bhathal mother N/Guardian—residents of House No. 89, Sector 11A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S.C.O. No. 369-370, Sector 35B, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2540 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date: 15-11-1980.  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. AML//146/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 2 bighas situated at Gobindgarh, Distt. Patiala.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

47—376G1/80

- (1) S/Shri Amrik Singh, Bikramjit Singh  
S/o Shri Mehar Singh  
R/o Gobindgarh through his attorney  
Shri Mehar Singh  
S/o Shri Namberdar Pakhar Singh,  
Gobindgarh.

(Transferor)

- (2) M/s. Rehal Steel Industries  
through Shri Gurdev Singh, Partner  
R/o Ward No. 1, Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas at Gobindgarh, Distt. Patiala.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2171 of March, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Ludhiana,

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE, BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. Raj/151/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV  
CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of plot No. 40 situated at Township Rajpura  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Rajpura in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwan Dass  
s/o Shri Sawan Ram  
r/o 1344, Township, Rajpura,  
Teh. Rajpura.

(Transferor)

- (2) M/s. Industrial Cables (India) Ltd.  
Rajpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The part of plot No. 40, Industrial in Township Rajpura.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No.  
3556 of 3/1980 of the Registering Authority, Rajpura).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. NBA/181/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 Kanals 7½ Marlas situated in Nabha in March 1980 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jado Nath  
s/o Shri Atma Ram  
r/o Sarowalia Street Nabha.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan  
s/o Shri Ramji Dass,  
Shri Madan Gopal  
s/o Shri Jagan Nath,  
S/Shri Krishan Gopal,  
Mahesh Fumar,  
Rakesh Kumar  
ss/o Shri Suraj Bhan  
c/o M/s. Gopal Oil Mills,  
Bauran Gate, Circular Road, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kanal 7½ Marlas situated in Nabha.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 2666 of March, 1980 of the registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. NBA/182/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 4 Kanal 8 Marlas situated at Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prem Nath  
s/o Shri Jado Nath  
r/o Sarowalia Street, Nabha,  
Now D55, Panchsheel Enclave,, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Suraj Bhan  
s/o Shri Ramji Dass,  
Shri Madan Gopal  
s/o Shri Jagan Nath,  
S/Shri Krishan Gopal,  
Mahesh Kumar,  
Rakesh Kumar  
ss/o Shri Suraj Bhan  
c/o M/s. Gopal Oil Mills,  
Bauran Gate, Circular Road, Nabha.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kanal 8 Marlas situated at Nabha.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 2667 of March, 1980 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-11-1980  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. NBA/3/1980-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 4 Kanal 7½ Marlas, situated at Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jado Nath  
s/o Shri Atma Ram  
r/o Sarowalia Street Nabha.

(Transferor)

- (2) Shri Suraj Bhan  
s/o Shri Ramji Dass,  
Shri Madan Gopal  
s/o Shri Jagan Nath,  
S/Shri Krishan Gopal,  
Mahesh Kumar,  
Rakesh Kumar  
ss/o Shri Suraj Bhan  
c/o M/s. Gopal Oil Mills,  
Bauran Gate, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 4 Kanal 7½ Marlas situated in Nabha.

(The property as mentioned in the registered deed No. 165 of April, 1980 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. NBA/4/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 4 Kanals 7½ Marlas, situated at Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prem Nath  
s/o Sh. Atma Ram,  
r/o D55, Panchsheel Enclave, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Suraj Bhan  
s/o Shri Ramji Dass,  
Shri Madan Gopal  
s/o Shri Jagan Nath,  
S/Shri Krishan Gopal,  
Mahesh Kumar,  
Rakesh Kumar  
ss/o Shri Suraj Bhan  
c/o M/s. Gopal Oil Mills,  
Bauran Gate, Nabha.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kanal 8 Marlas situated in Nabha.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 166 of April, 1980 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PTA/435A/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plots of Booth No. 9, 10, 15 &amp; 16, situated at near Leela Bhawan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Kewal Kishan  
S/o Shri Durga Dass  
R/o Sultanpur Lodhi,  
Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Singh  
S/o Shri Devinder Singh &  
Shri Tirath Singh  
S/o Shri Ishar Singh &  
Smt. Surinder Kaur  
W/o Shri Raghbir Singh &  
Usha Sharma,  
Sirhindi Gate, Patiala  
now C/o Booth Nos. 9, 10, 15 & 16,  
Leela Bhawan Estate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plots of Booth Nos. 9, 10, 15 & 16, near Leela Bhawan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6267 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PTA/434/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plots of Both Nos. 11, 12, 13 & 14 situated at near Leela Bhawan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Joginder Paul Jain  
S/o Shri Nagin Chand  
R/o House No. 7719/5, Desi Mehmandari,  
Patiala.

(Transferor)

(2) The Fateh Construction Co.,  
Sewak Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plots of Booth No. 11, 12, 13 & 14 near Leela Bhawan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6265 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-11-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,**  
**LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PTA/435/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason or believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plots of Booth No. 7, 8, 17 & 18 situated at near Leela Bhawan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 32—376 GT/80

- (1) Smt. Vidya Wati Jain  
 W/o Shri Sardari Lal Jain.  
 R/o Sultanpur Lodhi,  
 Distt. Kapurthala.

(Transferor)

- (2) The Fatch Construction Co.,  
 107, Sewak Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plots of Booth Nos. 7, 8, 17 & 18 near Leela Bhawan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6266 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

**SUKHDEV CHAND,**  
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax  
 Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/507/79-80.—Whereas, I SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 9 kanals 5 marlas (with two sheds, Tubewell & Fruit Orchards) situated at Village Darya, U.T. Chandigarh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surinder Kaur  
W/o Shri Apar Singh &  
Mrs. Philo Meena Ghuman  
W/o Shri C. S. Ghuman,  
R/o 71, Sector 27, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh  
S/o Shri Karam Singh,  
R/o 338, Sector 35A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 kanals 5 marlas with two sheds, Tubewell Fruit Orchards, at V. Darya (UT Chandigarh).

(The property as mentioned in the sale deed No. 2589 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Thakur Prem Singh  
s/o Thakur Thakur Dass  
r/o Royal Hotel, Simla (H.P.).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. SML/54/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV

CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1 share of property known as Royal Hotel Estate measuring 222.8 Sq. yds. situated at near Cart Road near Bus stand Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Smt. Chandra Wati  
w/o Shri Inder Singh Advocate,  
r/o Bel Mount House Jakhoo, Simla-2.

2. Smt. Sarjo Sood  
w/o Shri Chhabil Das Advocate,  
New House Jama Masjid, Simla.

(Transferee)

- (3) Simla Central Government Employees Co. Op. Fuel Store Ltd., r/o Royal Hotel Estate on Cart Road, Near Bust Stand, Simla.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 share of property measuring 222.8 sq. yds. known as Royal Hotel Estate Cart Road near Bus Stand, Simla.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 196 of 3/1980 of the Registering Authority, Simla.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sat Pal Jain  
S/o Shri Bansilal Jain  
R/o Gujjarwal, (Ludhiana).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Fateh Construction Co.,  
107, Sewak Colony, Patiala.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PTA/433/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plots of Booth No. 1, 2, 3, 22, 23, & 24 situated at near Leela Bhawan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plots of Booth No. 1, 2, 3, 22, 23 & 24 near Leela Bhawan Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6264 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-11-1980  
Seal :



FORM NO. IT.N.S.-----

(1) Shri Manmohan Singh  
S/o Capt. Daip Singh,  
R/o V. Chaur Mastpur, Distt. Ambala.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Krishna Rani  
W/o Shri Surinderjit Singla,  
R/o SCF No. 7, Sector 24C, Chandigarh.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/489/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV  
CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
Restaurant Site No. 213, situated at Sector 24D, Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Restaurant Site No. 213, Sec. 24D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2503 of  
March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-11-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. CHD/485/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1141 situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baldev Singh  
S/o Shri Shiv Singh  
R/o Kishan Nagar, Amritsar,  
through Shri Dhyan Singh  
S/o Shri Puran Singh,  
R/o V. Dalam, P.O. Bhagawal,  
Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) Mrs. Bhagwant Kaur Kalsi  
W/o Shri Mohan Singh Kalsi,  
R/o 1141, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1141, Sec. 34C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2475 of March, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-11-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sushila Devi W/o Shri Amrit Lal, Champa Lal Street, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarla Devi W/o Shri Dilbagh Rai & S/Shri Chander Bal Rai and Ashok Kumar Sons of Shri Dilbagh Rai, residents of 1630, Lalumal Street, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. LDH/651/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 443 sq. yds. situated at Champa Lal Street, Civil Lines, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot measuring 443 sq. yds. at Champa Lal Street, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5963 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th Nov., 1980.

Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1980

Ref. No. PTA/430/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 19 Kanal 4 Marlas (11615 Sq. yds.)

Tripari Saidan (Patiala),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Miss Mandeep Kaur Khara d/o Shri Harbhajan Singh Khara r/o Kothi No. 30, Section 2, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (1) Shri Jagdish Chand s/o Shri Maleri Mal r/o Vill. Chano Teh. Bhawanigarh Distt. Sangrur. (2) Shri Sucha Singh s/o Tirlok Singh r/o Vill. Satrana Teh. Patran (Patiala). (3) Mrs. Sunita Devi w/o Shri Tirlok Nath r/o Nabha Gate, Patiala. (4) Shri Som Nath s/o Shri Ram Kishan r/o Bahera Road, Patiala. (5) Shri Lal Chand s/o Walaiti Ram r/o Near Old Bus Stand, Patran (Patiala).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. Land measuring 19K4M (11615 sq. yds.) situated in Tripari Saidan Patiala. (The property as mentioned in the registered deed No. 6116 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th Nov., 1980.

Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 28th November 1980

C.R. No. 62/28138 and 28139/80-81 ACQ/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SY. Nos. 14/1, 14/2, and 12/1 (Coffee lands) situated at Arecad Village, Madikeri Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madikeri Doc No. 1139/79-80 on 13-3-1980 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Y. R. Shetty, (2) C. K. Moideen Kutty Hajee, Arecad Village and Post, Kodagu.

(Transferor's)

(2) (1) B. B. Ponnappa, (2) B. P. Bheemaiah, Abyathamangala Village Kushalnagar Hobli, Somwarpet Taluk Kodagu District.

(Transferee's)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1139/79/80 Dated : 13.3.80)  
Property consists of coffee lands bearing Sy. Nos. 12/1, 14/1 and 14/2 of 10.50 acres, 1.36 acres and 12.11 acres situated at Arecad Village, Madikeri Taluk, Kodagu Distt.

**R. THOTHATHRI**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-11-80  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) G. K. Neelavva, (2) Sri G. K. Machaiah, (3) Sri G. K. Palangappa, (4) Smt. G. K. Devaki, (5) Smt. G. Damayanthi, Hakathoor Village, Madikeri Taluk.

(Transferor's)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (1) V. A. Mohamed Ali, (2) V. A. Aboo Mohamed, both sons of Sri Adam Saheb, residing at Ganapathi Street, Madikeri.

(Transferee's)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th November 1980

C.R. No. 62/28145 and 28146/80-81/ACQ/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SY. Nos. 10, 16/1, 6/4 (agricultural lands) situated at Hakathoor Village, Madikeri Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madikeri Doc. No. 1097/79-80, on 7-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1097/79-80 Date : 7-3-80)  
Property consisting of agri. lands as under :  
Sy. No. 10 .. 7.44 acres — wet land  
Sy. No. 6/1 .. 14.15 acres — Dry land  
Sy. No. 6/4 .. 3.15 acres — Dry land.  
along with structures thereon, situated at Hakathoor Village, Madikeri Taluk.

R. THOTHATHRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-11-80  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. Kunhikoman S/o Koman Gurukkul, "Vai-kuntam" Bhagamandla, Coorg District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th November 1980

C.R. No. 62/28155/80-81/ACQ/8.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural lands situated at Baghamandala Village, Mercara Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mercara Doc. No. 1207/79-80 on 25-3-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri P. R. Shanmugam, Shantagiri Estate, Sunti-coppa (N. Coorg). 571237.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1207/79-80 Dated 25.3.80)

Property (Agricultural lands) consists of 7.55 acres of wet land, 12.34 acres of Hitlu, 28.47 acres of bare land situated at Bhagamandla Village, Mercara Taluk).

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-11-80

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th November 1980

C.R. No. 62/26632/80-81/ACQ/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 460/20 situated at 8th 'B' Main, IV Block, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-DOC No. 4080.81 on 2-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimathi M. A. Rukminiammal, W/o M. A. Rangaswamy, No. 24, 5th Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.  
(Transferor)
- (2) Shri M. Ramakrishna, S/o Muniswamy, No. 122, 27th Cross, 7th Block, Jayanagar, Bangalore-11.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 41/80-81 Dated 2.4.80).

Eastern half middle of vacant site No. 460/20 situated at 8th 'B' Main Road, 4th Block Jayanagar, Bangalore-11—Corporation Division No. 35, measuring 223.14 Sq. metres.  
Bounded on :—North by 30th Cross  
South by Private Property  
East by Private Property  
West by Portion of the same property.

R. THOTHATHRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-11-80  
Seal :



**FORM ITNS**(1) Shri Dinesh Kumar, S/o Gopaldas Khandelwal, E-8,  
Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Girdharilal, S/o Doongermal Agarwal, Gauhati  
(Assam).

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 26th November 1980

Ref. No. 823.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Godown No. 1 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 3.3.1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Ground floor portion of Godown No. 1, Gulab Path, Chomu House, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide Registration No. 304 dated 3.3.80.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-11-80  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vimladevi, W/o Mahesh Kumar, E-8, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Narain Agarwal, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th November 1980

Ref. No. 825.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Godown No. 1 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-3-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First floor portion of Godown No. 1, Gulab Path, Chomu House, and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide Registration No. 303 dated 3.3.80.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Dat : 26-11-80  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th November 1980

Ref. No.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot. No. 34, situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21.3.80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Bahai and others C-25 Jaisingh Highway, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Joti Prashad Bansal, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34 Hatroi fort Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide registration No. 571 dated 21.3.80.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 26-11-80.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th November 1980

Ref. No. 826.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nil, situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 4.3.80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Prashad Agarwal, S/o Shyamsunderlal Agarwal, M.I. Road, Sharma Building, Jaipur.  
(Transferor)

(2) Shri Benichandra Joshi, S/o Krishan Chand R/o Nahagarh Road, House No. 2383, Jaipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land situated at Chitwari Ka Bagh, Chokari Ganga Pole, having one room and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 325 dated 4.3.80.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 26-11-80

Seal :